- वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि उपकर से मिला राजस्व राज्यों से होगा साझा - 12

- केंद्रीय मंत्री गोयल बोले- भारत और रूस व्यापार को संतुलित बनाने की जरूरत - 12

- अमेरिकी सांसदों का रूबियो को पत्र, पाकिस्तान पर लगाएं कड़े प्रतिबंध - 13

- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराया - 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.54

सूर्यास्त 05.17

अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 112, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गले लग दोस्त पुतिन का स्वागत

ग्रैंड वेलकम देने खुद पहुंचे मोदी, रक्षा व भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव मुक्त रखने पर चर्चा आज

- शिखर वार्ता में भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते व्यापार घाटे को दुरुस्त करने पर देगा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार की शाम को दो दिन के दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का गले लग स्वागत किया। चार साल के अंतराल के बाद उनका भारत आगमन हुआ है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार शाम को पुतिन के लिए निजी रात्रिभोज की मेजबानी की। दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का मुख्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद है। दोनों नेताओं के बीच बैठक से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में पुतिन का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बैठक हैदराबाद हाउस में होगी, जहां मोदी राष्ट्रपति पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए भोज का आयोजन करेंगे और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी होगी। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। बैठक के बाद पुतिन रूसी सरकारी प्रसारक का नया 'इंडिया चैनल' भी शुरू करेंगे। शिखर वार्ता में भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते व्यापार घाटे को दुरुस्त करने पर जोर देगा।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नई दिल्ली आगमन पर उनका गले लगकर स्वागत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। दाएं : पुतिन को अपने अधिकारिक आवास पर ले जाते प्रधानमंत्री।

वित्त मंत्री व रूसी उपप्रधानमंत्री ने आपसी हित के मुद्दों पर की बात

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मेंटुरोव के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जिसमें निवेश, बैंकिंग और वित्त सहित आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत और रूस दोनों ने पांच दिसंबर, 2025 को होने वाले आगामी 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन से मजबूत परिणामों की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री ने ब्रिक्स समूह की आगामी अध्यक्षता के लिए भारत को मजबूत समर्थन दिया।

पश्चिमी देश रख रहे करीब से नजर

दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच होने वाली बैठकों पर पश्चिमी देशों करीब से नजर रख रहे हैं। रूसी नेता का नई दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है क्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है। वहीं, यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत लगातार यह कहता रहा है कि बातचीत और कूटनीति ही युद्ध खत्म करने का एकमात्र तरीका है।

संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया तो भूल जाएं पदोन्नति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार का सख्त आदेश, 31 जनवरी तक आठ लाख से अधिक कार्मिकों को चल-अचल संपत्ति बताना अनिवार्य
- मानव संपदा पोर्टल पर विवरण दर्ज नहीं करने वालों के नाम एक फरवरी के बाद होने वाली डीपीसी से स्वत: होंगे बाहर

अमृत विचार: सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों की पदोन्नति पर अब संपत्ति की पारदर्शिता का पहरा होगा। योगी सरकार ने स्पष्ट आदेश में कहा है कि जो भी कर्मचारी 31 जनवरी 2026 तक अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं करेगा, उसे स्थायी रूप से प्रमोशन से वंचित कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, ऐसे कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई भी अनिवार्य रूप से की जाएगी। सरकार ने इसे अंतिम चेतावनी करार दिया है।

प्रदेश में आईएएस, आईपीएस, पीसीएस व पीपीएस अधिकारियों समेत आठ लाख से अधिक सरकारी कार्मिक विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। सरकार पिछले कई वर्षों से इस बारे में नोटिस, रिमाइंडर जारी कर रही है। किंतु बड़ी संख्या में कर्मचारी भी लापरवाही बरतते रहे हैं। सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित सभी प्रकार की संपत्ति का ब्योरा देना अनिवार्य है। कोई भी कर्मचारी यह समझकर न बैठे कि यह केवल औपचारिकता है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश में सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि पहली फरवरी 2026 के बाद होने वाली किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में उन्हीं कर्मचारियों के नाम शामिल किए जाएं, जिन्होंने समय पर संपत्ति विवरण अपलोड किया हो। जो कर्मचारी इसे नहीं करेंगे, उनके नाम सूची से स्वतः बाहर कर दिए जाएंगे।

यह विवरण देना अनिवार्य

कर्मचारियों को अपनी हर प्रकार की संपत्ति का विवरण देना होगा। इसमें घर, प्लॉट, दुकान, दोपहिया/चार पहिया वाहन, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट, बीमा, शेयर/म्यूचुअल फंड निवेश, कोई भी अन्य चल-अचल संपत्ति शामिल है। सरकार ने बताया कि मानव संपदा पोर्टल 1 जनवरी 2026 से खुल जाएगा और 31 जनवरी 2026, रात 12 बजे तक ही सक्रिय रहेगा। इसके बाद पोर्टल बंद हो जाएगा और कोई प्रविष्टि स्वीकार नहीं होगी।

इन्हें नियमों के तहत छूट

पहले से नियमों के छूट पाने वालों में चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप डी) के कुछ कर्मचारी जैसे चौकीदार, सफाईकर्मी, माली, चपरासी, वाहन चालक (कुछ विभागों में) शामिल हैं। साथ ही आउटसोर्स स्टाफ, संविदा आधारित कर्मी, दैनिक वेतन भोगी, प्रेरक व सहायकों आदि जैसी श्रेणियां, प्रोजेक्ट आधारित कर्मचारी (एनएचएम, मिशन, एड्स कंट्रोल, डूडा आदि) इन पर संपत्ति विवरण देने का प्रावधान ही नहीं था, इसलिए पहले से छूट मानी जाती है। इसके अलावा स्वायत्तशासी व विभिन्न निगमों के वे कर्मचारी जिनके सेवा नियम अलग हैं।

ब्रीफ न्यूज

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज के पति एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल तथा वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। दिल्ली भाजपा ने एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी। सुषमा स्वराज और स्वराज कौशल की इकलौती संतान बांसुरी स्वराज नयी दिल्ली से सांसद हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा वंचितों की मदद के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने के लिए उन्हें याद किया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, स्वराज कौशल जी के निधन से मैं दुखी हूं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में

नई दिल्ली। प्रदूषण में कई दिनों तक तेज वृद्धि और गिरावट दर्ज किए जाने के बाद, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता गुरुवार शाम को एक बार फिर बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई, जिससे सुबह की अल्पकालिक राहत खत्म हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

बीएलओ के काम के दबाव को कम करें राज्य और केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने और कर्मचारी मुहैया कराने के दिए निर्देश

शीर्ष कोर्ट ने मतदाता सूचियों के समयबद्ध एसआईआर में जुटे बूथ स्तरीय अधिकारियों पर कामकाज का अत्यंत दबाव होने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर गौर करते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को और अधिक कर्मचारियों को तैनात करने का निर्देश दिया है ताकि बीएलओ के कामकाज के घंटो में कमी लाई जा सके।

शीर्ष अदालत अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि समयबद्ध तरीके से ड्यूटी न निभाने के लिए बीएलओ के खिलाफ प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टीवीके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया कि कुछ निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव आयोग के अधिकारियों की ओर से दबाव डाले जाने के कारण कई बीएलओ की मौत हो चुकी है। अधिवक्ता ने कहा कि इसके अलावा निर्वाचन आयोग के अधिकारी सौंपा गया कामकाज पूरा करने में विफल रहने पर बीएलओ के खिलाफ प्राथमिकियां भी दर्ज करा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि राज्य सरकार काम का दबाव कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करने पर विचार कर सकती है।

छूट मांगने का विशिष्ट कारण है तो अन्य कर्मचारी तैनात करें

पीठ ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के पास ड्यूटी से छूट मांगने का कोई विशिष्ट कारण है, तो राज्य सरकार का संबंधित अधिकारी ऐसे अनुरोधों पर मामलों के आधार पर विचार कर सकता है और उस कर्मचारी की जगह किसी अन्य को तैनात कर सकता है। अदालत ने कहा, हालांकि, यह न समझा जाए कि यदि उनके विकल्प उपलब्ध नहीं कराए गए हैं तो वे ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों को वापस बुला सकते हैं।

संस्कृति क्षीण होने पर राष्ट्र खो देता है एकात्मता व पहचान : योगी

- सीएम के साथ योगेंद्र डिमरी ने किया महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति, परंपराएं और महापुरुषों से होती है। यदि संस्कृति क्षीण होती है तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान खो देता है।

गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के उद्घाटन अवसर पर योगी बोल रहे थे। इसके पहले योगी के साथ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने समारोह का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट या राष्ट्रीय चुनौती के समय महापुरुषों का शौर्य नई ऊर्जा देता है। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई और सीमाओं पर बलिदान देने वाले जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कर्तव्य पालन, पर्यावरण संरक्षण, लोक कल्याण और एक अच्छा नागरिक बनना भी सच्ची देशभक्ति है। योगी ने परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजयनाथ द्वारा वर्ष 1932 में रखी नींव का उल्लेख करते हुए दिवंगत अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह और अन्य सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रही शिक्षा परिषद के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसकी भूमिका कैसी रही।

गोरखपुर में समारोह के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

शोभायात्रा में दिखा समूचा भारत

संस्थापक सप्ताह की शोभायात्रा में गोरखपुर की सड़कों पर भारतीय संस्कृति, तकनीकी विकास, विरासत और राष्ट्रीय शौर्य का प्रदर्शन किया गया। एनसीसी कैडेट्स, ताइक्वांडो टीम, स्कूल-कॉलेजों के हजारों विद्यार्थियों ने अनुशासनपूर्ण मार्च पास्ट किया। शोभायात्रा में मां सरस्वती, भारत माता, महायोगी गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ के चित्र शामिल रहे। 'ऑपरेशन सिंदूर' से सैनिक शौर्य और राम मंदिर झांकी से विरासत का सम्मान प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री योगी और मुख्य अतिथि ने दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' व महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज की 'मिशन मंझरिया' रिपोर्ट का विमोचन किया। एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया।

रामलला को ओढ़ाई जा रही रजाई

- सुबह उन्हें गर्म पानी से स्नान कराकर श्रृंगार के दौरान गर्म कपड़े पहनाए जा रहे

अयोध्या। रामनगरी में ठंड बढ़ने के बाद राम मंदिर में विराजमान रामलला को सुबह ब्लोवर से गर्म हवा दी जा रही है और शयन के दौरान रजाई ओढ़ाई जा रही है। सुबह उन्हें गर्म पानी से स्नान कराकर श्रृंगार के दौरान गर्म कपड़े पहनाए जा रहे हैं। भोग में भी काढ़ा समेत गर्म भोजन खिलाया जा रहा है। जिससे कि उन्हें ठंड से बचाया जा सके।

रामलला के पुजारी संतोष आचार्य के मुताबिक जैसे-जैसे ठंड बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे पांच वर्षीय रामलला को ठंड से बचाने के लिए उनकी दिनचर्या में बदलाव होता जाएगा। पहले चद्दर और कम्बल ओढ़ाया जा रहा था, अब रजाई उड़ाई जा रही है। वहीं कनक भवन, हनुमान गढ़ी, मणिराम दास छावनी, राम बल्भाकुंज, चारुशीला मंदिर समेत अन्य मंदिरों के गर्भगृह में विराजमान देवी-देवताओं की मूर्तियों पर गर्म कपड़े पहनाए जा रहे हैं।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के उच्च सदन ने दी मंजूरी

संसद ने गुरुवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद समान कर बोझ रखने के लिए उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है। राज्यसभा में उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन वाले विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद उच्च सदन ने इसे ध्वनिमत से लौटा दिया।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। कहा कि चूंकि जीएसटी कानून में अधिकतम कर दर 40 प्रतिशत तय है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटा दिया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ वर्तमान स्तर से कम हो जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कर बोझ जीएसटी मुआवजा उपकर के दौरान जितना था, उससे कम न हो।

पीड़िता व उसके पिता को पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की भेज दी नोटिस

विधि संवाददाता, लखनऊ

- बलरामपुर पुलिस का कारनामा, एसपी बलरामपुर के झूठे शपथ पत्र पर हाईकोर्ट ने जताई हैरानी

बलरामपुर पुलिस ने अपहरण और दुराचार के एक मामले में नाबालिग पीड़िता व एफआईआर दर्ज कराने वाले उसके पिता को ही पॉलीग्राफ टेस्ट कराने का नोटिस भेज दिया। यही नहीं हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एसपी, बलरामपुर ने हलफ़नामा दाखिल कर पॉलीग्राफ टेस्ट का नोटिस होने की जानकारी दी। लेकिन यह तथ्य छिपा लिया कि उक्त पॉलीग्राफ टेस्ट कराने संबंधी पुलिस का प्रार्थना पत्र स्थानीय अदालत द्वारा खारिज किया जा चुका है। कोर्ट ने एसपी के शपथ पत्र को झूठा करार देते हुए चौंकाने वाला बताया। कोर्ट ने प्रमुख सचिव(गृह) को व्यक्तिगत शपथ पत्र दाखिल कर पूरे मामले पर जवाब देने अथवा अगली सुनवाई पर हाजिर होने को कहा। अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने नाबालिग पीड़िता के पिता की याचिका पर पारित किया है। याचिका में घटना से संबंधित एफआईआर की विवेचना अन्यत्र स्थानांतरित कराए जाने की मांग की गई है। याचिका पर एसपी, बलरामपुर ने जवाबी शपथ पत्र देते हुए कहा कि कथित पीड़िता द्वारा 28 अक्टूबर 2024 और 19 मार्च 2025 को दिए गए बयानों में अंतर है लिहाजा उसे व उसके पिता को पॉलीग्राफ टेस्ट कराने का नोटिस दिया गया है।

यह है मामला: याची ने बताया कि 22 अक्टूबर 2024 को दर्ज एफआईआर के संबंध में पीड़िता की ओर से स्थानीय पॉक्सो कोर्ट में प्रार्थना पत्र देते हुए कहा गया था कि 28 अक्टूबर 2024 को जो बयान उसने दिया था, वह अभियुक्त और पुलिस के दबाव में था। उक्त प्रार्थना पत्र पर पॉक्सो कोर्ट ने आठ जनवरी 2025 को पुनः बयान अंकित किए जाने का आदेश दिया।

सख्ती

ट्रंप प्रशासन ने वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं की कड़ी

एच-1बी वीजा के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल करने होंगे सार्वजनिक

- 15 दिसंबर से आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सरकार ने एच-1बी वीजा आवेदकों और उन पर आश्रित एच-4 वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं कड़ी कर दी हैं। नए निर्देशों के तहत सभी आवेदकों को अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल की निजता सेटिंग्स सार्वजनिक (पब्लिक) रखने के लिए कहा गया है।

विदेश विभाग ने जारी किए नए आदेश में कहा कि 15 दिसंबर से सभी एच-1बी आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे पहले छात्र (एफ, एम) और 'एक्सचेंज विजिटर' (जे वीजा) पहले से ही ऐसी जांच के दायरे में थे, जिसे अब एच-1बी और एच-4 वीजा तक बढ़ा दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, इस जांच को सुगम बनाने के लिए सभी एच-1बी, एच-4, एफ, एम और जे वीजा आवेदकों को अपने सभी सोशल मीडिया प्रोफाइल की प्राइवेसी सेटिंग्स सार्वजनिक करने के निर्देश दिए जाते हैं।

विभाग ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार है और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में उपलब्ध सभी सूचनाओं का उपयोग करके आवेदकों की गहन जांच की जाती है।

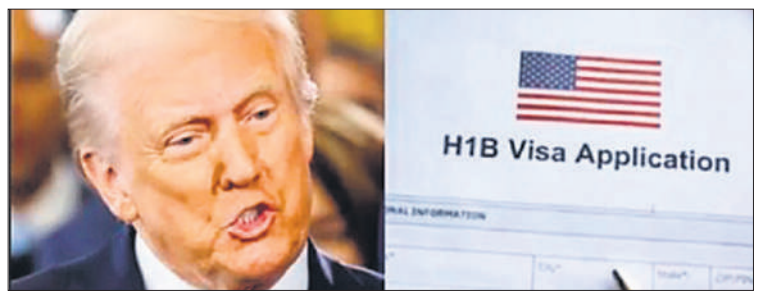

विदेश मंत्रालय ने कहा- अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार

अमेरिकी बयान में कहा गया है, हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णय है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन नियमों को कठोर बनाने की नवीनतम कार्रवाई है। प्रशासन एच-1बी वीज़ा के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक कार्रवाई कर रहा है, जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने में करती हैं। भारतीय पेशेवर, विशेषकर प्रौद्योगिकी कर्मी और चिकित्सक एच-1बी वीज़ा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार,5 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दो औषधि निरीक्षकों को मिला प्रशस्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश (एफएसडीए) द्वारा नारकोटिक्स दवाओं के अवैध व्यापार, उनके डायवर्जन तथा नशे के रूप में दुरुपयोग को रोकने हेतु एक माह का विशेष राज्यव्यापी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न राज्यों की फर्मा से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जिला स्तर पर छापेमारी, निरीक्षण एवं प्रवर्तन की प्रभावी कार्रवाई की गई। इस सफल अभियान के लिए मुख्यालय से नियुक्त दो ड्रग इंस्पेक्टर वैभव बब्बर एवं सीमा सिंह को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ.रोशन जैकेब ने गुरुवार को बताया कि नारकोटिक्स ब्यूरो ग्वालियर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और रांची समेत विभिन्न राज्यों की फर्मों से प्राप्त सूचनाओं को विभाग ने संगठित रूप से संकलित किया तथा उनका गहन विश्लेषण किया। इन सूचनाओं के आधार पर जिला स्तर पर छापेमारी, निरीक्षण एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की है।

गन्ना पर्यवेक्षक पद की डीपीसी हो : अतुल

अमृत विचार, लखनऊ : गन्ना विभाग में बीते 36 वर्षों से गन्ना पर्यवेक्षक की पदोन्नति गन्ना विकास निरीक्षक के पद पर नहीं हुई है। विभाग में डीपीसी न होने की वजह से गन्ना पर्यवेक्षक बिना पदोन्नति सेवाएं दे रहे हैं। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उप्र. के महामंत्री अतुल मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव उप्र. सरकार से मांग करते हुए कहा कि राज्य कर्मचारियों को उनका अधिकार मिलना चाहिए, पदोन्नति के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाए। संयुक्त परिषद के महामंत्री ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी को अवगत कराया कि मुख्य सचिव द्वारा समस्त विभागों को कई बार निर्देशित किया जा चुका है कि कर्मचारियों की पदोन्नति समय पर की जाये। परन्तु गन्ना विभाग द्वारा शासनादेशों को अनदेखी कर पदोन्नति की प्रक्रिया को विगत कई वर्ष से लम्बित रखे हुये है।

भूजल सुधरा, किसानों का भविष्य सुरक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : जालौन में योगी आदित्यनाथ सरकार की जल संरक्षण नीतियों ने बड़ा बदलाव लाया है। जिले में भूजल स्तर दो मीटर तक बढ़ा है, जिससे खेतों की सिंचाई आसान हुई और कृषि चक्र स्थिर हुआ। हजारों चेकडैम, तालाबों के पुनर्जीवन और फार्म पॉन्ड्स ने जल पुनर्भरण को मजबूत किया। कई ब्लॉकों में ट्यूबवेल पंपिंग के घंटे बढ़े हैं, जिससे सिंचाई लागत घटी है। जल उपलब्धता बढ़ने से फसल उत्पादन में तेज वृद्धि और पलायन में गिरावट दर्ज की गई है। जल पंचायतों और सामुदायिक प्रयासों से जालौन को राष्ट्रीय जल पुरस्कार भी मिला, जिसने इसे जल संरक्षण का मॉडल बना दिया।

पूर्वांचल विकास का नया केंद्र बनकर उभरा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूर्वांचल विकास का नया केंद्र बनकर उभरा है। वाराणसी और आसपास के जिलों में उद्योग, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र तेजी से विस्तार ले रहे हैं। वाराणसी में चल रही 48 औद्योगिक परियोजनाओं में 1,180 करोड़ का निवेश और भावी परियोजनाओं के लिए 5,700 करोड़ के प्रस्ताव से 15,000 से अधिक रोजगार सृजन की संभावना बनी है। सड़क, रेल और एयर कनेक्टिविटी से उद्योगों को लाभ मिला है। भंडारण क्षमता, एग्री-लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक टाउनशिप परियोजनाओं ने क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। पूर्वांचल अब यूपी की वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के प्रमुख स्तंभों में शामिल है।

रोजगार नीतियों से बदला आर्थिक परिदृश्य

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार की रोजगार नीतियों ने यूपी में बड़ी सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की नींव रखी है। प्रदेश की बेरोजगारी दर 19 फीसदी से घटकर 2 .4 आ गई है, जो नीति आधारित विकास मॉडल की सफलता को दर्शाती है। एमएसएमई सेक्टर की 96 लाख इकाइयों ने 2 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार दिया है। कौशल विकास मिशन से 14 लाख युवा प्रशिक्षित हुए, जिनमें से 5 .66 लाख को नौकरी मिली। रोजगार महाकुंभ, जीसीसी नीति 2025 और सरकारी प्रोत्साहन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ा है। महिला श्रम भागीदारी भी 25 फीसदी तक पहुंची है, जिससे परिवारों की आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार आया है।

सचिवालय सेवा के 8 अधिकारी बनेंगे विशेष सचिव, बढ़ेंगे पद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र.सचिवालय सेवा संवर्ग के अधिकारियों के लिए बड़ा अवसर खुल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष सचिव के आठ नए पदों के सृजन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही सचिवालय सेवा से विशेष सचिव बनने वाले अधिकारियों की कुल संख्या 35 से बढ़कर 43 हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक, सचिवालय सेवा से विशेष सचिव बनने वाले अधिकारियों के आठ पद बढ़ाने का प्रस्ताव कैबिनेट से 6 मई को स्वीकृत हो गया था, लेकिन संबंधित आदेश जारी नहीं हो पा रहा था। बताते हैं कि शासन के एक उच्चाधिकारी ने इस फाइल को रोक रखा था। वह अधिकारी सचिवालय सेवा के दो संयुक्त सचिवों के सेवानिवृत्त हो जाने का इंतजार कर रहे थे। इनमें से एक अधिकारी 31 अक्टूबर को और दूसरे अधिकारी 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए। इन दोनों के सेवानिवृत्त हो जाने के बाद पद बढ़ाए जाने की फाइल आगे बढ़ी। सचिवालय संघ के अध्यक्ष अर्जुन देव भारती ने मुख्यमंत्री योगी, मुख्य सचिव और संबंधित प्रमुख सचिव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इससे न केवल पदोन्नति के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि अनुभवी अधिकारियों को नीति-निर्माण के उच्च स्तर पर कार्य करने का अधिक अवसर मिलेगा।

मानक पूरे न करने वाले मदरसे में पांच शिक्षकों की नियुक्ति

झांसी के मदरसे में फर्जीवाड़ा : पूर्व रजिस्ट्रार ने नियुक्ति को सही ठहराते हुए दे दी वित्तीय अनुमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तीन कमरों के मदरसे में तैनात हैं 24 शिक्षक, मान्यता रद होने के बाद भी नहीं पूरा हुआ मानक

अमृत विचार: झांसी के नगरीय क्षेत्र में जर्जर तीन कमरों में मदरसा कॉस्मोपॉलिटन कॉलेज, भट्टागांव संचालित हो रहा है। यह एक अनुदानित मदरसा है। जिसमें पहले से 24 अध्यापक तैनात हैं। जो सरकारी फंड से हर महीने मोटा वेतन उठा रहे हैं। हकीकत यह है कि मदरसे में बच्चों की संख्या न के बराबर है। इस मदरसे की मान्यता पहले मदरसा बोर्ड द्वारा निलंबित की गई थी। जिसे मानक पूरा करने की शर्त पर बहाल किया गया। समय सीमा 2016 में समाप्त हो गई। पर, आज तक मानक पूरे नहीं हो सके। मदरसे में नियुक्तियों पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद भी मदरसा बोर्ड के तत्कालीन रजिस्ट्रार और संप्रति मुरादाबाद मंडल के उपनिदेशक का कार्य देख रहे जगमोहन सिंह बिष्ट ने पांच नए शिक्षकों की नियुक्तियों का अनुमोदन और भुगतान की वित्तीय सहमति जारी कर दी।

प्रदेश में 22 जुलाई 2016 को नई मदरसा नियमावली लागू की थी। जिसमें भवन, कक्ष संख्या और छात्र-शिक्षक अनुपात के मानक सख्त कर दिये थे। 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार आई। शासन ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि अनुदानित मदरसों के मानक की जांच कराई जाए। आठ महीने में जांच रिपोर्ट आई। जिसमें 35 मदरसे मानकविहीन संचालित पाये गये। पर, स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत के कारण मदरसा कॉस्मोपॉलिटन कॉलेज भट्टागांव का नाम सूची में नहीं डाला गया।

अधिकारी ने दी थी मानकविहीन होने की रिपोर्ट

अमृत विचार : झांसी के तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने 28 जुलाई 2021 को मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार को लिखित रूप से रिपोर्ट दी थी कि मदरसा कॉस्मोपॉलिटन कॉलेज भट्टागांव मानक विहीन है। इसमें भविष्य में किसी भी नियुक्ति पर वित्तीय अनुमोदन न दिया जाए। इस रिपोर्ट को भी मदरसा बोर्ड के तत्कालीन रजिस्ट्रार ने नजरअंदाज कर दिया। मदरसे में गलत तरीके से पांच नए शिक्षकों की नियुक्तियों पर न केवल अनुमोदन प्रदान किया, बल्कि भुगतान की वित्तीय सहमति भी जारी कर दी। अनुमोदन देते समय न तो मदरसे के भवन व मानकों की जांच की गई। न ही छात्र-शिक्षक के अनुपात का परीक्षण किया गया। शिक्षकों की नियुक्ति व वित्तीय अनुमोदन मदरसा प्रबंधन, जिला स्तर के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह खेल किया गया। इस खेल में सरकारी धन का लाखों रुपये का दुरुपयोग किया गया।

खेलोगे तो खिलोगे, मुख्यमंत्री ने किया आह्वान

महंत अवेद्यनाथ महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर नौजवान से अपेक्षा की है कि वह किसी न किसी खेल से जुड़ें, क्योंकि 'खेलोगे तो खिलोगे' केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन का सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि कबड्डी जैसे खेल स्फूर्ति, टीम भावना और सामूहिक कार्य संस्कृति को बढ़ाते हैं। खेल, व्यक्ति को अनुशासन, त्वरित निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास देता है।

क्षेत्रीय स्टेडियम में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से खेलों के प्रति जागरूकता रही है और पिछले 11 वर्षों में पीएम मोदी की प्रेरणा से खेल संस्कृति को नई दिशा मिली है। खेलो इंडिया, सांसद-विधायक खेल प्रतियोगिताएं और विभिन्न खेल मिशनों के कारण आज भारत ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ और विश्व चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता यूपी टीम को 2 लाख रुपये का चेक देते प्रदान कर पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य।

यूपी की टीम विजेता, पूर्वोत्तर रेलवे बना उपविजेता

अमृत विचार : ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 में उत्तर प्रदेश की टीम ने खिताब जीता, जबकि पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर उपविजेता रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजेता यूपी टीम को 2 लाख रुपये, ट्रॉफी व मेडल दिया, जबकि उपविजेता टीम को 1 लाख रुपये और ट्रॉफी प्रदान की। हरियाणा और आंध्र प्रदेश की टीमें तीसरे स्थान पर रहीं। दोनों को 50-50 हजार रुपये का चेक और ट्रॉफी दी गई। प्रतियोगिता में 12 टीमों के 168 खिलाड़ियों और 24 कोच-मैनेजरों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने तीन दिनों तक रोमांचक मुकाबलों में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई।

राष्ट्रीय विद्यालयीय कुश्ती के विजेता सम्मानित

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर स्थित वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय ग्रीको रोमन कुश्ती (अंडर-17 व 19 वर्ग) के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में 23 राज्यों की 23 टीमों के 393 खिलाड़ी और 81 कोच/मैनेजर शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण विजेताओं को 75,000 रुपये, रजत विजेताओं को 50,000 रुपये और कांस्य विजेताओं को 30,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने युवाओं को 2030 में अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी अभी से शुरू करने की सलाह दी।

सभी विभाग समन्वय बना निर्माण कार्यों को दें गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने बीडा की महायोजना-2045 और ललितपुर फार्मा पार्क के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

एसपी गोयल

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर तेज गति से कार्य करें। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने और कार्यों में आने वाली बाधाओं को तत्परता से दूर करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्य सचिव, गुरुवार को अपने कार्यालय में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की बैठक में बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) की महायोजना-2045 तथा ललितपुर में प्रस्तावित फार्मा पार्क सहित यूपीडा की प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अवगत कराया गया कि बीडा की महायोजना-2045 के लिए कुल 8349 एकड़ भूमि अर्जन हेतु दिसंबर 2025 से मार्च 2026 तक माहवार लक्ष्य तय कर दिया गया है। आसामी पट्टा भूमि के त्वरित क्रय के लिए मंत्रिपरिषद अनुमोदन हेतु प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जिसे शीघ्र शासन को भेजा जाएगा। बीडा क्षेत्र के आठ सेक्टरों में जोनल एवं सेक्टर प्लानिंग का कार्य प्रगति पर है और इसे दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

जलापूर्ति व्यवस्था के लिए बीडा क्षेत्र के बाहर राइजिंग मेन पंप स्टेशन एवं ओएंडएम कार्य जल निगम द्वारा किए जाएंगे, जिसके लिए एमओयू की प्रक्रिया जारी है। पंपिंग स्टेशन, सीडब्ल्यूआर एवं आरओडब्ल्यू हेतु भूमि चिन्हित की जा चुकी है तथा परीक्षण उपरांत डीपीआर संशोधन की प्रक्रिया जारी है। एक्टिवेशन क्षेत्र के लिए 15 मेगावाट विद्युत आपूर्ति की डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है, जबकि शेष 40 मेगावाट की डीपीआर तैयार की जा रही है। 60 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क की डीपीआर प्राप्त हो चुकी है और अन्य सड़कों की डीपीआर दिसंबर 2025 तक तैयार कर ली जाएगी।

रोहिंग्या व बांग्लादेशी अप्रवासियों पर कार्रवाई तेज, पुलिस व खुफिया इकाइयों का जांच अभियान शुरू

अमृत विचार, लखनऊ, एजेंसी : प्रदेश सरकार द्वारा अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी अप्रवासियों के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई के बीच, पुलिस और खुफिया इकाइयों ने गुरुवार को प्रमुख जिलों में गहन सत्यापन अभियान चलाया। इस समन्वित अभियान के तहत, राज्य की राजधानी लखनऊ, कन्नौज, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, अलीगढ़, गाजियाबाद, गोरखपुर, आगरा, सहारनपुर, मथुरा और कई अन्य जिलों में इसी तरह की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने नगर निकायों और पुलिस इकाइयों को अपने क्षेत्र में रहने वाले सभी संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान करने, उनके दस्तावेजों की जांच करने और वैध दस्तावेजों के अभाव वाले अप्रवासियों की जिला-वार सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को सरकारी भवनों और पुलिस केंद्रों की पहचान करने का निर्देश दिया है जिन्हें निर्वासन प्रक्रिया पूरी होने तक अस्थायी हिरासत केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके।

काशी विश्वनाथ धाम: 4 साल में 26 करोड़ श्रद्धालु

अमृत विचार, लखनऊ : नव्य-भव्य काशी विश्वनाथ धाम ने चार वर्षों में लगभग 26 करोड़ श्रद्धालुओं का स्वागत किया है। धाम का विस्तार 3,000 से बढ़कर 5 लाख वर्ग फीट होने से दर्शन की सुविधा, सुगमता और सुरक्षा बढ़ी है। बेहतर व्यवस्था, व्हीलचेयर, गोल्फ कार्ट, चिकित्सा, जर्मन हैंगर और ठंड-गर्मी में राहत देने वाली व्यवस्थाओं से भक्तों का अनुभव सहज हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नियमित समीक्षा से काशी वैश्विक धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनी है।

आरक्षित वर्ग के युवकों को मिलेगा कोचिंग का लाभ

राज्य बयूरो, लखनऊ

- यूपीपीसीएस-2025 मुख्य परीक्षा के लिए नि:शुल्क कोचिंग को मांगे गए आवेदन

अमृत विचार : भागीदारी भवन के संयुक्त निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिभाशाली युवाओं को उच्च गुणवत्ता का मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त क्रम में ही यूपीपीसीएस प्री परीक्षा-2025 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कोचिंग में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 12 दिसंबर 2025 तक जारी रहेगी।

गोमती नगर में गुरुवार को आयोजित समाज कल्याण की बैठक संबोधित कर रहे थे। संयुक्त निदेशक ने बताया कि परीक्षा की तैयारी छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सुविधा केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के वे अभ्यर्थी, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक न हो तथा जिन्होंने यूपीपीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा-2025 उत्तीर्ण की हो, उन्हें लेटरल एंट्री से प्रवेश दिया जाएगा।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण समय से पूरा करें : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किए जाएं। साथ ही गुरुवार को उन मतदाताओं से अपील की है कि जिन्होंने अभी तक अपने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें, शीघ्र बीएलओ को प्रपत्र उपलब्ध करा दें। उन्होंने बताया कि एसआईआर की समयसीमा बढ़ाकर 11 दिसंबर 2025 कर दी गई है, इसलिए पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए आगे आएं।

आयुष चिकित्सकों की ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्ति जरूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विकसित यूपी 2047 को लेकर पर्यटन क्षेत्र की रूपरेखा को लेकर हुई बैठक

विकसित यूपी 2047 की तैयार की जा रही रूपरेखा पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार।

अमृत विचार : प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने कहा कि राज्य में समग्र स्वास्थ्य सेवा को बढ़ाने के लिए आयुष चिकित्सा प्रोटोकॉल का मानकीकरण, नए आयुष चिकित्सकों की ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य नियुक्ति तथा आयुष सेवाओं का दूरस्थ क्षेत्रों तक विस्तार अत्यंत आवश्यक है। साथ ही आयुष को चिकित्सा एवं वेलनेस पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने पर भी विशेष बल दिया।

प्रमुख सचिव आयुष, गुरुवार को योजना भवन में विकसित यूपी 2047 को लेकर तैयार की जा रही रूपरेखा पर चर्चा के लिए परामर्श बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रमुख सचिव योजना आलोक कुमार ने सुझाव दिया कि अयोध्या, वाराणसी, मथुरा जैसे तीर्थ स्थलों पर आध्यात्मिक पर्यटन के साथ वेलनेस पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने औषधीय जड़ी-बूटियों की खेती को प्रोत्साहित करने और आयुष क्षेत्र में पंजीकृत योग्य चिकित्सा पेशेवरों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। साथ ही, वर्ष 2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने की आवश्यकता बताई। प्रमुख सचिव पर्यटन, अमृत अभिजात ने मानक गुणवत्ता, प्रमाणन, ब्रांडिंग और प्रशिक्षित थेरेपिस्ट वर्कफोर्स जैसे मुद्दों के समाधान पर बल दिया।

मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं पूर्व डीसीजीआई डॉ. जीएन सिंह ने सुझाव दिया कि पीलीभीत और गोरखपुर जैसे क्षेत्रों में दो आयुष घाटियां विकसित की जाएं।

इको-टूरिज्म | **विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस पर विशेष**

पर्यटकों को लुभा रहा वन्यजीवों का संरक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वन, सिंचाई सहित अन्य विभागों से समन्वय कर पर्यटकों के लिए आकर्षक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। हमारा प्रयास वन्य जीव संरक्षण को सुदृढ़ करते हुए स्थानीय समुदाय को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ना है।

पर्यटन मंत्री ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि प्रदेश में गैंडा, बाघ, बारहसिंघा, घड़ियाल जैसे दुर्लभ वन्यजीव न सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि उनके लिए वातावरण भी विकसित किया गया है। दुधवा, पीलीभीत, कतर्नियाघाट, अमानगढ़ और सोहगीबरवा जैसे वन क्षेत्र पर्यटकों को विशेष अनुभव प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि तराई, ब्रजभूमि, गंगा नदी का क्षेत्र, बुंदेलखंड और विंध्य वनक्षेत्र हर इलाके में जैव विविधता के संरक्षण और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर कार्य किया गया है।

तीन वर्षों में 161 करोड़ रुपये खर्च

अमृत विचार : मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इको-टूरिज्म विकास बोर्ड ने पिछले तीन वर्षों में 161 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च कर विभिन्न प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटन सुविधाएं विकसित की हैं। इनमें मार्ग सुधार, कैफेटेरिया, इको-फ्रेंडली विश्राम स्थलों, गजिबो, नेचर ट्रेल, बर्ड वॉचिंग स्थान और बच्चों के लिए खेलने के क्षेत्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में निरंतर बढ़ता निवेश राज्य की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।

विकसित यूपी 2047 की ओर बढ़े कदम

अमृत विचार : पर्यटन मंत्री ने बताया कि हाल ही में संपन्न 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' कार्यशाला में ईको-टूरिज्म को राज्य की भविष्य रणनीति का अहम आधार माना गया है। वेटलैंड्स और वाइल्ड लाइफ जोन में हरित नेटवर्क विकसित किया गया है। उत्तर प्रदेश को प्रकृति-आधारित पर्यटन का नया प्रमुख गंतव्य बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि इको टूरिज्म को गुणवत्तापूर्ण और समृद्ध अनुभव बनाने के लिए दुधवा, पीलीभीत और कतर्नियाघाट क्षेत्रों में नेचर गाइड्स को प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, स्थानीय निवासियों को होम स्टे विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 150 आईएएस अफसरों का होगा प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए जारी की 547 पात्र अधिकारियों की सूची
- यूपी के 113 अधिकारी शामिल 15 जनवरी तक कराना होगा पंजीकरण, 2 फरवरी से प्रशिक्षण

अमृत विचार : अखिल भारतीय सेवाओं में पदोन्नति पाए राज्य सिविल सेवा अधिकारियों के लिए केंद्र सरकार ने 128वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीपी) की तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय ने देशभर के 547 पात्र आईएएस अधिकारियों की सूची जारी करते हुए राज्यों को निर्देश दिया है कि वे पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अपने अधिकारियों का नामांकन सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण की कुल सीटें 150 तय की गई हैं, इसलिए समय पर पंजीकरण कराने वालों को ही मसूरी में प्रशिक्षण का अवसर मिल सकेगा।

सूची में यूपी के 113 अधिकारी शामिल है, ऐसे में कार्मिक विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि 15 जनवरी तक होने वाले पंजीकरण में पहले आओ को आधार मानते हुए अतिशीघ्र पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कराएं। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में यह प्रशिक्षण 2 फरवरी से 13 मार्च 2026 तक आयोजित होगा। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने साफ कहा है कि पूर्व चयन सूची में शामिल वे अधिकारी, जो किसी कारण पूर्व प्रशिक्षण में भाग नहीं ले पाए और वर्तमान चयन सूची के सभी अधिकारी इसमें सम्मिलित होने के पात्र हैं।

अकादमी ने राज्यों को निर्देश दिया है कि नामांकित अधिकारी 15 जनवरी 2026 तक की वेबसाइट पर अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण पूरा कर लें। समयसीमा के बाद पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

तीन स्कूली वाहन किए गए सीज

मवई, अयोध्या। अमृत विचार : पटरंगा थाना क्षेत्र में प्राइवेट विद्यालयों द्वारा बिना परमिट और अधूरे कागजात के स्कूल वाहन संचालित किए जाने की शिकायतों पर परिवहन विभाग ने गुरुवार को अभियान चलाया। उप निरीक्षक सुधाकर शर्मा ने बताया कि आरटीओ राजेश कुमार वर्मा द्वारा जांच अभियान के दौरान दो बोलेरो और एक मैजिक वाहन के कागजात अधूरे पाए गए। इसी कारण उन्हें सीज़ कर पटरंगा थाने में दाखिल किया गया है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

अयोध्या, अमृत विचार। कोतवाली नगर के हवाई पट्टी चौकी क्षेत्र में मोहल्ला पूरे हुसैन निवासी वीरेंद्र

कुमार (25) पुत्र फयाराम का घर के कमरे में छत पर लगे चुल्ले पर रस्सी के फंदे सहारे लटका मिला। जिला अस्पताल पहुंचाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वो ड्राइविंग का काम करता था। कुछ साल पूर्व उसका विवाह हुआ था लेकिन पत्नी से उसका रिश्ता टूट गया था। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मंडलायुक्त करेंगे खिलाड़ियों को सम्मानित

अयोध्या, अमृत विचार : जिला रायफल क्लब अयोध्या के कुल 13 नेशनल शूटिंग खिलाड़ियों को आज मंडलायुक्त राजेश कुमार द्वारा सम्मानित किया जाएगा। जिला रायफल क्लब अयोध्या के कोच शनि कुमार वर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह जिला रायफल क्लब, अयोध्या में आयोजित किया जाएगा।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रहा डाक विभाग

अयोध्या, अमृत विचार : ग्राहकों की सुविधा के लिए भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक बुकिंग के भुगतान को क्यूआर कोड/ यूपीआई/ डेबिट/ क्रेडिट कार्ड के माध्यम से करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रवर अधीक्षक डाकघर एचके यादव ने बताया कि यह डिजिटल इण्डिया और कैशलेस इण्डिया की दिशा में एक ग्राहक अनुकूल कदम है। डिजिटल भुगतान का लाभ मण्डल अंतर्ग्रत सभी दो प्रधान डाकघर, 87 उपडाकघर में दिया जाएगा।

श्रीराम अस्पताल में बनेगी 300 बेड की अत्याधुनिक कार्डियो यूनिट

शासन के निर्देश पर डीजी हेल्थ पहुंचे अयोध्या, श्रीराम अस्पताल व ऋषभदेव आई अस्पताल का किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने पीएमओ को लिखा था पत्र

अयोध्या कार्यालय।

ऋषभ देव आई अस्पताल का निरीक्षण करते डीजी हेल्थ डॉ. रतनपाल सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार : श्रीराम मंदिर के निकट श्रीराम अस्पताल में जल्द ही 300 बेड का अत्याधुनिक कार्डियो यूनिट स्थापित होगी। इसके लिए श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा था। वहां से उत्तर प्रदेश शासन को निर्देश मिलने के बाद गुरुवार को स्वास्थ्य महानिदेशक (डीजी हेल्थ) डॉ. रतनपाल सिंह ने अयोध्या स्थित श्रीराम अस्पताल और ऋषभदेव आई हॉस्पिटल का निरीक्षण किया।

अयोध्या और आसपास के जिलों में हृदय संबंधी बीमारियों के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसको ध्यान में रखते हुए श्रीराम अस्पताल में हार्ट केयर यूनिट बनाने की तैयारी है। इससे हार्ट अटैक और अन्य कार्डियक समस्याओं के मरीजों को त्वरित और प्रभावी उपचार मिल सकेगा। यह सुविधा अयोध्या के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। राम मंदिर से सटे हुए श्रीराम अस्पताल को जिले का प्रमुख और भरोसेमंद चिकित्सा केंद्र माना जाता है। मंदिर के निकट होने के कारण यहां आने वाले श्रद्धालु भी उपचार के लिए पहुंचते है, उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इस स्थिति को देखते हुए अस्पताल को अत्याधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से लैस करने की दिशा में तेजी से बदलाव किए जा रहे हैं।

इसको लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य महानिदेशक ने गुरुवार को सीएमओ डॉ. सुशील बनियान, दो अपर निदेशक और इंजीनियरों की टीम के साथ श्रीराम अस्पताल और साकेत महाविद्यालय के सामने स्थित ऋषभदेव आई हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण का सबसे अहम हिस्सा श्रीराम अस्पताल का उच्चीकरण रहा। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों की मौजूदा सुविधाओं, उपलब्ध संसाधनों, स्टाफ की स्थिति और मरीजों को मिल रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों के साथ लंबी बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अस्पताल को आधुनिक ट्रॉमा सेंटर, कार्डियोलॉजी सेंटर और जेनेटिक्स यूनिट से लैस करने का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया।

जेनेटिक यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव

बैठक में अस्पताल में एक जेनेटिक यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। यह यूनिट आनुवंशिक रोगों की जांच और उपचार की उन्नत सेवाएं प्रदान करेगी। वर्तमान में यह सुविधा प्रदेश के चुनिंदा अस्पतालों में ही उपलब्ध है ऐसे में अयोध्या में इसका स्थापित होना एक माइलस्टोन होगा और स्थानीय नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा से जुड़ने का अवसर देगा। वहीं अत्याधुनिक कार्डियो यूनिट को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। इसके लिए श्रीराम अस्पताल को उपयुक्त माना गया। अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार इसके लिए श्रीराम अस्पताल से बाल रोग समेत कई अन्य यूनिट को ऋषभदेव आई अस्पताल में शिफ्ट किया जा सकता है। वहीं, यहीं पर गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी के लिए एक यूनिट खोले जाने की संभावनाओं पर विचार विमर्श किया गया।

किसी भी स्थिति में नहीं दिया जाएगा कोडिन कफ सिरफ : डॉ. रतनपाल

कोडिन युक्त कफ सिरप पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के राज्य सरकार के फैसले को दोहराते हुए डीजी हेल्थ ने सख्त लहजे में कहा बच्चों के लिए किसी भी स्थिति में कोडिन कफ सिरफ नहीं दिया जाएगा। यह दवा नशे की लत का कारण बन सकती है, इसलिए इस पर पूर्ण प्रतिबंध है। कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में सभी चिकित्सकों और अस्पतालों को सख्त सर्कुलर जारी कर दिया है। साथ ही औषधि विभाग की टीमें प्रदेश भर में मेडिकल स्टोर्स पर लगातार जांच अभियान चला रही हैं। अवैध रूप से कोडिन सिरप बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि अयोध्या अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि विश्व पटल पर एक विकसित शहर के रूप में उभर रही है। लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं। ऐसे में श्रीराम अस्पताल को अत्याधुनिक बनाना हमारी प्राथमिकता है। कार्डियो सेंटर से दिल के मरीजों को और जेनेटिक यूनिट से दुर्लभ आनुवंशिक बीमारियों का इलाज संभव हो सकेगा। कहा कि विस्तारीकरण के लिए अतिरिक्त भवन, नई मशीनरी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील बनियान ने बताया कि डीजी हेल्थ ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने रामलला के दर्शन भी किए।

निरीक्षण में चुस्त-दुरुस्त मिली सीएचसी खैरनपुर की व्यवस्थाएं

रुदौली अयोध्या।

सीएचसी खैरनपुर में निरीक्षण के दौरान ऑपरेशन किलकारी के क्यूआर को स्कैन करतीं अधिकारी।

अमृत विचार: डायरेक्टर सीएचसी-पीएचसी डॉ. शुभ्रा मिश्रा, डीजी पैरामेडिकल डॉ. संजू व सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बालियान ने संयुक्त रूप से सीएचसी खैरनपुर का गुरुवार को निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अधिकारियों ने अस्पताल में संचालित ओपीडी कक्ष, लेबर रूम, ब्लड स्टोरेज यूनिट, इमरजेंसी कक्ष, वार्ड, टीकाकरण कक्ष व फार्मेसी यूनिट का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान ब्लड स्टोरेज यूनिट विशेष रूप से चर्चा में रहा। सीएमओ डॉ. बालियान ने अधिकारियों को बताया कि यूनिट में लगाए गए ऑपरेशन किलकारी क्यूआर कोड के माध्यम से मरीज व परिजन अपना फीडबैक दे रहे हैं। अब तक 300 से अधिक लोग फीडबैक दे चुके हैं, जो सेवा गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार का संकेत है। डायरेक्टर सीएचसी डॉ. मिश्रा ने कहा कि सीएमएस डॉ. फातिमा हसन ने एक महिला अधिकारी होने के बावजूद जिस समर्पण से अस्पताल को प्रदेश के टॉप-10 सीएचसी में स्थान दिलाया है वह बेहद सराहनीय है। उन्होंने जनता से अपील किया कि प्राइवेट अस्पतालों के बजाय सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जल्द ही डॉ. फातिमा को सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

- डायरेक्टर सीएचसी-पीएचसी व डीजी पैरामेडिकल ने सीएमएस को सराहा

डायरेक्टर पैरामेडिकल डॉ. संजू ने कहा कि सीएचसी रुदौली का कार्यप्रणाली मॉडल अन्य केंद्रों के लिए प्रेरक है। स्वच्छता, व्यवस्था व मरीजों को दी जा रही सेवाओं में निरंतर सुधार है। सीएमओ अयोध्या डॉ. बालियान ने कहा कि रुदौली सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए छह नए कमरे बनाए गए हैं। इस माह से कार्य भी शुरू हो जाएगा, जिससे मरीजों को और अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम भावना, स्वच्छता व मरीज हित में किए गए कार्यों की प्रशंसा की। सीएचसी स्टाफ ने सम्मान व प्रोत्साहन के लिए अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश चौधरी, डिप्टी सीएमओ डॉ. पीके गुप्ता, डीपीएम राम प्रकाश पटेल, डॉ. हम्माद आदि मौजूद रहे।

सहादतगंज फ्लाईओवर पर लटका ट्रक।

अयोध्या बाईपास की साइड वॉल पर चढ़ा ट्रक, रूट डायवर्ट

अयोध्या, अमृत विचार। थाना कैंट अंतर्गत सहादतगंज हाईवे फ्लाईओवर पर बुधवार रात करीब 11:20 बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर साइड वॉल पर चढ़ गया। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया व भाग खड़ा हुआ। इससे एक लेन पर जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे वह अनियंत्रित हो गया। थाना कैंट पुलिस फ्लाईओवर के नीचे सर्विस लेन पर वाहनों को डायवर्ट किया। इसके बाद क्रेन बुलाकर ट्राले को सीधा किया गया। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि ट्रक कब्जे में लिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वशिष्ठकुंड वार्ड में आज जनसमस्याओं का निदान कराएंगे महापौर

अयोध्या, अमृत विचार : नगर निगम की टीम के साथ शुक्रवार को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी वशिष्ठ कुंड वार्ड का भ्रमण कर सफाई, पेयजल, पार्क, नालियों एवं गलियों की स्थिति देखेंगे। इस दौरान जनसुनवाई कर समस्याओं का समाधान भी कराएंगे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि ''स्थानीय सरकार आपके द्वार'' अभियान के तहत सुबह सात बजे महापौर वशिष्ठ कुंड वार्ड में भ्रमण करेंगे। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने सभी विभागाध्यक्षों को टीमों सहित मौके पर मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान शिविर लगाकर गृह एवं जलकर, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न प्रकार की समस्याओं का यथासंभव निदान कराया जाएगा।

- 'स्थानीय सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत पार्षद संग मौजूद रहेगा नगर निगम के अधिकारियों का दल

राम मंदिर के क्रॉसिंग तीन पर जगद्गुरु मध्यवाचार्य द्वार के निर्माण की तैयारी शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम जन्मभूमि के क्रॉसिंग तीन पर जगद्गुरु मध्यवाचार्य के नाम से द्वार बनाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसे भी क्रॉसिंग 11 की तरह भव्य स्वरूप दिया जाएगा। जिसकी लंबाई लगभग 21 मीटर, चौड़ाई लगभग 11 मीटर और ऊंचाई 6.5 मीटर होगी। निर्माण कार्य प्रारंभ होने के बाद इस द्वार से लोगों के आवागमन को भी बंद कर दिया जाएगा।

राम मंदिर की भव्यता का स्वरूप उसके चार प्रमुख द्वार से ही दिखाई देने लगेंगी। जिन्हें हिंदू धर्म के प्रमुख आचार्यों से नाम से रखा गया है। जिसमे जगद्गुरु रामानंदाचार्य द्वार, आदिगुरु शंकराचार्य द्वार और जगद्गुरु रामानुजाचार्य द्वार का निर्माण हो चुका है। 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह से पहले राम मंदिर के क्रॉसिंग 11 पर जगद्गुरु आदि शंकराचार्य प्रवेश द्वार का निर्माण पूरा कर लिया गया।इसी द्वार से समारोह में मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सरसंघ चालक मोहन भागवत के प्रवेश हुआ था। सुग्रीव किला स्थित क्रॉसिंग एक से आम श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करने के लिए जाते है। वहीं क्रॉसिंग 10 के पास बने जगद्गुरु रामानुचार्य द्वार को ट्रस्ट ने अभी किसी भी आवागमन के लिए नही खोला हैं बल्कि विपरीत परिस्थिति और आवश्यक कार्यों को देखते हुए ही खोला जाएगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक राम मंदिर परिसर में प्रवेश के लिए चार द्वार बनाए जाने के लिए निर्णय किया गया था। तीन द्वार बनाए जा चुके है और अब अंतिम द्वार द्वार मध्यवाचार्य का निर्माण किया जाना है। जिसकी तैयारी की जा रही है।

राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों के मुताबिक इस प्रवेश द्वार के निर्माण की लागत करीब 11 करोड़ है। उन्होंने बताया कि द्वार पर टाइटेनियम धातु के गेट खास गेट लगाए जाने निर्णय लिया है। जिसमे टाइटेनियम के एक गेट की लागत फिलहाल 16 लाख के लगभग बताई जा रही है।

पहले से ही हाईटेंशन लाइन ऊपर से स्कूल के अंदर लगा दिए दो खंभे

अयोध्या कार्यालय

- पूर्व माध्यमिक विद्यालय मक्खापुर का मामला, प्रधानाध्यापिका ने लगाई गुहार

अमृत विचार : पूर्व माध्यमिक विद्यालय मक्खापुर, पूरा में पॉवर कॉर्पोरेशन ने 30 नवंबर को स्कूल परिसर के भीतर दो नए बिजली के खंभे लगाए हैं। इन खंभों पर तार जोड़ने का काम भी जारी है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब विद्यालय के ऊपर से पहले से ही 11000 वोल्ट की हाई टेंशन लाइन गुजर रही है, जिसे हटाने के निर्देश दिए गए थे।

विद्यालय परिसर के ऊपर से गुजर रही इस 11000 वोल्ट की हाई टेंशन लाइन को हटाने के लिए शासन और जिलाधिकारी द्वारा विभाग को कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं। इन निर्देशों की अनदेखी करते हुए, विभाग ने नियमों और सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर स्कूल की बाउंड्री के अंदर नए खंभे स्थापित किए हैं। इस कार्य के कारण विद्यालय की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। लगभग 150 छात्र-छात्राओं को हादसे का डर सता रहा है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय मक्खापुर, पूरा की प्रधानाध्यापक पूनम मिश्रा ने इस संबंध में अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड-प्रथम, अयोध्या को लिखित शिकायत पत्र दिया है। विद्यालय परिसर में चल रहे कार्य को रोकने और शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि छात्रों के साथ कोई अप्रिय घटना या जनहानि होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी पॉवर कॉर्पोरेशन की होगी। इस संबंध में अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड-प्रथम, मनीष चौबे ने बताया कि यह लाइन पुरानी है। इसे हटाने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी को एस्टीमेट भेजा जाएगा। उनके विभाग से धनराशि मिलने के बाद वहां अंडरग्राउंड विद्युत वायर डलवा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कुछ भी होना संभव नहीं है।

सौर संयंत्र लगाने में मंडल में अयोध्या का दूसरा स्थान, बाराबंकी टॉप पर

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : रामनगरी सौर ऊर्जा सिटी के रूप में विकसित हो रही है। अयोध्या मंडल में इसका बड़ा असर दिख रहा है। बड़ी संख्या में लोग सौर ऊर्जा कनेक्शन ले रहे हैं। इस वर्ष अब तक अयोध्या मंडल के लगभग 33,269 लोग पंजीकरण करा चुके हैं, जबकि 16 हजार से अधिक लोग कनेक्शन ले चुके हैं। हालांकि रजिस्ट्रेशन कराने और कनेक्शन लेने में बाराबंकी वासी अव्वल हैं, अयोध्या दूसरे स्थान पर है।

बिजली की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। इससे लोगों को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यकता के अनुरूप बिजली मिल सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को सोलर सिटी बनाने के लिए घोषणा की थी। इसके लिए यूपीनेडा की ओर से अयोध्या में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है। इसके अलावा घर-घर सौर ऊर्जा स्थापित किया जा रहा है। इस योजना का प्रसार प्रचार करने के लिए सोलर सखी द्वारा डोर टू डोर कैंपेन भी चलाया जा रहा है।

- अयोध्या मंडल के 33,269 लोगों ने कराया पंजीकरण
- 16 हजार से अधिक लोग ले चुके हैं कनेक्शन

केंद्र व प्रदेश सरकार दे रही अनुदान

योजना के तहत केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणी के घरेलू उपभोक्ताओं को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य अनुदान इस प्रकार दिए जा रहे हैं। एक किलो वाट पर केंद्र द्वारा 30 हजार व राज्य सरकार द्वारा 15 हजार का अनुदान दिया जा रहा है। दो किलो वाट पर केंद्र द्वारा 60 हजार व राज्य द्वारा 30 हजार, तीन किलो वाट पर केंद्र द्वारा 78 हजार व राज्य सरकार द्वारा 30 हजार का अनुदान दिया जा रहा है।

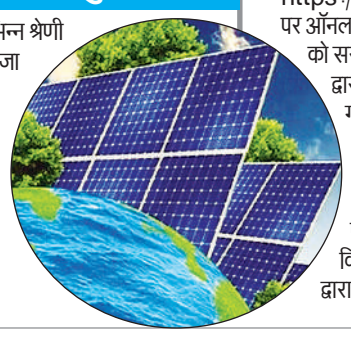

योजना का लाभ पाने के लिए क्या करें

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए https://pmsuryaghar.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जिस पर आवेदन किया जा सकता है। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना बैंक से ऋण लेकर कराये जाने हेतु भारत सरकार के पोर्टल पर विभिन्न बैंकों को सूचीबद्ध किया गया है, जिसका लाभ उपभोक्ता द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

अयोध्या मंडल मे अभी तक हुए रजिस्ट्रेशन

बाराबंकी	10445
अम्बेडकरनगर	5575
अयोध्या	7808
सुल्तानपुर	4360
अमेठी	5081

अब तक स्थापित किए गए कनेक्शन

बाराबंकी	6425
अयोध्या	3475
सुलतानपुर	1893
अम्बेडकर नगर	2363
अमेठी	2057

वर्ष 2026 | शासन के कैलेंडर में 24 सार्वजनिक अवकाशों में से छह शुक्रवार को व तीन सोमवार को पड़ रहे हैं

पांच दिवसीय सप्ताह वाले कर्मियों की नए साल में मौज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : नए वर्ष 2026 में पांच दिवसीय कार्यप्रणाली शनिवार और रविवार को अवकाश वाले तमाम सरकारी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। आगामी वर्ष में उन्हें नौ बार तीन-तीन दिनों का अवकाश मिलने जा रहा है।

शासन की ओर से घोषित 24 सार्वजनिक अवकाशों में छह अवकाश शुक्रवार और तीन अवकाश सोमवार को पड़ रहे हैं, जिसके चलते यह सुविधा स्वतः प्राप्त होगी। वहीं छह दिवसीय सप्ताह वाले कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों को भी वर्ष भर में छह बार लगातार दो दिनों का अवकाश प्राप्त होगा। वर्ष 2026 के 24 सार्वजनिक अवकाशों में तीन सोमवार, चार मंगलवार, चार बुधवार, दो गुरुवार, छह शुक्रवार, तीन शनिवार तथा दो रविवार को पड़ रहे हैं। छुट्टियों के हिसाब से मार्च माह सबसे आगे होगा। इस माह पांच दिन सार्वजनिक अवकाश व पांच रविवार भी पड़ेंगे। मिनिस्ट्रीयल एजुकेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि पहली बार शासन द्वारा घोषित अवकाश तालिका में इतनी छुट्टी पड़ रही है।

नौ बार मिलेगा तीन दिन का अवकाश

जनवरी से दिसंबर तक सार्वजनिक अवकाश जारी सूची पर एक नजर

दिनांक/माह	दिन	पर्व
03 जनवरी	शनिवार	हजरत अली का जन्म दिवस
26 जनवरी	सोमवार	गणतंत्र दिवस
15 फरवरी	रविवार	महाशिवरात्रि
02मार्च	सोमवार	होलिका दहन
04 मार्च	बुधवार	होली
21 मार्च	शनिवार	ईद-उल-फितर
26 मार्च	गुरुवार	राम नवमी
31 मार्च	मंगलवार	महावीर जयंती
03अप्रैल	शुक्रवार	गुड फ्राइडे
14 अप्रैल	मंगलवार	डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस
01मई	शुक्रवार	बुद्ध पूर्णिमा
27 मई	बुधवार	बकरीद
26 जून	गुरुवार	मोहर्रम
15 अगस्त	शनिवार	स्वतंत्रता दिवस
26 अगस्त	बुधवार	ईद-ए-मिलाद
28 अगस्त	शुक्रवार	रक्षा बंधन
04सितंबर	शुक्रवार	जन्माष्टमी
02 अक्टूबर	शुक्रवार	गांधी जयंती
20 अक्टूबर	मंगलवार	दशहरा विजयदशमी
08 नवंबर	रविवार	दीपावली
09 नवंबर	सोमवार	गोवर्धन पूजा
11 नवंबर	बुधवार	भैयादूज/चित्रगुप्त जयंती
24 नवंबर	मंगलवार	गुरु नानक जयंती
25 दिसंबर	शुक्रवार	क्रिसमस-डे

नए साल में 31 निर्बंधित अवकाश घोषित

शासन ने वर्ष 2026 के लिए 31 निर्बंधितअवकाश भी घोषित किए हैं। एक जनवरी गुरुवार को नव वर्ष दिवस, 14 जनवरी बुधवार को मकर संक्रांति, 23 जनवरी शुक्रवार को बसंत पंचमी, 24 जनवरी शनिवार को जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस, एक फरवरी रविवार को संत रविदास जयंती, चार फरवरी बुधवार को शब-ए-बारात, पांच मार्च गुरुवार को होली, 13 मार्च शुक्रवार को जमात-उल-विदा (अलविदा) रमजान का अंतिम शुक्रवार, 19 मार्च गुरुवार को चेटी चंद, 22 मार्च रविवार को ईद-उल-फितर का अवकाश होगा। चार अप्रैल शनिवार को ईस्टर सैटर डे, पांच अप्रैल रविवार को महर्षि कश्यप एवं महाराजा निषाद राज गुहा जयती, छह अप्रैल सोमवार को ईस्टर मंडे, 17 अप्रैल शुक्रवार को चंद्रशेखर जयती, 19 अप्रैल रविवार को परशुराम जयंती, नै मई शनिवार को लोक नायक महाराणा प्रताप जयंती, 28 मई गुरुवार को बकरीद, 25 जून गुरुवार को मोहर्रम, चार अगस्त मंगलवार को चेहल्लुम, 17 सितंबर गुरुवार को विश्वकर्मा पूजा, 28 सितंबर शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी, 11 अक्टूबर रविवार को महाराजा अग्रसेन जयंती, 19 अक्टूबर सोमवार को महाष्टमी, 26 अक्टूबर सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती, 31 अक्टूबर शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल तथा आचार्य नरेंद्र देव जयंती, आठ नवंबर रविवार को नरक चतुर्दशी, 19 नवंबर रविवार को छठ पूजा पर्व, 16 नवंबर सोमवार को वीरांगना ऊदा देवी शहीद दिवस, 16 दिसंबर बुधवार को हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी गरीब नवाज का उर्स, 23 दिसंबर बुधवार को चौधरी चरण सिंह का जन्मदिवस तथा 24 दिसंबर गुरुवार को क्रिसमस ईव पर निर्बंधित अवकाश है।

फरवरी में होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : जिला समाज कल्याण अधिकारी रणविजय सिंह के अनुसार रुदौली विधानसभा अंतर्गत होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम अब फ़रवरी माह में संपन्न होगा। समारोह के आयोजन के लिए टेंडर प्रक्रिया की जटिलताओं के चलते समय से शादी समारोह आयोजित नहीं हो सका है। अब

दिसंबर माह में शादी मुहूर्त लगभग समाप्त होने व पौष माह लगने को है। इसलिए मकर संक्रांति के बाद शादी विवाह का शुभ मुहूर्त आने पर कार्यक्रम आयोजित होगा। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने शादी के लिए आवेदन करने वाली बेटियों को भरोसा दिलाया है कि कागजी प्रक्रिया पूर्ण कराकर शीघ्र आयोजन की तारीख घोषित की जाएगी।

तीन किमी. का रामपथ, अतिक्रमण से लथपथ

अवैध दुकानों का ठिकाना बना फुटपाथ, स्थानीय दुकानदारों ने बना रखा है बाइक स्टैंड

बिना सत्यापन के बाहरी महिलाएं सड़क पर बेच रही सामान श्रीराम अस्पताल से रेलवे स्टेशन रोड पर चलना मुहाल

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : रामनगरी के केंद्र में श्रीराम अस्पताल से लता चौक तक करीब तीन किमी. का रामपथ भगवान श्रीराम के भक्तों के लिए स्वागत द्वार माना जाता है, जो आज अतिक्रमण में बुरी तरह जकड़ा हुआ है। फुटपाथ पर अवैध दुकानों, बाइक स्टैंड और बाहरी ठेला-खोमचा वालों के कब्जे में है। स्थानीय लोग इसे रामपथ नहीं, अतिक्रमण पथ कहने लगे हैं।

रामपथ के दोनों ओर बने चौड़े फुटपाथ, जिन्हें पैदल यात्रियों और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए डिजाइन किया गया था, इन पर पटरी दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। फल, चाट-पकौड़ी, कपड़े, खिलौने, पूजा सामग्री से लेकर मोबाइल एक्सेसरीज तक हर तरह का सामान बिना अनुमति सड़क किनारे बिक रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अधिकांश ठेले और खोमचे बाहरी राज्यों की महिलाएं चला रही हैं, जिनकी कोई पहचान या सत्यापन नहीं हुआ है।

स्थानीय दुकानदारों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी है। अपनी दुकानों के आगे फुटपाथ को निजी बाइक स्टैंड में तब्दील कर दिया गया है। दोपहिया वाहन इस तरह खड़े किए जाते हैं कि पैदल चलने वाला व्यक्ति सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाता है। इससे न सिर्फ जाम की स्थिति बनती है, बल्कि दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय निवासी विनीत गुप्ता ने बताया कि रामपथ बनने से पहले भी यही हाल था। थोड़े दिन प्रशासन ने साफ-सफाई की, फिर सब पहले जैसा हो गया। अब तो श्रद्धालु भी परेशान हैं।

राम मंदिर पर ध्वजारोहण समारोह से पहले प्रशासन की सख्ती के चलते अचानक सभी पटरी दुकानदार गायब हो गए थे। रामपथ एकदम चकाचक दिख रहा था। फुटपाथ खाली थे, कोई अतिक्रमण नहीं था। लेकिन जैसे ही वीवीआईपी का दौरा खत्म हुआ, अगले ही दिन से फिर वही दृश्य लौट आया। अब तो पहले से ज्यादा ठेले और दुकानें सज गई हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सिर्फ दिखावे के लिए की जाती है। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। जल्द ही अभियान चलाकर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीन -1 रेलवे स्टेशन मार्ग

यह श्रीराम अस्पताल से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन जाने वाला प्रमुख मार्ग है। रेलवे स्टेशन उतरने वाले यात्री इसी मार्ग का प्रयोग कर राम मंदिर पहुंचते हैं। रामपथ होकर जाने वाले इस मार्ग पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है। यही से अतिक्रमण का जाल बुना हुआ दिखाई देता है। सड़क के दोनों ओर ठेले-रेहड़ी वालों का कब्जा है तो वहीं ई रिक्शा वाहन ने सड़क को और संकरी कर रखा है।

सीन -2 श्रीराम जन्मभूमि पथ के सामने

राम मंदिर प्रवेश के प्रमुख द्वार श्रीराम जन्मभूमि पथ के सामने सड़क पर पटरी दुकानदारों द्वारा बेतहाशा अतिक्रमण किया गया है। सड़क पर सामान बेचना, गेट के सामने ही ठेला व खोमचा लगाना आम बात हो गई। रही सही कसर गोल्फकार्ट व पिक ऑटो वाले पूरी कर देते हैं। यहां पर तो फुटपाथ पर जाने के लिए लोगों को रास्ता ढूंढना पड़ता है। यहां पर काफी संख्या में बाहरी महिलाएं सामान बेचती दिखती हैं।

सीन -3 फुटपाथ बनीं पार्किंग

दंतधावन कुंड तिराहे के पास फुटपाथ पर स्थानीय दुकानदारों ने पार्किंग बना रखा है। यहां पर रोजाना लाइन से बाइक खड़ी रहती है। बाकी कसर स्थानीय दुकानदार पूरी कर देते हैं, फुटपाथ पर ही कुर्सी-मेज लगाकर नाश्ता आदि देना, मेज अदि रख सामान रखना आदि आम बात है। इससे लोगों को न सिर्फ परेशानियों का सामना करना पड़ता है अपितु मजबूरन सड़क पर पैदल चलना पड़ता है।

सीन -4 नहीं बचा चलने का रास्ता

हनुमानगढ़ी चौराहे के पास कुछ अतिक्रमणकारियों द्वारा इस कदर कब्जा कर लिया गया है कि फुटपाथ चलने की जगह ही नहीं बची है। स्थानीय दुकानदारों ने खिलौने व अन्य सामान को इस तरह रखा है कि यहां पर एक-दो फुट ही जगह बची है। यही नहीं फुटपाथ की रेलिंग व इस पर प्रवेश करने वालों पर भी पटरी दुकानदार दुकान सजाए बैठें हैं।

लता चौक से रामपथ पर ई-रिक्शा पर प्रतिबंध, प्रदर्शन

नयाघाट पर विरोध प्रदर्शन करते ई रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी व चालक।

अयोध्या कार्यालय।

- सीओ ने कहा, किराए की नई सूची, चालकों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड पुलिस को सौंपे जाए तभी मिलेगी अनुमति

अमृत विचार : अयोध्या में लता चौक से रामपथ जाने वाले मार्ग पर ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक लगाए जाने के विरोध में ई-रिक्शा चालकों ने गुरुवार को प्रदर्शनकर विरोध जताया। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी से वार्ता के बाद कुछ शर्तों पर ई रिक्शा चलाने की अनुमति मिली।

कृष्णानंद फाउंडेशन ई-रिक्शा यूनियन के संस्थापक मुकुंद माधव त्रिपाठी के नेतृत्व में करीब 300 ई-रिक्शा चालक पदयात्रा करते हुए कोतवाली अयोध्या पहुंचे। कोतवाली प्रभारी पंकज सिंह के आश्वासन पर यूनियन का प्रतिनिधिमंडल सीओ अयोध्या से मिला। लगभग आधे घंटे की वार्ता के बाद यह तय हुआ कि नई रेट सूची के साथ चालकों का नाम, मोबाइल नंबर व आधार कार्ड की सूची प्रशासन को सौंपी जाएगी। यही चालक इस मार्ग पर ई रिक्शा चला सकेंगे। नियमों का पालन करना जरूरी होगा। मौके पर राहुल यादव, ओम पांडेय, नफीस नारायण दूबे, लालजी, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

देश के आर्थिक विकास की धुरी है महिलाएं : एलडीएम

कुमारगंज, अयोध्या। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के सहयोग से ओंकार सेवा संस्थान द्वारा अमानीगंज विकास खंड के पूरे दला में जूट के परंपरागत और आधुनिक उत्पाद विषयक 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक गणेश शंकर ने कहा कि राष्ट्र के विकास में महिलाओं की अहम भूमिका है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या के वरिष्ठ प्रबंधक अंकित श्रीवास्व ने कहा कि सभी प्रशिक्षु महिलाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत क्रेडिट लिंकेज करवाया जाएगा। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक कमलेश यादव ने कहा कि जूट के रेशा से बहुत आकर्षक और सुंदर उत्पाद तैयार होते है। बाजार में इनकी मांग भी बहुत अधिक है। इसी को ध्यान में रखते हुए 30 महिलाओं को 15 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस मौके पर ओंकार सेवा संस्थान के सूर्य कुमार त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा अमानीगंज के प्रबंधक अभिषेक पांडे, खण्डासा शाखा के प्रबंधक अतुल मिश्रा, संत नगर शाखा के प्रबंधक जितेंद्र कुमार वर्मा, हरिश्चंद्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र प्रताप शुक्ला, सभासद राजेश कुमार आदि मौजूद थे।

जाम से लोग परेशान

गोसाईगंज, अयोध्या। अमृत विचार : महबूबगंज स्थित 84 कोसी राष्ट्रीय मार्ग पर रामगंज पश्चिम रेलवे फाटक इन दिनों भीषण जाम का केंद्र बना हुआ है। लंबित ओवरब्रिज निर्माण ने स्थिति को गंभीर कर दिया है। बस स्टैंड, भीटी तिराहा, तेलियागढ़ चौराहा और रामगंज क्षेत्र में प्रतिदिन वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी यसएन विश्वकर्मा, जसवंत सिद्धार्थ, राजू सिंह व रमेश चौधरी आदि ने जिला प्रशासन से पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस की तैनाती, अतिक्रमण हटाने और रामगंज ओवरब्रिज के शीघ्र निर्माण की मांग की है।

लोकतंत्र की शुद्धता से जुड़ा एसआईआर अभियानः भूपेन्द्र

सहादतगंज स्थित बीजेपी कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को रामलला का चित्र भेंट करते महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव व जिला अध्यक्ष संजीव सिंह।

अयोध्या कार्यालय।

- संयुक्त कार्यशाला में बोले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

अमृत विचार : सहादतगंज स्थित भाजपा कार्यालय में गुरुवार को हुई महानगर व जिला इकाई की संयुक्त कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान लोकतंत्र की शुद्धता से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। इस अभियान में सभी बूथ कमेटियों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि उनके क्षेत्र का कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटने न पाए और कोई भी बोगस मतदाता सूची में शामिल न होने पाए।

उन्होंने कहा कि 16 दिसम्बर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद सभी बूथ कमेटियां गंभीरता से सूची का अवलोकन करें। यदि कोई व्यक्ति दो स्थानों से मतदाता बना पाया जाता है या कोई संदिग्ध अथवा फर्जी नाम सूची में दर्ज दिखाई देता है तो उसकी सूचना लिखित रूप में चुनाव आयोग को दें। यह अभियान केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने का माध्यम है। कहा कि पुनरीक्षण के तहत जिन बूथों की संख्या बढ़ाई गई है, उनके पोलिंग स्टेशनों का भौतिक निरीक्षण जिला व महानगर के पदाधिकारी अवश्य करें। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि चुनाव के दिन मतदाताओं को वहां तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संगठन के पदाधिकारी शक्ति केंद्रों व बूथ पदाधिकारियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें ताकि किसी भी समस्या का समय रहते समाधान हो सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर मतदाता सूची की जांच करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यशाला में प्रस्तावना क्षेत्रीय महामंत्री व महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने रखी जबकि स्वागत महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव और समापन जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने किया। कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, अभियान प्रभारी तिलकराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिव की शरणागति ही जीवन का सारःअनिल

रानीबाजार, अयोध्या। अमृत विचार : माधव सर्वोदय ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस मोकलपुर में चल रही श्रीशिवमहापुराणकथा के तीसरे दिन अवंतिका नगरी से कथा व्यास पंडित अनिल पाराशर ने कहा कि शिव की शरणागति ही जीवन का सार है। उन्होंने रसमयी शिव महिमा, मां गंगा की अविरल, भगवान शिव के पंचानन द्वारा ब्रह्मा व भगवान विष्णु को गुरु मंत्र दिया जाना और सृष्टि के संचालन हेतु दिए गए वरदानों को सरल व सहज रूप में श्रोताओं को सुनाया। इस मौके पर शिशिर मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, सह महानगर सेवा प्रमुख डॉ. उपेन्द्र त्रिपाठी, विश्व हिंदू परिषद के सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रकाश पाठक, किसान मोर्चा अध्यक्ष महानगर विशाल, जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी आदि मौजूद रहे।

सपा सांसद ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखी किसानों की पीड़ा

- मंत्री को सौंपा पत्र, कहा- 84 कोसी परिक्रमा मार्ग निर्माण में बिना मुआवजे दिए ली जा रही जमीन

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : मिल्कीपुर क्षेत्र के किसानों की जमीन के अधिग्रहण और उचित मुआवजा न मिलने के मामले को लेकर सांसद अवधेश प्रसाद ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर किसानों पर हो रहे अन्याय की जानकारी दी।

सांसद ने मंत्री को सौंपे गए पत्र में बताया कि मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण के नाम पर हजारों किसानों की ज़मीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। आरोप है कि प्रशासन न तो किसानों को उचित मुआवज़ा दे रहा है और न ही उनकी आपत्तियों पर विचार कर रहा है। कई किसानों के मकानों तक को गिराने की तैयारी की जा रही है, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि किसानों के विरोध के बावजूद बुलडोज़र चलाने की कार्रवाई जारी है, जो पूरी तरह अनुचित और अमानवीय है। सांसद ने मांग की कि जब तक मुआवज़े की उचित व्यवस्था न हो जाए, तब तक किसी भी तरह की तोड़फोड़ की कार्रवाई को रोका जाए और ज़िम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। सांसद के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से वार्ता करते सांसद अवधेश प्रसाद।

प्रभु राम के कुल में जन्म पाना हमारा सौभाग्य : अभय

पूराबाजार, अयोध्या।

- 120 गांवों से जुटे सूर्यवंश क्षत्रियों की बैठक में बोले, गोसाईगंज विधायक, उत्थान और एकता पर हुआ मंथन

ज्ञानापुर में क्षत्रिय समाज की बैठक को संबोधित करते गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह।

अमृत विचार : भगवान राम सूर्यवंश क्षत्रिय थे। उनके कुल में जन्म पाना ही हमारा सौभाग्य है। हम उनके जन्म स्थल अयोध्या में पैदा हुए यह हमारा पूर्व जन्म का फल है। हमें भगवान राम के आदर्शों पर चलकर समाज को आगे बढ़ाना है। ये बातें गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने कहीं। वह ज्ञानापुर में हनुमान सिंह व अजीत सिंह आवास पर सात दिवसीय भागवत कथा के बाद बस्ती व अयोध्या के लगभग 120 गांवों के सूर्यवंश क्षत्रियों की आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि यह हमारा परम सौभाग्य है कि हमें 500 वर्षों के संघर्ष के बाद भव्य राम मंदिर में श्रीराम के दर्शन करने का सौभाग्य मिला।

सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के अध्यक्ष भगवान बक्श सिंह ने कहा कि समाज के एकजुटता से ही समाज और देश का विकास संभव है। इसलिए सबको साथ लेकर आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि छोटे-मोटे विवाद आपस में मिल बैठकर हल करें, इससे समय व धन की बचत होगी। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षित कर उच्च शिक्षा ग्रहण कराएं, जिससे युवा पीढ़ी अपने भविष्य के साथ-साथ देश का विकास कर सके। इस अवसर पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन जंग बहादुर सिंह ने किया। आयोजक हनुमान सिंह व अजीत सिंह ने सभी अतिथियों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। बैठक में बस्ती के सूर्यवंश क्षत्रियों के अध्यक्ष प्रमोद सिंह, संरक्षक गुरु प्रसाद सिंह, प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह, जीत बहादुर सिंह, गन्ना समिति के चेयरमैन दीपेंद्र सिंह, राम प्रगट सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड

विद्युत पारेषण खण्ड, कुंज कुटीर कालोनी, सिविल लाइन्स, अयोध्या–224001

ई–निविदा सूचना दिनांक 05/12/2025

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. ई–निविदा संख्या–07/वि0प्रे0ख0(अयो0)/2025–26, विद्युत पारेषण खण्ड, अयोध्या के अंतर्गत 132के0वी0 सुल्तानपुर–मिल्कीपुर पारेषण लाइन पर आवश्यकतानुसार स्पेशल डिजाइन के बर्ड गार्ड लगाने से सम्बन्धित समस्त प्रकार के कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क 590/– एवं धरोहर धनराशि रु 2,000/– निविदा भरने की अंतिम तिथि 26/12/2025 समय 12:00 बजे एवं निविदा खुलने की तिथि 28/12/2025 समय 12:00 बजे है। विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट– http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेंगी। **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0 अयोध्या। 'राष्ट्रहित में बिजली बचाएं' पत्रांक–** 1950/वि0प्रे0ख0(अयो0)/निविदा सूचना दिनांक: 04.12.2025

कार्यालय नगर पंचायत दोस्तपुर जनपद सुलतानपुर

पत्रांक: 296/न0पं0 दो0 सुल0/2025–26 दिनांक: 4/12/2025

अति अल्पकालिक निविदा सूचना

शीतऋतु प्रारम्भ होने एवं सम्भावित शीतलहरी के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार अलाव हेतु जलाऊ लकड़ी की आपूर्ति करने के लिए ठेकेदारों / लकड़ी आपूर्तिकर्ता फर्मो से सील बन्द निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है, जो कि दिनांक 12/12/25 को अपरान्हन 02: 00 बजे तक नगर पंचायत में रखे टेण्डर बाक्स में डाली जा सकती है जिसे तद् दिनांक को ही निविदादाता/ठेकेदार/लकड़ी आपूर्तिकर्ता फर्म की उपस्थिति में अपरान्हन 03 बजे खोली जायेगी, किन्तु निविदादाता की अनुपस्थिति की दशा में निविदा खोलने के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा। टेण्डर फार्म दिनांक 11/12/25 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। टेण्डर शुल्क जी0एस0टी0 सहित 590.00 रूपया एवं टेण्डर के साथ जमानत धनराशि के रूप में 10000.00 (दस हजार रूपया) का एफ0डी0आर0/ डी0डी0आर0, जो अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत दोस्तपुर जनपद सुलतानपुर के नाम बन्धक होगा, को निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। आपूर्ति हेतु इच्छुक ठेकेदार / लकड़ी आपूर्तिकर्ता की निविदा निर्धारित तिथि एवं समय पर ही स्वीकार किया जायेगा। समयोपरान्त प्राप्त निविदा पर विचार नही किया जायेगा।

(लाल चन्द्र सरोज) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत दोस्तपुर सुलतानपुर

(शकुन्तला देवी) अध्यक्ष नगर पंचायत दोस्तपुर सुलतानपुर

ओटीएस | एक दिसम्बर से लागू योजना में अब तक 45 हजार को राहत

तीन लाख का बिजली बिल 74 हजार में हुआ साफ

अयोध्या कार्यालय।

- तीन दिन में कुल 65 हजार पंजीकरण

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की नई वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना बिजली उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। एक दिसंबर से लागू इस योजना के तहत अब तक जिले में 45 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को राहत मिली है। वहीं योजना के तीसरे दिन तक 65 हजार से ज्यादा पंजीकरण हो चुके हैं।

सबसे हैरान करने वाला मामला साहबगंज निवासी अशोक कुमार का है। उनके ऊपर 3,07,732 रुपये का कुल बकाया बिजली बिल था। ओटीएस योजना में पंजीकरण कराने पर उन्हें 2,33,744 रुपये की भारी छूट मिली और मात्र 73,988 रुपये जमा करके वे पूरी देनदारी से मुक्त हो गए। इसी तरह अमानीगंज सब-स्टेशन के शिविर में एक अन्य उपभोक्ता ने तीन लाख रुपये के बिल को सिर्फ 74 हजार रुपये में निपटा लिया। अमानीगंज निवासी नफीस खान पर चोरी के जुर्माने में 1,15,544 रुपये बकाया थे। 50 प्रतिशत छूट के बाद उन्होंने 65,544 रुपये जमा कर मामले को खत्म कर दिया। चौक निवासी जहीर अहमद पर दो अलग-अलग केस में करीब 10 लाख रुपये का जुर्माना था।वहीं अंगूरीबाग की निर्मला वर्मा, गिरधारी और शैलेंद्र यादव ने भी अपने-अपने चोरी के जुर्माने पर छूट लेकर रकम जमा कर दी, गुरुवार तक बिजली चोरी के केवल पांच मामलों में ही 1.48 लाख रुपये जमा हुए।

विभाग ने अब तक जिले में 100 से अधिक शिविर आयोजित किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बड़े बकायेदारों में योजना को लेकर खासा उत्साह है और वे नो-ड्यूज सर्टिफिकेट लेने के लिए सक्रिय हैं। हालांकि आम घरेलू उपभोक्ताओं की भीड़ अपेक्षा से कम है, जिसकी वजह छूट के कुछ मानकों को माना जा रहा है। फिर भी योजना 31 मार्च 2026 तक चलेगी, इसलिए उपभोक्ताओं से अपील की जा रही है कि जल्द से जल्द पंजीकरण कराकर लाभ उठाएं।

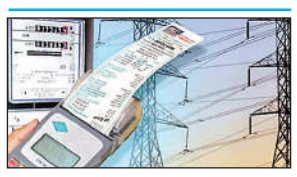

> ओटीएस योजना के अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। सभी टीमें लगातार उपभोक्ताओं को लाभ के लिए प्रेरित कर रहीं हैं। नियमित रूप से मानीटरिंग भी की जा रही है। मैं स्वयं शिविरों का निरीक्षण कर रहा हूं।
> **-बृजेश कुमार, मुख्य अभियंता वितरण, अयोध्या मंडल।**

दिव्यांग बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर बचपन डे केयर सेंटर जोगीतारा जनौरा में श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित, बौद्धिक अक्षमता के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल-कूद प्रतियोगिता दौड़, मेढक दौड़, म्यूजिकल चेयर, रस्साकस्सी, छूकर पहचानों, सुलेख, गुब्बारा, फोड़ना, बाल्टी में गेंद डालना, चित्रकला प्रतियोगिता आदि के माध्यम से अपनी दिव्यांगता को पराजित किया। बच्चों के प्रदर्शन को सभी ने सराहा। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण एमआर किट, अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को बैशाखी, एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र का वितरण किया गया। कार्यालय के कनिष्ठ सहायक एवं बचपन डे केयर सेण्टर के समन्वयक और विशेष शिक्षक व कर्मचारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यालय नगर निगम अयोध्या

पत्रांक: 815 / न0नि0अयो0/ ई–निविदा/2025 दिनांक: 3/12/2025

ई–निविदा सूचना

नगर निगम अयोध्या के निर्माण विभाग द्वारा नगर निगम निधि / स्थानीय अवस्थापना निधि के अन्तर्गत कुल 09 कार्यों की ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकते है। निविदादाता को प्रत्येक कार्य हेतु निविदा मूल्य तथा जमानत धनराशि अलग–अलग ऑनलाइन Net Banking (NEFT/RTGS)/UPI/Debit/Credit card के माध्यम से Link https://emdnagarnigamayodhya.in/loginwithotp से अन्तरित करना होगा। तत्क्रम में ई–निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ई–प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट www://etender.up.nic.in से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त के संबंध में व्यक्तिगत रुप से जानकारी निर्माण विभाग नगर निगम अयोध्या से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

1	वेबसाइट पर निविदा अपलोड होने की तिथि	04.12.2025
2	निविदा की अन्तिम तिथि	17.12.2025 दोपहर 02.00 बजे तक
3	निविदा खोलने की तिथि	17.12.2025 दोपहर 04.00 बजे

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम अयोध्या

अब आतंकी हमलों से निपटने में दक्ष बनेंगे विद्यार्थी

भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से कॉलेजों में लागू होगा नवीन पाठ्यक्रम ■ हाईस्कूल के विद्यार्थियों के लिए सेना के साथ मिलकर तैयार किया गया है पाठ्यक्रम

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : देश में होने वाले आतंकी हमलों से अब सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियां ही नहीं विद्यार्थी भी तैयार किए जायेगें। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए नवगठित भारतीय शिक्षा बोर्ड ने सेना के साथ मिलकर ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया है जो माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को इसके लिए पूरी तरह से दक्ष बनायेगा। आतंकी हमलों के दौरान कैसे क्या किया जाए, कैसे ऐसे देश विरोधी तत्वों की शिनाख्त की जाए और अप्रिय परिस्थितियों में नागरिकों को कैसे सुरक्षित रखा जाए सब कुछ पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है।

इसे आत्मरक्षा विज्ञान का नाम दिया गया है। जो बहुत जल्द हाईस्कूल स्तर पर शुरू होने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा विभाग को भारतीय शिक्षा बोर्ड से कॉलेजों को मान्यता के लिए प्रेरित करने और पाठ्यक्रमों को संचालित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए जनपद में विभाग में भारतीय शिक्षा बोर्ड सेल की स्थापना की जाएगी और वहां सेना से सेवानिवृत्त अधिकारी स्तर के लोगों को बतौर सलाहकार रखा जाएगा। यह नवीन पहल भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से की गई है। सेना के साथ मिलकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। आतंकी हमला होने की दशा में छात्र खुद व नागरिकों की रक्षा कर सकेंगे। देश अभी तक इस बोर्ड से 800 स्कूल मान्यता ले चुके हैं। वहीं यूपी में 100 से ज्यादा विद्यालयों ने मान्यता ली है। जनपद स्तर पर इसकी प्रक्रिया एक जनवरी से शुरू होने जा रही है। भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह के माध्यमिक शिक्षा विभाग को दिए गए निर्देश के मुताबिक आत्मरक्षा विज्ञान की पढ़ाई छोटी कक्षाओं से ही कराने से विद्यार्थियों को खुद व समाज की रक्षा करने की सीख दी जाएगी।

बताया गया है कि विंग कमांडर पुष्कल विजय द्विवेदी ने सेना के साथ मिल कर इसे तैयार किया गया है। देश में आतंकी हमला होने पर किस तरह खुद की और दूसरों की रक्षा करें इसके बारे में उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। शास्त्र के साथ शस्त्र का ज्ञान तो देंगे, लेकिन भारतीय परंपरा के अनुसार ऐसे शौर्यवान युवा जो करुणा व नीति पर चलें इसके लिए उन्हें तैयार किया जाएगा। यही नहीं बाल वाटिका से ही योग, प्रणायाम व आसान इत्यादि अनिवार्य रूप से सिखाया जाएगा। जिससे विद्यार्थी मानसिक तनाव से दूर रहें।

> भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से इसकी सूचना दी गई है। हाईस्कूल का पाठ्यक्रम दिसम्बर के अंतिम सप्ताह तक आ जाएगा। इसे लेकर सभी माध्यमिक विद्यालयों को सूचित किया जा रहा है। प्रयास है कि प्रथम चरण में 50 कॉलेजों में इसे लागू करा दिया जाए। **–डॉ. पवन कुमार तिवारी, डीआईओएस।**

प्राचीन ज्ञान विज्ञान के साथ देंगे आधुनिक शिक्षा

नवीन बोर्ड का मकसद भारत प्रथम की भावना को छात्रों में जगाना है। अभी तक कक्षा 10 तक का पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। जल्द कक्षा 11 व कक्षा 12 का पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अनुसार इस काम के लिए दो हजार प्रोफेसर, चार हजार टीजीटी-पीजीटी पास शिक्षक लगाए गए हैं। यही नहीं इसमें आईआईटी व वैज्ञानिक संस्थानों से भी शिक्षक और वैज्ञानिक शामिल हैं। बताया गया है कि भारतीय ज्ञान परंपरा काफी समृद्ध है, मगर उपनिवेशवाद व मैकाले की साजिश का शिकार होकर इसका नुकसान हुआ है। अब पुनः ज्ञान-विज्ञान के साथ साथ छात्रों को एआई, आईटी, बॉयोटेक व न्यूक्लियर साइंस जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे।

कुलसचिव ने केन्द्रों में देखी परीक्षा, नहीं मिला नकलची

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर और परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं के तीसरे दिन गुरुवार को कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने दो परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। दोनों कॉलेजों में एक भी नकलची नहीं पाया गया।

कुलसचिव ने सबसे पहले डॉ. राम प्रसन्न मणि सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरायरासी, परिसर एवं अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर संचालित सीसीटीवी की वस्तुस्थिति, संचालन, परीक्षार्थियों की उपस्थिति पत्रक एवं जांच पत्रकों का मिलान कर कक्ष निरीक्षकों का भी सत्यापन किया। डॉ. राम प्रसन्न मणि सिंह पीजी कॉलेज के केंद्र पर माधव सर्वोदय पीजी कॉलेज रायबरेली रोड फैजाबाद एवं कौशल महाविद्यालय मया बाजार के छात्रों की परीक्षा चल रही है। परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि कुलपति के निर्देश क्रम में नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्र यथावश्यक पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करें। मौके पर उन्होंने परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक एवं सत्यापन फॉर्म की जाँच की।

गाली देने से नाराज होकर ईंट से हमला कर की थी हत्या, ऑटो से फेंका था शव

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : थाना हैदरगंज पुलिस ने सीसीटीवी व इलेक्ट्रॉनिक्स साक्ष्यों की सहायता से चौबीस घंटे के अंदर यदुनाथ हत्याकांड के तीन आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों के अनुसार यदुनाथ ने कुछ दिन पूर्व उन्हें गालियां दी थी, इसी के चलते उन्होंने हत्या कर शव बिसुही नदी में फेंक दिया था।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने पुलिस लाइन के सभागार में गुरुवार को बताया कि तीन दिसंबर को थाना हैदरगंज के ग्राम मऊ में स्थित बिसुही नदी में एक व्यक्ति का शव मिला था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा था। शव की पहचान व आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया था। शव की फोटो खींचकर वाट्सअप ग्रुप व ऑपरेशन त्रिनेत्र द्वारा लगाए गए कैमरों की मदद से मृतक की पहचान यदुनाथ पुत्र स्व दयाराम कोरी निवासी ग्राम सहावा के रूप में हुई। मृतक के पुत्र सुरजीत की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान करते हुए थाना प्रभारी विवेक राय व उनकी टीम ने गुरुवार सुबह आरोपी रामकुमार शुक्ला, रामबाबू उर्फ आयुष यादव व दिलीप उर्फ चलाकी निवासी सहावां कोतवाली बीकापुर को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी देहात के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हत्या का आरोप स्वीकार करते हुए बताया कि रामकुमार शुक्ला को मृतक यदुनाथ द्वारा कुछ दिन पूर्व बेटी व मां की गंदी-गंदी गाली दी गई थी। जिससे नाराज होकर रामकुमार ने अपने दोस्तों की मदद से मृतक को घर से बुलाकर अपनी खुद की ऑटो में बैठाकर सुनसान इलाके में ले जाकर ईंट से कुचल कर हत्या कर दी। इसके बाद मृतक को ऑटो से थाना हैदरगंज के मऊ ग्राम सभा से न्यूना पूरब ग्राम सभा के बीच में विसुही नदी की एक पुलिया से नीचे फेक दिया था। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ईंट व तीन पहिया ऑटो बरामद कर ली गई है।

- **यदुनाथ हत्याकांड : चौबीस घंटे में पुलिस ने तीन हत्यारोपियों को पकड़ा**

मंडलायुक्त ने गुरु की तरह दी दीक्षा, मित्र की तरह किया बच्चों से संवाद

रुदौली, अयोध्या। अमृत विचार : मंडलायुक्त राजेश कुमार ने गुरुवार को अटल आवासीय विद्यालय रुदौली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गुरु की भूमिका में जहां छात्रों को दीक्षा दी वहीं मित्र की तरह संवाद किया। इससे पूर्व उन्होंने रुदौली में स्थित माँ कामाख्या धाम में भव्य पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद मंडलायुक्त अटल आवासीय विद्यालय पहुंचे। उनके साथ उप श्रमायुक्त अमित मिश्र, एसडीएम रुदौली संतोष कुमार आदि मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और शिक्षकों व अधिकारियों से विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा की। कक्षा 10वीं के छात्रों के साथ बातचीत में उन्होंने बोर्ड परीक्षा की तैयारी, अध्ययन के सही तरीके, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने छात्रों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। बच्चों द्वारा अपने हाथों से की गई कलाकृतियों का भी उन्होंने निरीक्षण किया। विद्यार्थियों के साथ सामूहिक भोजन किया और विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपित किया। स्कूल के प्रधानाचार्य पीके नारायणन ने कहा मंडलायुक्त का दौरा हमारे लिए अत्यंत प्रेरक रहा।

सपा नेता ने बदला लेने की नीयत से किया था पत्रकार पर जानलेवा हमला

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : पत्रकार राम मूर्ति यादव पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दो आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

एसपी ग्रामीण चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे कोतवाली नगर के वजीरगंज जप्ती स्थित अपने अखबार के कार्यालय से निकलते समय पत्रकार राममूर्ति यादव पर कार सवार लोगों ने लोहे के रॉड व लाठी-डंडों से हमला किया था। मामले में उनके भाई बृजेश यादव की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। घटना की विवेचना कर रहे नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय व उनकी टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी से घटना में प्रयुक्त कार व छह आरोपियों की पहचान की। टीम ने बुधवार रात करीब 1:30 बजे अफीम कोठी के पीछे परिक्रमा मार्ग के पास से आरोपी आफताब उर्फ राजा बाबू निवासी रीडगंज तकिया थाना कोतवाली नगर, महफूज आलम निवासी ग्राम हैबतपुर चुड़ामणि चौराहा महोबरा कोतवाली अयोध्या व उमेश चौहान उर्फ बादल निवासी मानव नगर साहबगंज कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से घटना में प्रयुक्त कार व लोहे की पाइप व दो बांस के डंडे बरामद हुए। मामले में मुख्य आरोपी सपा नेता गौरव पांडेय निवासी चौक राजागली अंगूरीबाग कोतवाली नगर, जनपद अयोध्या, अल्ताफ रजा उर्फ बाबू व सूफियान उर्फ लकी निवासी मुगलपुरा हैदरगंज कोतवाली नगर की तलाश की जा रही है।

एसपी सिटी के अनुसार विवेचना के दौरान पता चला कि 30 अप्रैल को ग्राम मिर्जापुर माफी कोतवाली अयोध्या में आरोपी गौरव पांडेय के साथ मारपीट की घटना हुई थी। इसी का बदला लेने के लिए गौरव ने अपने साथियों के साथ मिलकर यह घटना की। पकड़े गए आरोपियों का चालान कर दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है।

15 लाख 80 हजार 333 फॉर्म हुआ डिजिटाइजेशन

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर की नवीनतम प्रगति रिपोर्ट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य तेजी से जारी है।

अब तक जनपद में कुल 18 लाख 70 हजार 776 मतदाताओं में से 15 लाख 80 हजार 333 फॉर्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं। इस प्रकार जनपद की औसत प्रगति दर 84.47 प्रतिशत है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों कटेहरी, टांडा, आलापुर, जलालपुर और अकबरपुर में डिजिटाइजेशन का कार्य बीएलओ द्वारा विभिन्न कार्मिकों की सहयोग एवं टीम के रूप में तीव्र गति से किया जा रहा है। कटेहरी में 84.62 प्रतिशत, टांडा में 84.80 प्रतिशत, आलापुर में 85.31 प्रतिशत, जलालपुर में 84.77 प्रतिशत तथा अकबरपुर में 82.75 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा हो गया है।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में मौजूद बीलएओ।

- **जनपद में कुल 18 लाख 70 हजार 776 मतदाता, अब तक एसआईआर की औसत प्रगति दर 84.47 प्रतिशत**

बीएलओ से विवाद में युवक 14 दिन की न्यायिक हिरासत

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के थाना सम्मनपुर में एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर बीएलओ से विवाद करना युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेते हुए उप जिलाधिकारी न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। बता दें कि कजपुरा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय केंद्र पर बीएलओ कमलेशा देवी एसआईआर फॉर्म को लेकर गांव निवासी रघुपति से बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान रघुपति बीएलओ से उलझ गया और विवाद बढ़ाने लगा। बीएलओ ने मामले की सूचना जलालपुर उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता को दी। सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी ने सम्मनपुर पुलिस को मौके पर भेजा। उपनिरीक्षक मोहम्मद शरीफ खां ने युवक को समझाने का प्रयास किया तो आोपी और ज्यादा उत्तेजित हो गया। पुलिस ने आरोपी रघुपति के खिलाफ बीएनएस की धारा 170, 126 और 135 के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए हिरासत में ले लिया।

काव्य पाठ में दिया सशक्तिकरण का संदेश

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। मिशन शक्ति के तहत बालिका काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत जनपद के माध्यमिक विद्यालय में काव्य पाठ का कार्यक्रम कराया गया। जहां पर छात्राओं को उनके हक के बारे में जागरूक किया गया। प्रमुख रूप से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जलालपुर, सावित्रीबाई फुले राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुर्की बाजार, राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा, राजकीय हाईस्कूल पहितीपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल बसिया, राजकीय हाईस्कूल डीहवा मोहिउद्दीनपुर, राजकीय हाईस्कूल लखनपुर, रामनाथ परमात्मा प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पतौना आदि विद्यालय में छात्राओं के बीच काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसके अंतर्गत विभिन्न हेल्पलाइन नंबर के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को प्रमुख रूप से 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 101 अग्नि शमन सेवा, 102 गर्भवती महिला एंबुलेंस सेवा, 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर आदि के बारे में विस्तार से छात्राओं को जागरूक किया गया। साथ ही छात्राओं ने अपनी कविता के माध्यम से विभिन्न हेल्पलाइन नंबर को छात्राओं के बीच साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद छात्राएं। अमृत विचार

किसानों को निर्धारित दर पर दिए जाएं उर्वरक

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। जनपद में माह दिसम्बर तक यूरिया के लक्ष्य 20 हजार 992 मीट्रिक टन के सापेक्ष 26 हजार 691 मीट्रिक टन, डीएपी के लक्ष्य 12 हजार 089 मीट्रिक टन के सापेक्ष 9 हजार 479 मीट्रिक टन, एनपीके के लक्ष्य 3 हजार 855 मीट्रिक टन के सापेक्ष 7 हजार 911 मीट्रिक टन, एसएसपी के लक्ष्य 12 हजार 083 मीट्रिक टन के सापेक्ष 15 हजार 844 मीट्रिक टन और एमओपी के लक्ष्य 450 मीट्रिक टन के सापेक्ष 282 मीट्रिक टन की उपलब्धता हुई है। जिसमें से वितरण के उपरान्त वर्तमान में सहकारिता और निजी क्षेत्र में संयुक्त रुप से यूरिया 13 हजार 882 मीट्रिक टन, डीएपी 1 हजार 289 मीट्रिक टन, एनपीके 2 हजार 477 मीट्रिक टन, एसएसपी 6 हजार 864 मीट्रिक टन और एमओपी 101 मीट्रिक टन उपलब्ध है। जनपद में यूरिया व फास्फेटिक उर्वरको की पर्याप्त उपलब्धता है।

मथुरा से आई टीम ने पकड़े 102 बंदर

टांडा, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। नगर क्षेत्र में बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान लोगों को राहत देने के लिए नगर पालिका परिषद की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत तहसील, कोतवाली और नेहरूनगर फल मंडी क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन चलाकर कुल 102 बंदरों को पकड़ा गया।

प्रभारी अधिशासी अधिकारी उपजिलाधिकारी टांडा डॉ. शशि शेखर और नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शबाना नाज के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। बंदरों को पकडने के लिए मथुरा से आई पांच सदस्यीय विशेषज्ञ टीम ने सुबह से ही क्षेत्रों में अभियान चलाया। टिकरी जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। लंबे समय से नगर क्षेत्र में बंदरों के कारण दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आए दिन बंदरों के हमलों और नुकसान की शिकायतें सामने आ रही थीं। इस विशेष अभियान में बंदर पकडने वाली टीम के साथ नगर पालिका के जलकल अवर अभियंता आशीष कुमार चौहान, मोहम्मद अहमद तथा पालिका कर्मचारी मोहम्मद हुसैन भी सक्रिय रूप से मौजूद रहे। एसडीएम टांडा प्रभारी ईओ डॉ. शशिशेखर ने बताया कि आवश्यकता पडने पर अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिससे नगरवासियों को पूरी तरह से बंदरों के आतंक से निजात मिल सके।

बंदरों को पकडक़र ले जाती नगर पालिका परिषद टांडा की टीम। अमृत विचार

- **लोगों को बंदरों के आतंक से राहत देने के लिए चला सर्च अभियान**

पकड़े गए सभी बंदरों को वन विभाग की टीम को सौंप दिया गया है, जिसके बाद उन्हें मनकापुर स्थित नगरवासियों को पूरी तरह से बंदरों के आतंक से निजात मिल सके।

किशोरी से छेड़छाड़ का प्रयास, आरोपी फरार

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बुधवार देर रात लघु शंका के लिए घर से बाहर गई एक किशोरी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। बता दें कि किशोरी जब घर से कुछ दूरी पर गई थी, तभी गांव का ही किशोर दिवाकर उसे अकेला पाकर पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगा। शोर सुनकर परिजन और लोगों को आता देख आरोपी फरार हो गया। गुरुवार को पीड़िता की मां ने जलालपुर कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है, मामले की जांच तेजी हो रही है।

यूपी बोर्ड परीक्षा को बनाए गए 95 परीक्षा केंद्र

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज ने जनपद के लिए यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी है। इस बार जनपद में कुल 95 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यह सूची ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से जारी की गई है।

बता दें कि इन 95 परीक्षा केंद्रों में 12 राजकीय इंटर कॉलेज, 49 सहायता प्राप्त एडेड कॉलेज और 34 वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। पिछले वर्ष परीक्षा केंद्र रहे 29 विद्यालयों को इस बार सूची में जगह नहीं मिली है, जबकि नौ नए विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। बोर्ड ने यह सूची विद्यालयों द्वारा अपलोड की गई आधारभूत सूचनाओं के सत्यापन के बाद जारी की है। प्रशासन और शिक्षा विभाग ने परिषद की वेबसाइट पर विद्यालयों की जानकारी अपलोड की थी, जिसके बाद अंतिम सूची जारी हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों की सूची उनके पोर्टल पर भेज दी गई है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किया जाएगा। तीन एडेड माध्यमिक विद्यालयों रामलाल रामफेर सिंह इंटर कॉलेज सेवागंज, राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज सेमरी और लोकमान्य इंटर कॉलेज नारियांव को इस बार केंद्र नहीं बनाया गया है। यह स्थिति तब है जब प्राथमिकता क्रम में एडेड विद्यालयों को वित्तविहीन से पहले केंद्र बनाया जाना था। कुछ परीक्षा केंद्रों में छात्रों की धारण क्षमता से अधिक आवंटन किया गया है, जबकि अन्य में क्षमता से कम परीक्षार्थी आवंटित किए गए हैं। बताया कि विद्यालयों से प्राप्त आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा।

- **12 राजकीय, 49 सहायता प्राप्त एडेड कॉलेज व 34 वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालय शामिल**

95 परीक्षा केंद्रों के लिए आईं 81 आपत्तियां

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। जनपद में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित बोर्ड परीक्षा केंद्रों को लेकर आपत्तियां सामने आई हैं। कुल 95 केंद्रों के लिए 81 आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। इन आपत्तियों को स्वीकार करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर निर्धारित की गई है। प्राप्त आपत्तियों में मुख्य रूप से अत्यधिक परीक्षार्थियों का आवंटन, केंद्रों की अधिक दूरी और कुछ विद्यालयों को केंद्र न बनाए जाने जैसे मुद्दे शामिल हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने जनपद में कुल 95 परीक्षा केंद्र बनाए है। इन आपत्तियों का निस्तारण जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। शासन स्तर से इसके निस्तारण के लिए 11 दिसंबर की अंतिम तारीख तय की गई है। निस्तारण के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। इस वर्ष हाईस्कूल में 36 हजार 901 और इंटरमीडिएट में 35 हजार 097 छात्रों ने नामांकन कराया है। इन छात्रों की परीक्षा के लिए जनपद के 363 स्कूलों ने परीक्षा केंद्र बनाए जाने के लिए आवेदन किया था। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि जनपद में कुल 95 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

आयोजन

एमएलसी और विधायक ने श्रवण क्षेत्र धाम में चार दिवसीय विराट किसान मेले का किया भव्य शुभारंभ

आधुनिक तकनीक व सरकारी योजनाओं का लाभ लें किसान : एमएलसी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए कृषि प्रसार, निवेश तथा तकनीकी प्रबंधन की योजना के अंतर्गत कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण और किसान जागरूकता कार्यक्रम योजनांतर्गत पारंपरिक महोत्सव के साथ चार दिवसीय 4 से 7 दिसंबर तक विराट किसान मेले का श्रवण क्षेत्र धाम प्रांगण भव्य रूप से शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद डॉ. हरिओम पांडे ने विशिष्ट अतिथि विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, उप निदेशक कृषि अश्विनी सिंह, जिला कृषि अधिकारी की उपस्थिति में फीता काटकर किया।

मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम पांडेय ने विभिन्न विभागों कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य, सिंचाई, गन्ना, फसल बीमा, पीएम सूर्य योजना, एनआरएलएम, एफपीओ सहित सभी कृषि-संबंधित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा किसानों को कृषि की आधुनिक और नवीनतम तकनीकी एवं केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभार्थी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किसान गोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि और कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह मेला अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में आकर आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक परामर्श, लाभार्थी योजनाओं और कृषि नवाचारों का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि यह 04 दिवसीय मेला आगामी 7 दिसंबर तक संचालित रहेगा। अतः अधिक से अधिक संख्या में किसान आकर इसका लाभ उठाएं। विशिष्ट अतिथि विधायक कटेहरी ने कहा कि सरकार किसानों के विकास और उनकी आय की वृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

श्रवण क्षेत्र धाम में किसान मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय व साथ में कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद। अमृत विचार

श्रवण क्षेत्र धाम में किसान मेले में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय व सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला।

डकैती के मामले में 7 साल 11 माह की सजा सुनाई

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। अदालत ने वर्ष 2017 के एक मामले में बलिया निवासी मिथुन गुप्ता को दोषी ठहराया है। विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट परविंद कुमार ने आरोपी को सात साल 11 माह के कारावास और 10 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है।

यह मामला 30 जून 2017 को अकबरपुर थाने में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक रामलखन पटेल द्वारा दर्ज कराया गया था। यह एफआईआर गैंगस्टर एक्ट के तहत पंजीकृत की गई थी। दर्ज एफआईआर के अनुसार मिथुन गुप्ता उर्फ राहुल जो बलिया के फेफना थाना क्षेत्र के इकबनी गांव का निवासी है, गैंग लीडर वेद प्रकाश और राबी बहाउद्दीन के साथ मिलकर डकैती की कई वारदातों में शामिल था। इस गिरोह में अन्य सदस्य भी शामिल थे। इनमें गाजीपुर के सैदपुर निवासी महेश सोनकर, वाराणसी के चांदपुर मडुआडीह निवासी प्रतीक श्रीवास्तव और वाराणसी के पिलखिनी लोहता निवासी सोनकर उर्फ मोनू के नाम शामिल हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मृतका के पुत्र को सौंपा बीमा राशि का चेक

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचार : वलीपुर स्थित यूपी ग्रामीण बैंक शाखा में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत खाताधारक मीना देवी निवासी रामनगर, सरैयामाफी के निधन पर उनके पुत्र विवेक कुमार पांडेय को दो लाख रुपये का चेक दिया गया। शाखा प्रबंधक अतुल जोग ने गुरुवार को चेक सौंपते हुए ग्राहकों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। मौके पर सहायक प्रबंधक दिव्य प्रकाश सिंह, सूरज सेन यादव सहित अन्य ग्राहक मौजूद रहे।

तहसील परिसर से बाइक चोरी, केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : अखंडनगर थाना क्षेत्र के हरपुर चकिया गांव की रंजन एक दिसंबर को किसी कार्य से तहसील आई थीं। उन्होंने अपनी बाइक दीवानी मार्ग के पास दीवार किनारे खड़ी की थी। काम निपटाकर लौटीं तो बाइक गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर महिला ने बुधवार को कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीम ने किया क्रय केंद्र का निरीक्षण

मोतिगरपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : डीएम कुमार हर्ष के निर्देश पर एसडीएम जयसिंहपुर प्रभात कुमार सिंह, जिला गन्ना अधिकारी राजेंद्र प्रसाद और चीनी मिल के एसडीओ उमाशंकर पांडेय की टीम ने गुरुवार को डींगुरपुर बनकेगांव स्थित पारसपट्टी गन्ना क्रय केंद्र की जांच की। केंद्र पर गन्ना लदी 5 ट्रॉलियां मिलीं और 6.10 क्विंटल तौलकर कांटा शुद्ध पाया गया। किसानों ने घटतौली से इनकार किया और केंद्र संचालन पर सहमति जताई। शिकायतकर्ता मौके पर नहीं मिले। जांच रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी।

पुरानी रंजिश में व्यक्ति की पिटाई, 7 पर केस

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के भीटी पहाड़पुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर बुधवार सुबह एक व्यक्ति को विपक्षियों ने पीटकर घायल कर दिया। रामप्रसाद बिंद सुबह अपने घर पर काम कर रहे थे, तभी विपक्षी गाली-गलौज करते हुए पहुंचे और मना करने पर लात-घूंसे तथा डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने की बात भी कही है। प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर के अनुसार तहरीर के आधार पर रामसेवक, मुकेश, उमेश, गोलू, विकास, शिल्पा और नंदलाल के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

गैंगरेप में पुलिस की क्लीन चिट रिपोर्ट रद

कोर्ट ने अग्रिम विवेचना का दिया आदेश, लंभुआ क्षेत्र की एक किशोरी से 5 माह पूर्व हुआ था गैंगरेप

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट नीरज कुमार श्रीवास्तव ने थाना लंभुआ क्षेत्र की एक किशोरी से पांच माह पूर्व गैंगरेप के प्रकरण में पुलिस की फाइनल रिपोर्ट को रद करते हुए अग्रिम विवेचना कराने का आदेश दिया है। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस द्वारा की गई विवेचना को त्रुटिपूर्ण करार दिया है।

दीवानी न्यायालय परिसर में वादकारी व अधिवक्ता। ● अमृत विचार

पीड़िता के वकील संतोष पांडेय ने बताया कि पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष दिये गए बयान में दुष्कर्म का स्पष्ट आरोप लगाया इसके बावजूद विवेचक ने गलत तरीके से फाइनल रिपोर्ट लगा दी। विवेचक ने पीड़िता का आंतरिक परीक्षण तक नहीं कराया। न्यायालय ने कहा कि आरोपी हरगोविन्द एवं अवनीश के विरुद्ध पीड़िता के बयान, चिकित्सीय रिपोर्ट व अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की अनदेखी कर फाइनल रिपोर्ट भेजना न्यायोचित नहीं है। कोर्ट ने फाइनल रिपोर्ट को निरस्त करते हुए थानाध्यक्ष लम्भुआ को आदेशित किया कि मामले की अग्रिम विवेचना सुनिश्चित कर एक माह के अंदर न्यायालय को सूचित करें।

एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह के केस में शेष बहस 10 को

संवाददाता, सुलतानपुर : एमपी/एमएलए की विशेष अदालत में आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में आरोपी एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह समेत तीन आरोपियों के केस में गुरुवार को बहस हुई। बचाव पक्ष के वकील रुद्र प्रताप सिंह मदन ने बहस की, लेकिन बहस पूरी न हो सकी। इसे देखते हुए कोर्ट ने शेष बहस की सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख नियत की है। अभियोजन के अनुसार मामला 11 मई 2019 का है, जब चुनाव उड़नदस्ता प्रभारी गजेंद्र कुमार सिंह की तहरीर पर कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप है कि एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने उतुरी स्थित एक शिक्षण संस्थान के सामने 50 से अधिक लोगों को भोजन कराया, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। इस मामले में उनके समर्थक जय प्रकाश और अजय सिंह भी आरोपी बनाए गए हैं।

शगुन जायसवाल की पुस्तक ब्रीथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराही गई

संवाददाता, सुलतानपुर

शगुन जायसवाल।

अमृत विचारः जिले की प्रतिभावान युवा लेखिका शगुन जायसवाल ने मात्र 18 वर्ष की आयु में अपनी पहली पुस्तक ब्रीथ प्रकाशित कर सुलतानपुर का नाम गौरान्वित किया है। यह पुस्तक कठिन समय में स्वयं को संभालने, भावनात्मक संघर्षों को समझने और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला अद्भुत संदेश प्रस्तुत करती है।

गोसाईगंज के महेंद्र जायसवाल की पुत्री शगुन ने अपनी स्कूली शिक्षा एस कॉन्वेंट स्कूल, सुलतानपुर से पूरी की और हमेशा पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 10 में 95.9 प्रतिशत तथा कक्षा 12 में 90.89 प्रतिशत अंकों के साथ उन्होंने अपनी लगन, मेहनत और प्रतिभा का प्रमाण दिया। ब्रीथ में शगुन ने उन भावनाओं और परिस्थितियों को बेहद प्रभावशाली शब्दों में पिरोया है, जिनसे आज का युवा अक्सर गुजरता है। शगुन ने बताया कि उनकी पुस्तक 15 विभिन्न देशों में उपलब्ध हो चुकी है। शगुन की इस उपलब्धि पर बार एसोसिएशन सुलतानपुर के पूर्व अध्यक्ष करुणा शंकर दूबे, रामदयाल शुक्ल, सुभाष चंद्र तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा, संतोष पांडेय, अब्बास अहमद खान, शेख नजर अहमद, बार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी अशोक शुक्ल व विजेन्द्र द्विवेदी, डीजीसी क्रिमिनल रामअचल मिश्र समेत अन्य लोगों ने खुशी जताते हुए बधाई दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

● अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर हुआ हादसा

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचारः अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर भादा मोड़ के समीप बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान देहात कोतवाली क्षेत्र के अग्रेसर गांव निवासी उमेश मौर्य (27) पुत्र पंचम मौर्य के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार उमेश बुधवार रात अपने घर से छीड़ा स्थित कोकोला फैक्ट्री ड्यूटी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान भादा मोड़ के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में उमेश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उमेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना करने वाले वाहन व उसके चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने भाइयों में तीसरे स्थान पर थे। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

धर्मवीर सिंह ने संभाला कोतवाली देहात का पदभार

● पदभार ग्रहण करते ही स्टाफ से की अहम चर्चा

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचारः पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए फेरबदल के तहत गुरुवार को धर्मवीर सिंह ने कोतवाली देहात के प्रभारी के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उनकी नियुक्ति से क्षेत्रवासियों में कानून व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। इससे पहले वे बंधुआ थाना प्रभारी के पद पर तैनात थे।

इसी फेरबदल के तहत प्रतापगंज चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार को बंधुआ कलां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बुधवार शाम पुलिस विभाग में यह अहम बदलाव ऐसे समय में किया गया है जब कोतवाली देहात के पूर्व प्रभारी अखंड देव को लाइन हाजिर कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि बीते 15 दिनों से देहात कोतवाली क्षेत्र में विवाद, चोरी, अवैध खनन और पशु तस्करी जैसी आपराधिक घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही थी। गुरुवार को पदभार ग्रहण करने के बाद कोतवाल धर्मवीर सिंह ने थाने के स्टाफ से मुलाकात की। उन्होंने क्षेत्र के गांवों, लंबित मामलों और अपराध से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही स्टाफ को कानून व्यवस्था बनाए रखने, त्वरित कार्रवाई करने और क्षेत्र में किसी भी तरह की शिकायत न आने देने के निर्देश दिए।

छात्रों की प्रतिभा ही संस्थान की पहचान

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

विजेता विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित। ● अमृत विचार

● केएनआईएमटी के फार्मेसी संकाय में तीन दिवसीय फ़ार्मा फेस्ट का हुआ आगाज़

अमृत विचारः कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में फ़ार्मा फेस्ट 2025 का आगाज़ गुरुवार को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ हुआ। तीन दिवसीय आयोजन का शुभारंभ संस्थान के डायरेक्टर डॉ. महेश प्रसाद ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केएनआईपीएसएस के पूर्व प्राचार्य प्रो. राधेश्याम सिंह, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. एन.डी. सिंह, डॉ. मृदुल सिंह, डॉ. आई.के. कौर तथा राजेश दुबे उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों ने छात्रों की ऊर्जा, रचनात्मकता और आयोजन की भव्यता की सराहना की। संबोधन में प्रो. राधेश्याम सिंह ने कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों में दिखने वाला उत्साह और नवाचार भविष्य में उन्हें फार्मेसी क्षेत्र की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। संस्थान के निदेशक डॉ. महेश प्रसाद ने कहा कि यह फेस्ट केवल उत्सव नहीं, बल्कि छात्रों की योग्यता, अनुशासन और टीम भावना का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी प्रतिभा ही संस्थान की वास्तविक पहचान है। शाम को हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

श्रीराम कथा व दुखदुरिया पूजा संपन्न

लंभुआ, सुलतानपुर

दुखदुरिया कार्यक्रम में शामिल सुहागिनें। ● अमृत विचार

● सैकड़ों सुहागिनों ने की अवसान माता की पूजा-अर्चना

अमृत विचारः लंभुआ तहसील के शिवगढ़ क्षेत्र अंतर्गत गोपालापुर गांव स्थित श्री सन्यासी परमहंस महाराज आश्रम एवं मंदिर परिसर में भव्य श्रीराम कथा, दुखदूरिया पूजा एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महिलाओं ने श्रद्धा व विधि-विधान के साथ अवसान माता की पूजा-अर्चना की। पूजन के उपरांत पारंपरिक रूप से सभी महिलाओं ने सामूहिक रूप से लाई, चना और गुड़ का सेवन कर एक-दूसरे के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इसके बाद परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान सेवार्थम फाउंडेशन के संस्थापक आशीष तिवारी, गिरीश पांडे (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाकियू टिकैत), कथावाचक श्री गार्ग जी महाराज समेत क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुभासपा के प्रदेश सचिव उमेश चंद्र तिवारी द्वारा किया गया।

छात्रा की फोटो वायरल, दो पर केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : छात्रा की फोटो को अश्लील गाने के साथ इंस्टाग्राम व सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र की एक छात्रा ने आरोप लगाया कि दोनों आरोपी उसे बदनाम करने की नीयत से उसकी फोटो वायरल कर रहे हैं। विरोध करने पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

आरोप है कि एक युवक फोटो वायरल करना रोकने के बदले छात्रा पर अनैतिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर नानेमऊ, मोतिगरपुर की आंचल और कसाईपुर कादीपुर के सुनील के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

युवती का किया अपहरण, कई पर केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की एक युवती को शादी के लिए दबाव बनाते हुए अगवा किए जाने का मामला सामने आया है। घटना 13 नवंबर की शाम करीब सात बजे की बताई जा रही है। परिजनों ने तलाश की तो जानकारी मिली कि आरोपी युवती को करौदी कला थाना क्षेत्र के पाकरपुर बंजरिया गांव में अपनी बहन शिम्पा (पत्नी रिंकू) के घर पर रखे हुए है।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि वहां पहुंचने पर शैलेश और उसकी बहन के घरवालों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर अमन कुमार, शैलेश और शैलेश की बहन के परिवार वालों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

विधायक ने लिया एसआईआर प्रक्रिया का जायजा

कूरेभार, सुलतानपुर, अमृत विचार : जयसिंहपुर विधानसभा के विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने गुरुवार को कूरेभार स्थित बूथ संख्या 327 पर पहुंचकर एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों, बीएलओ व पदाधिकारियों से शेष फार्म जल्द पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। बीएलओ संगीता रानी ने बताया कि 1073 में से 85 प्रतिशत फार्म अपलोड हो चुके हैं और टीम लक्ष्य की ओर तेजी से कार्य कर रही है। विधायक ने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाताओं की सुविधा व चुनाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है, इसलिए इसे समयबद्ध पूरा किया जाएगा। पक्ष के कार्यकर्ताओं से भी सहयोग की अपील की गई।

चेकिंग अभियान में 17 वाहनों का चालान

सुलतानपुर, अमृत विचार : बृहस्पतिवार को परिवहन व यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने अमहट और पयागीपुर चौराहे पर अवैध तरीके से संचालन करने वाले वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान तीन बस, सात कार समेत कुल 17 वाहनों का चालान किया गया और 2.67 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। यात्री-मालकर अधिकारी शैलेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि इन चौराहों से बड़ी संख्या में वाहन चालक अनाधिकृत रूप से सवारियां भरते हैं, जिससे परिवहन निगम को राजस्व नुकसान हो रहा था। चालान किए गए वाहनों को रोडवेज कैंपस व पुलिस लाइन में खड़ा कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

बीबी उम्मुल बनीन औरतों के लिए आदर्श

सुलतानपुर, अमृत विचार : मनीयारपुर गांव में कमेटी खादिमाने अबुल फ़ज़्ल की ओर से रौज़ा-ए-जनाब सकीना पर मजलिस का आयोजन हुआ। मजलिस की शुरुआत तिलावत-ए-पाक से हुई, इसके बाद ज़ीशान हैदर व इमाम हैदर ने सोज़ख्वानी और शहवार हैदर व ज़ाकिर हुसैन ने पेशख्वानी की। संचालन सैयद लकाउल हसन ने किया। मौलाना अतहर अब्बास ने बीबी उम्मुल बनीन को औरतों के लिए आदर्श बताते हुए कहा कि उनके ख़ानदान से ज्यादा बहादुर कोई नहीं था। इमाम अली (अ.स.) ने उनके साथ यह मुबारक रिश्ता स्वीकार किया। अंत में अंजुमन हैदरिया द्वारा नौहाख्वानी की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गुणवत्ता पर सवाल | **उखड़ी गिट्टियां दुर्घटना को दे रहीं दावत, जिम्मेदारों की बेरुखी से ग्रामीण नाराज़**

निर्माण के तीन दिन बाद ही उखड़ने लगी सड़क

लंभुआ, सुलतानपुर

निर्माण होते ही उखड़ने लगी सड़क। ● अमृत विचार

अमृत विचारः लंभुआ तहसील को आधा दर्जन गांवों से जोड़ने वाला संपर्क मार्ग मरम्मत के कुछ दिन बाद ही उखड़ने लगा है। जगह-जगह डामर व गिट्टियां निकलने से ग्रामीणों में आक्रोश है। उखड़ी हुई गिट्टियां राहगीरों के लिए खतरा बन गई हैं। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच और पुनः मरम्मत की मांग की है।

पीडब्ल्यूडी द्वारा लंभुआ-पटखौली, दुल्हापुर नौगवां, तुलीपुर होते हुए बधूपुर, धोपाप धाम मार्ग की मरम्मत कुछ दिन पहले ही कराई गई थी, लेकिन थोड़े समय में ही सड़क की परतें उखड़ने लगीं। नौगवां मोड़ के पास डामर बड़े हिस्सों में गायब होकर गिट्टियां बाहर आ चुकी हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सरकारी कार्यों में जीरो टॉलरेंस के निर्देशों के बावजूद सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी ग्रामीणों को अखर रही है। उनका कहना है कि मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग न करने का नतीजा है कि सड़क कुछ ही दिनों में दोबारा खराब होने लगी।

दुल्हापुर के प्रमोद यादव ने बताया कि कुछ ही दिन पहले बनी सड़क अब उखड़ चुकी है। साफ दिख रहा है कि सामग्री बेहद घटिया है। ग्राम निवासी शुभम सिंह ने कहा कि डामर जगह-जगह से निकल रहा है। यह सरकारी धन की सीधी बर्बादी है। नौगवां के दीपू सिंह, संजय तिवारी, अमित कुमार, अंकित और सनी कुमार ने कहा कि पीडब्ल्यूडी ने सड़क में पर्याप्त सामग्री नहीं डाली। सड़क अपने आप टूट रही है। प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की उच्च स्तरीय जांच, जिम्मेदार ठेकेदार व अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई और मार्ग की पुनः मरम्मत की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो यह मार्ग जल्द ही फिर से गड्ढों में बदल जाएगा।

दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल, आठ नामजद

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में बुधवार को तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर आठ नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज किया है। विनोद जायसवाल का आरोप है कि बुधवार शाम साढ़े पांच बजे उनकी भाभी आरती जायसवाल घर पर अकेली थीं, तभी विपक्षियों ने लाठी-डंडे और लोहे की सरिया से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। वहीं, शहरबानो ने आरोप लगाया कि मंगलवार सुबह विपक्षियों ने उनके निर्माणाधीन पिलर को गिरा दिया और विरोध पर मारपीट की। बुधवार को भी नाराज विपक्षियों ने उन पर और उनके पुत्र सैफ पर लोहे के रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर ने बताया कि विनोद की तहरीर पर टीपू, कैफ और शहरबानो के विरुद्ध, जबकि शहरबानो की तहरीर पर रामताड़क, विनोद, संतरा देवी, आर्यन, मंजू और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि प्रदीप कुमार व प्रदीप जायसवाल दोनों नाम मेरे ही हैं। अब भविष्य में मुझे प्रदीप जायसवाल पुत्र स्व0 राजाराम जायसवाल, निवासी–105/488, श्री नगर, आनंद बाग कानपुर नगर के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं SHREYANSH DIVEDI से बदल कर SHREYANSH DWIVEDI रख लिया हैं आप मुझे भविष्य में मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए I/S/O MOTI LAL DUBEY निवासी शक्ति विहार कॉलोनी, बी बी डी चिनहट लखनऊ का रहने वाला हूं।

सूचना

मेरे पिता का नाम आधार कार्ड में देशराज यादव और मेरी हाई स्कूल अंक तालिका में देशराज दर्ज है। दोनों नाम मेरे पिता के ही हैं। मेरे पिता दोनों नाम से जाने पहचाने जाते हैं। **मैं /अंकित यादव पुत्र देशराज यादव नि0 ग्राम पूरे गुर्दी मजरे कोरिहरा तहसील लालगंज रायबरेली।**

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम भूपेन्द्र प्रताप है। जबकि बैंक खाता में मोनू कुमार नाम दर्ज है। भूपेन्द्र प्रताप व मोनू कुमार दोनों मेरे ही नाम है। दोनों ही नामों से मैं जाना व पहचाना जाता हूँ। उपरोक्त नाम का दूसरा व्यक्ति गांव में नहीं है। **भूपेन्द्र प्रताप पुत्र गजेन्द्र सिंह, ग्राम कढिउली, पोस्ट बबना, जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

मेरी 2 रजिस्ट्री जिनमें पहली बही का जिल्द से 2046 के पृष्ठ से 361 से 380 पर क्रमांक 1966 रजिस्ट्री कृत मूल विक्रय विलेख दिनांकित 21/03/2009 एवं उप निरीक्षक मिश्रिख सीतापुर में दिनांक 26/03/2009 को बही से 1 जिल्द से 2025 के पृष्ठ सं0 261 से 280 पर क्रमांक 2042 पर रजिस्ट्रीकृत मूल विक्रय विलेख वास्तव में खो गयीं हैं जिनका प्रयोग अवैध है – **श्रीश कुमार त्रिवेदी पुत्र स्व अभय शंकर त्रिवेदी निवासी–79. बट्सगंज सीतापुर**

सूचना

पहले मेरा नाम MAHIR ALI SAYED था अब मैने बदल कर अपना नाम MAHIR ALI रख लिया है भविष्य में मुझे MAHIR ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MEHDI HASAN R/O- MEERANPUR AKBARPUR AMBEDKAR NAGAR 224122

सूचना

मैने अपना नाम NARENDRA KUMAR KSHERAPAL से बदलकर NARENDRA KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SRI SANT LAL ADD-A 18/66 RAM NAGAR COLONY DIST-FAIZABAD AYODHYA-224001(U.P.)

सूचना

प्रिया पुत्री मनोरमा निवासी ग्राम मुकेरा पोस्ट शुमानगंज तहसील नरैनी जिला बाँदा है। जो कि सही नाम दिव्या पुत्री मनोरमा है। इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। मनोरमा पत्नी इन्द्रेश निवासी ग्राम मुकेश जिला बाँदा।

सूचना

मैने अपना नाम SHANU KSHERAPAL से बदलकर SHANU CHHETRAPAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0- NARENDRA KUMAR ADD-A 18/66 RAM NAGAR AYODHYA, DIST-AYODHYA-224001 (U.P)

सूचना

सूचनार्थ मैं **सलमा बेग पत्नी मो0 अयाज बेग निवासी– 64 चन्द्रशेखर आजाद मार्ग अमीनाबाद लखनऊ,** निकाह के पूर्व मेरा नाम सलमा रशीद खान था जो मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में भी अंकित है। निकाह के पश्चात मैंने अपना नाम सलमा बेग कर लिया है।

सूचना

पहले मेरा नाम KUNVAR VIVEK SINGH था अब मैने अपना नाम बदलकर KUNWAR VIVEK SINGH रख लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। KUNWAR VIVEK SINGH S/0-CHANDRA VAS SINGH ADD-VILL-CHANDPUR POST-SARAI BHOGI DIST-JAUNPUR (U.P)

सूचना

मैं, **कृष्ण कुमार मंध्यान आत्मज स्व शंकर लाल मंध्यान, निवासी सी–2239, सी ब्लाक, इंदिरा नगर, लखनऊ** घोषणा करता हूँ की मेरे सगे भाई जयराम दास मंध्यान, सुनील कुमार मंध्यान, सुशील कुमार मंध्यान, हरीश कुमार मंध्यान पुत्रगढ़ स्व शंकर लाल मंध्यान के समाज विरोधी गतिविधियों एवं अनुचित व्यवहार अथवा परिवार की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाने के कारण मैंने इन सभी एवं इन सभी के उत्तराधिकारी से संबंध विच्छेद कर लिया है एवं अपनी समस्त चल, अचल सम्पत्ति से पूर्णतः बेदखल कर रहा हूँ जिसमे खसरा संकया 684/9, रसूलपुर सादात, बी. के. टी, लखनऊ एवं मकान सं: सी–2239, इंदिरा नगर, लखनऊ भी सम्मिलित है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य / व्यवहार के प्रति मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

CHANGE OF NAME

THIS IS to inform the general public that my daughter name VEDANSHI D/o Veerendra Kumar, as recorded in other documents. Due to an error my daughter's name is incorrectly recorded in Aadhaar Card and school records. This is incorrect. In the future, my daughter should be known and identified by her correct name A V VEDANSHI RAO D/o Veerendra Kumar. Old name: VEDANSHI New Name: A V VEDANSHI RAO it is here by certified that all legal formalities regarding the above have been completed by me. Veerendra Kumar S/o Shri Shiva Kumar R/o- 96 Village -Jarha, Post Jarha, Behander Sandila, Hardoi U.P. Pin 241201.

CHANGE OF NAME

THIS IS to inform the general public that my daughter name AARADHYA D/o Veerendra Kumar, as recorded in other documents. Due to an error my daughter's name is incorrectly recorded in Aadhaar Card and school records. This is incorrect. In the future, my daughter should be known and identified by her correct name A V AARADHYA RAO D/o Veerendra Kumar. Old name: AARADHYA New Name: A V AARADHYA RAO it is here by certified that all legal formalities regarding the above have been completed by me. Veerendra Kumar S/o Shri Shiva Kumar R/o - 96 Village Jarha, Post Jarha, Behander Sandila, Hardoi U.P. Pin 241201.

सूचना

मैं **गुलाम अफसर पुत्र गुलाम समदानी निवासी–मीरानपुर अकबरपुर, परगना व तहसील–अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर,** मेरे पुत्री अलीजा फातमा (ALIJA FATMA) के आधार कार्ड में जो नाम अंकित है वह गलत है। जबकि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में अलीजा फातिमा (ALIZA FATIMA) अंकित है जो सही है। अतः पुत्री के आधार कार्ड में अलीजा फातमा (ALIJA FATMA) के स्थान पर सही नाम अलीजा फातिमा (ALIZA FATIMA) संशोधन अंकित किया जाय तथा मेरी पुत्री को इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

गुमशुदगी सूचना

मैं **शेष कुमारी पत्नी नन्दलाल सिंह निवासी ग्राम गुलालपुर परगना चांदा तहसील लम्भुआ जनपद सुलतानपुरकी** हूं। मेरे पति का दिमागी सन्तुलन ठीक न होने के कारण दिनांक 14 अप्रैल 1998 को समय 2.00 बजे दिन में वे घर से गुलालपुर बाजार गये थे शाम तक घर वापस नहीं आये। मैने आस-पास व नात रिश्तेदारों के यहां, बाजार व बस अड्डे पर काफी तलाश किया परन्तु उनका कोई अता पता आज तक नहीं चला।

सूचना

मैं **मो0 अयाज बेग पुत्र जुबैर अहमद बेग निवासी– 64, चन्द्रशेखर आजाद मार्ग अमीनाबाद लखनऊ,** मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम मोहम्मद अयाज अंकित है। मेरा सही नाम मो0 अयाज बेग है। मोहम्मद अयाज व मो0 अयाज बेग दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

सूचना

मैं मेहताब बेग (MEHTAB BAIG) पुत्र लतीफ बेग (LATIF BAIG), निवासी–शिवाला के पास, 390/209/डी–2,उत्तम नगर, शहादतगंज, लखनऊ, उ0प्र0–226003, मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या–UP32 20090006886 में मेरा नाम MEHTAB BEG व पिता का नाम ABDUL LATIF BEG अंकित है। जबकि आधार कार्ड संख्या–6246 2666 9695 व अन्य समस्त शैक्षिक प्रमाण–पत्र में मेरा नाम मेहताब बेग (MEHTAB BAIG) व पिता का नाम लतीफ बेग (LATIF BAIG) अंकित है जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स पर दर्ज मेरा नाम MEHTAB BEG व पिता का नाम ABDUL LATIF BEG के स्थान पर मेरा सही नाम मेहताब बेग (MEHTAB BAIG) व पिता का नाम लतीफ बेग (LATIF BAIG) अंकित किया जाय।

सूचना

मैं प्रिया नागेश कुमार सिंह, नि.–1003 ब्लॉक–सी, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ, मेरा आधार कार्ड में नाम प्रिया नागेश कुमार सिंह दर्ज है। जबकि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के प्रमाणपत्र में प्रिया सिंह लिखा है। भविष्य में मुझे प्रिया नागेश कुमार सिंह नाम से जाना–पहचाना जाये। अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो नीचे दिये नंबर पर संपर्क करें।–**9935442370**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शैक्षणिक अभिलेख मे मेरा नाम KHAN ABDURRAHAMAN KHALEEQUZZAMA अंकित है जो की सही है जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम KHAN ABDURRAHAMN KHALEEQUZZAMA जो कि गलत है। आधार कार्ड में भी मेरा नाम शैक्षणिक अभिलेख वाला ही दर्ज किया जाए। **खान अब्दुर्रहमान खलीकुज्जमा पुत्र खलीकुज्जमा ग्राम दतलूपुर,पोस्ट सरायखास, परगना व तहसील उतरौला, जनपद बलरामपुर**

न्यूज ब्रीफ

खंड स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

रुपईडीह। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक व कंपोजिट विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की खंड स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता ब्लॉक संसाधन केंद्र पर आयोजित की गई। ब्लॉक के बीईओ रियाज अहमद ने बताया कि इस परीक्षा में 73 स्कूलों को मिलाकर 208 छात्र छात्राओ ने भाग लिया। अनिल कुमार चौरसिया, अजीत तिवारी, देव प्रकाश पांडेय, राजेश तिवारी, धर्मेंद्र तिवारी, भुवनेश्वर सिंह, बृजेश कुमार, राजीव वर्मा, आशुतोष गिरी, अंकित तिवारी, प्रभाकर तिवारी, राम जियावान आदि लोग उपस्थित रहे।

बाइक चोरी

खरगुपुर, गोंडा। मोटरसाईकिल खड़ा करके सामान खरीद रहे युवक की बाइक चोरी हो जाने के मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र जनपद बलरामपुर पहलवारा के छोटू चौहान ने थाने पर दिए गए तहरीर में कहा है कि रविवार को सायं 5 बजे अपना मोटर साईकिल शराब ठेकी रामनगर झिन्ना के पास खड़ा करके सामान खरीदने लगे। सामान खरीदने कर वापस आने पर मोटरसाइकिल गायब थी काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चल सका। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि मोटरसाईकिल चोरी के मामले में अज्ञात युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

मारपीट में 8 घायल

खरगुपुर। जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में मारपीट के दौरान चार महिला सहित आठ लोग घायल हो गए। मामला थाना क्षेत्र के ग्राम भुलईडीह का है। गांव में उमाशंकर तथा उमेश के बीच जमीन को लेकर वर्षों से विवाद है उक्त विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई। जिसमें लाठी डंडा के प्रहार से एक पक्ष के उमाशंकर, बनारसी तिवारी, सहदेव तिवारी व उसकी पत्नी अनीता तथा दूसरे पक्ष के उमेश कुरील, शशांक शेखर, रानू पत्नी आलोक, पुष्पा पत्नी ऋषभदेव एवं निशि पुत्री मनोज कुमार घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर आठ आरोपियों के विरुद्ध हमला, जान से मारने की धमकी सहित अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया है।

शराब दुकान के सामने खड़ी बाइक चोरी

खरगुपुर, गोंडा। शराब की दुकान के पास खड़ी बाइक को चोर चुरा ले गए। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस चौकी जानकी नगर क्षेत्र के कस्बा महाराजगंज स्थित शराब की दुकान के बाहर खड़ी बाइक अचानक चोरी चली गई। दुकान से बाहर निकलने पर बाइक स्वामी छोटू चौहान निवासी मोहल्ला पहलवारा कोतवाली बलरामपुर नगर को बाइक मौके से गायब मिली। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि बाइक चोरी मामले में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

दो मुख्य सेविकाओं के कार्यक्षेत्र में बदलाव

रुपईडीह, अमृत विचार। ब्लॉक में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों के सफल संचालन के लिए सीडीपीओ दुर्गेश कुमार गुप्त ने दो मुख्य सेविकाओं के कार्यक्षेत्रों में फेरबदल किया है। सीडीपीओ ने बताया कि देवतहा क्षेत्र की मुख्य सेविका सुमिता वर्मा को बनगाई तथा बनगाई की मुख्य सेविका सुषमा सिंह को देवतहा क्लस्टर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण किए जाने का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि इन दोनों मुख्य सेविकाओं को नवनियुक्त क्लस्टरों में आवंटित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर नियमित रूप से आख्या उपलब्ध कराया जाने का निर्देश दिया गया है।

नलकूप स्थापित कराने की मांग

रुपईडीह। ब्लॉक की ग्राम पंचायत में निबिहा परसपुर के प्रधान शिवनाथ तिवारी ने विधायक बावन सिंह से मिलकर ग्राम पंचायत में राजकीय नलकूप की स्थापना कराए जाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में राजकीय नलकूप की स्थापना न होने से गरीब और निर्बल वर्ग के किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए दिक्कत उठानी पड़ रही है।

लाखों का सामान राख

गोंडा: माधवपुर ग्राम पंचायत निवासी बाबू कनौजिया के दुकान में गुरुवार सुबह को अचानक आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित बाबू कनौजिया ने बताया कि वह घर में ही किराना और सब्जी की दुकान करता है। भोर में सब्जी लेने मंडी गया हुआ था। गांव के लोगों ने फोन कर बताया कि आपकी दुकान में आग लग गई है। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम के साथ स्थानीय लोगों ने आग बुझा दी। सूचना पर हल्का लेखपाल सुरेश सिंह ने पहुंच कर नुकसान का आंकलन किया।

मांगों को लेकर ग्राम पंचायत सचिवों ने किया प्रदर्शन

करनैलगंज, अमृत विचार : ऑनलाइन उपस्थिति और गैर विभागीय कार्यों के विरोध में ग्राम पंचायत सचिवों ने गुरुवार को खंड विकास कार्यालय पर प्रदर्शन किया। सचिवों ने काली पट्टी बांधकर कार्यों का निस्तारण करते हुए सरकार को चेतावनी दी कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

प्रदेश संगठन के निर्देश पर ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह और ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चन्द्र पांडेय के नेतृत्व में सचिव ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। सचिवों ने कहा कि ऑनलाइन

- **काली पट्टी बांध कर किया कार्य धरना देने की चेतावनी**

उपस्थिति प्रणाली थोपकर सरकार उन्हें अनावश्यक दबाव में डाल रही है। सचिवों ने कहा कि 10 दिसंबर से वे अपने निजी वाहनों का उपयोग बंद कर देंगे, क्योंकि जब सरकार साइकिल भत्ता देती है तो निजी वाहन का प्रयोग करने का कोई औचित्य नहीं बनता। यदि 15 दिसंबर तक भी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो सभी सचिव अपने डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे, जिससे ऑनलाइन कार्य ठप हो जाएगा। प्रदर्शन के दौरान अभिषेक सिंह, अवधेश तिवारी, प्रशांत कुमार सहित अन्य सचिव मौजूद रहे

डीएम व सीडीओ ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

संवाददाता, गोंडा

- **जिलाधिकारी ने दिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश**

अमृत विचार: जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, सिंचाई विभाग, आईटीआई, कृषि विभाग, पर्यटन विभाग, उद्योग विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, तथा सरयू नहर कॉलोनी आवास निर्माण सहित अनेक विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि वर्तमान में चल रही परियोजनाओं में कार्य की गति बढ़ाई जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण किए जाएँ। उन्होंने कहा कि देरी होने पर न केवल जनहित प्रभावित होता है, बल्कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य निष्पादन भी बाधित होता है, इसलिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी व तत्परता से करें। जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में कार्यदायी संस्थाओं के प्रति कड़ा

वि कास कार्यों की समीक्षा करतीं डीएम प्रियंका निरंजन व सीडीओ। अमृत विचार

रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि आगामी बैठकों में संबंधित संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर या एक्सईएन स्वयं उपस्थित रहें, किसी भी प्रकार की अनुपस्थिति या लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी परियोजना में गुणवत्ता या प्रगति से संबंधित कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी विभाग अपनी प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विभागीय समन्वय को मजबूत किया जाए ताकि किसी भी स्तर पर संवादहीनता के कारण कार्यों में बाधा न उत्पन्न हो। बिना किसी सूचना के अनुपस्थिति रहने पर प्रोजेक्ट मैनेजर सिडको का वेतन रोकने के निर्देश दिये हैं। बैठक में डीएसटीओ एनके सिंह, अरुण कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी, डिप्टी सीवीओ, एसीएमओ, उपनिदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर, जिला उद्योग अधिकारी बाबूराम, प्राचार्य आईटीआई, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ईंट-भट्ठे के मुनीम की गला रेत कर हत्या, मजदूरों में दहशत

आधी रात चीखों से दहला साबरपुर, फोरेंसिक जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : छपिया थाना क्षेत्र के साबरपुर गांव में बुधवार की आधी रात सनसनीखेज वारदात हुई। पवन मार्का ईंट भट्ठे के मुनीम राम सजीवन वर्मा (40) की अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात उसी भट्ठे के ऑफिस के बरामदे में हुई, जहां राम सजीवन रोज की तरह सो रहे थे।

रात करीब 1 बजे उनकी दिल दहला देने वाली चीखें सुनकर कामगार दौड़े, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। गंभीर हाल में उन्हें अयोध्या मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर फैलते ही ईंट भट्ठे पर अफरा-तफरी फैल गई। मूल रूप से अयोध्या के गोसाईगंज क्षेत्र के अमसिन दहलवा गांव निवासी राम सजीवन कई वर्षों से ईंट भट्ठे पर मुनीम का काम कर रहे थे।

राम सजीवन वर्मा (फाइल फोटो)

घटना की सूचना पर एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत, सीओ मनकापुर और छपिया थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके पर डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। बरामदे में भारी मात्रा में खून मिला है और पुलिस ने हर बिंदु से साक्ष्य खंगालने शुरू कर दिए हैं। हत्या के बाद से ही भट्ठे पर दहशत का माहौल है। बृहस्पतिवार को मजदूर काम पर नहीं पहुंचे, पूरा परिसर सुनसान पड़ा है। एएसपी मनोज कुमार रावत ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हत्या की प्राथमिक जांच कई संदिग्ध बिंदुओं का इशारा कर रही है, टीम सभी पहलुओं पर काम कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कुएं में मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

करनैलगंज, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला बमपुलुस में बुधवार की रात एक 40 वर्षीय व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या कर शव को खेत के कुएं में फेंक देने का आरोप परिजनों ने लगाया है। गुरुवार सुबह जब खेतों में काम करने पहुंचे किसानों की नजर कुएं में पड़े शव पर गई तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान अकबर अली उर्फ चौधरी (40) निवासी मोहल्ला बमपुलुस के रूप में हुई।

शव मिलते ही मृतक के परिवारजन मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि बुधवार शाम सकरौरा निवासी हारून बाबा से विवाद हुआ था, जिसने हत्या करने की धमकी भी दी थी। परिजन उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। खैरुद्दीन शाह कब्रिस्तान के पीछे

- **परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर किया हंगामा पुलिस ने दो को हिरासत में लिया**

स्थित खेत में बने कुएं से शव बरामद होने के बाद मृतक की मां नूरजहां, पत्नी नगमा, बेटे आबूद, सुएब, जुनैद और बेटियां सायरा व साहिबा का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस को परिजनों को समझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

अकबर अली (फाइल फोटो)

इसी दौरान परिजन पुलिस से नोकझोंक करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े रहे। कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय, चौकी प्रभारी राजीव कनौजिया भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर किसी तरह शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दो लोगों को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हत्यारोपियों का नाम लेकर रो-बिलख रहे परिजन

करनैलगंज : कुएं से अकबर अली उर्फ चौधरी का शव बरामद होते ही मौके पर पहुंचे परिजन फूट-फूटकर रोने लगे। माहौल उस समय और भी गमगीन हो गया जब मृतक की मां नूरजहां और बेटा जुनैद, हत्या के आरोपियों का नाम लेकर चीख-चीखकर विलाप करने लगीं। नूरजहां बार-बार कह रही थीं हारून बाबा ने धमकी दी थी मेरे लाल को उसी ने छीन लिया। उनकी करुण पुकार सुनकर वहां मौजूद लोगों की आँखें नम पड़ गईं। मृतक का बड़ा बेटा आबूद भी बदहवास हालत में हत्या के आरोपियों का नाम दोहराता रहा। वह पुलिसकर्मियों से बार-बार कहता सकरौरा वाले हारून बाबा को पकड़िए उसने ही अब्बा को मारा है। वहीं छोटा बेटा जुनैद हत्या के पीछे का रहस्य बता कर रो रहा था कि शाम को आरोपी घर पर चढ़ कर अब्बा को गाली गलौज देकर जान से मारने की धमकी दे गए थे। मासूम बच्चों का करुण क्रंदन वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को भी पल भर के लिए चुप कर दिया। अकबर की बहनें भी आरोपियों का नाम लेकर बार-बार पुलिस से गुहार लगाती रही। वह रोते हुए कहती कल ही तो धमकी दी थी आज मेरे भाई को छीन लिया। परिजनों के इस आक्रोश और विलाप के बीच पूरे मोहल्ले में एक ही आवाज गूंजती रही हारून बाबा और उसके साथियों को गिरफ्तार करो। पुलिस ने भीड़ को शांत कराने में काफी मशक्कत की और आश्वासन दिया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों को साइबर क्राइम से बचाव की दी जानकारी

कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार: केसीआईटी पब्लिक स्कूल का बारहवां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ हुआ। उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एसडीएम सदर अशोक कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में जहां ताइक्वांडो का प्रदर्शन किया गया वहीं साइबर क्राइम टीम के सीओ सिटी आनंद कुमार राय, साइबर प्रभारी संजय गुप्ता और हरिओम टंडन ने साइबर क्राइम के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए ठगी होने पर 1930 नंबर पर शिकायत करने की बात की और बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम फास्ट फूड से बचने, महिला सशक्तिकरण, आपरेशन सिंदूर, फैमिली थीम, यूनिटी थीम, संभा महराज पर नाटक, इंडियन फॉर्मर एवं सोल्जर थीम, भारत दर्शन पर नाटक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों और विद्यालय के प्रबंधक कमलेश पटेल, प्राचार्य अंकिता श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम में भाग करने वाले बच्चों को शील्ड मेडल देकर सम्मानित किया।

तरबगंज तहसील के 15 राजस्व गांव मनकापुर तहसील में होंगे शामिल

मनकापुर, अमृत विचार: महादेवा न्याय पंचायत के 15 राजस्व ग्रामों को तरबगंज तहसील से अलग कर मनकापुर तहसील में शामिल किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। राजस्व परिषद ने नोटिफिकेशन जारी कर 15 दिन में आपत्ति दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे क्षेत्र में खुशी की लहर है। इस निर्णय को लेकर ग्रामीणों और अधिवक्ताओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

एसडीएम को ज्ञापन देते अधिवक्ता। अमृत विचार

राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश के आयुक्त एवं सचिव द्वारा जारी पत्र में जिलाधिकारी गोंडा को उक्त 15 गांवों को मनकापुर तहसील में सम्मिलित किये जाने की आवश्यक कार्यवाही करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। पत्र जारी होने के साथ ही वर्षों से लंबित मांग को मूर्त रूप मिलता देख बार संघ मनकापुर ने शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। शासन के इस निर्णय को जनहित में लिया गया बड़ा कदम बताते हुए मनकापुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष भानु प्रताप मिश्र और महामंत्री लालचंद शुक्ला ने अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री को संबोधित धन्यवाद ज्ञापन उपजिलाधिकारी मनकापुर अवनीश त्रिपाठी को सौंपा। बार पदाधिकारियों ने कहा कि इन ग्रामों के ग्रामीण लंबे समय से तहसील कार्यों के लिए तरबगंज की दूरी तय करने को मजबूर थे। नए निर्णय से अब उन्हें मनकापुर में ही सभी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध होंगी और वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा। धन्यवाद ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व बार अध्यक्ष, श्रवण शुक्ला, गोमती पाठक, अजय शुक्ला, सी. के. पाठक, चंद्र प्रताप वर्मा, के जी मिश्र सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

इन 15 राजस्व गांवों की जारी हुई सूची

राजस्व परिषद ने महादेवा न्याय पंचायत के करौंदी, महादेवा, सतिया, सिकंदरपुर, हरदवा, शंभूनगर, रामगढ़ टांगिया, महेशपुर, परसापुर थनवा, सुरजापुर, गैलन ग्रांट, लिदेहना ग्रांट, पूरे गयादीन, लिदेहना एवं जानकी नगर गांवों को मनकापुर तहसील में शामिल किए जाने के प्रस्ताव की सूची जारी कर 15 दिनों के भीतर आपत्तियां मांगी हैं।

अवैध रूप से संचालित हो रहे अस्पताल पर कार्रवाई की मांग

एसीएमओ को ज्ञापन देते फार्मासिस्ट। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार: जनपद के यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के जिला अध्यक्ष रोहित मिश्र की अगुवाई में पदाधिकारियों ने गुरुवार को सीएमओ कार्यालय पहुंचकर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय गोविंद को एक ज्ञापन पत्र सौंपा है। मांग पत्र में जनपद में चल रहे अवैध रूप से क्लीनिक, पैथोलॉजी, डायग्नोसिस सेंटरों की जांच कराकर कार्यवाही की मांग की गई है।

मंडल उपाध्यक्ष सुधांशु मिश्र ने बताया कि अवैध क्लीनिक, पैथोलॉजी सेंटरों पर कार्यवाही की मांग के लिए पूर्व में लगभग कई बार पत्राचार किया गया है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई है। अब जनपद में नवागत सीएमओ के आने के बाद अपने नए आशा के साथ एक बार फिर से ज्ञापन सौंपा गया है। अध्यक्ष रोहित मिश्र ने कहा कि जनपद में अवैध क्लीनिक, हॉस्पिटल की वजह से आए दिन जिले में एक न एक घटनाएं होती रहती है। इस पर जिला प्रशासन के द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया जाता है। ज्ञापन देने वाले में सनत पांडे, गोपाल साहू, संजय अवस्थी, मॉरिस आलम, बृजेश शुक्ला, शोभित मिश्रा, अनमोल लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात बदमाशों ने मारपीट कर छीने रुपये

बालपुर, अमृत विचार : कोतवाली करनैलगंज के बालपुर चौकी अंतर्गत सोनहरा पाठक पुरवा मोड़ के पास अज्ञात बदमाशों ने दो युवकों पर हमला कर दिया और पैसे छीन लिए। सोनहरा पाठक पुरवा गांव के हरीश चंद्र कश्यप बहराइच जिले के गंगवल बाजार के छतौनी गांव अपने रिश्तेदार से मिलने गए थे। उन्हें छोड़ने के लिए कमल और उसका चचेरा भाई अपने मामा को छोड़ने के लिए पाठक पुरवा आए थे। लौटते समय मोड़ के पास कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर धावा बोल दिया। इस दौरान बदमाशों ने कमल का मोबाइल और कुछ पैसे भी छीन लिए। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छानबीन जारी है।

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू, 440 कैडेट होंगे शामिल

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम सिसवा स्थित आश्रम पद्धति विद्यालय में 48 यूपी बटालियन एनसीसी गोंडा द्वारा 04 दिसंबर से 13 दिसंबर तक वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में लगभग 440 कैडेट हिस्सा ले रहे हैं।

शिविर का उद्घाटन 48 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कपूर ने किया। उन्होंने सभी कैडेटों का स्वागत करते हुए कहा कि शिविर में योग्य एवं प्रशिक्षित सैन्य प्रशिक्षकों द्वारा कैडेटों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। बटालियन में तैनात भारतीय सेना के प्रशिक्षक कैडेटों को सैन्य रुटीन, बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग, ड्रिल परेड, फायरिंग, मैप रीडिंग सहित अनेक सैन्य विषयों का प्रशिक्षण देंगे। वहीं सामान्य विषयों की कक्षाएं कॉलेज के प्राध्यापकों द्वारा संचालित की जाएगी। बी और सी प्रमाणपत्र के लिए एनसीसी कैडेटों का ऐसे कैंपों में भाग लेना अनिवार्य होता है। पूरे 10 दिनों तक सभी कैडेट परिसर में ही रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कैडेटों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए पुलिस, नगर पंचायत और मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से आवश्यक चिकित्सा और सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

सक्रियता | चिकित्सकों की कमी दूर कराने का आश्वासन, सुधार के दिए निर्देश

करनैलगंज सीएचसी का डीजी ने किया औचक निरीक्षण

संवाददाता, करनैलगंज, गोंडा

अमृत विचार : गुरुवार सुबह करनैलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का डीजी डॉ. एचडी अग्रवाल अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मरीजों से बातचीत कर उपचार एवं सुविधाओं की जानकारी ली। चिकित्सकों की कमी को लेकर जल्द तैनाती का आश्वासन दिया।

महानिदेशक ने साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ. सौम्या श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि किसी भी मरीज को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने इमरजेंसी, लेबर रूम, वार्ड, ओपीडी, लैब और फायर सिस्टम तक सभी सेक्शन की जांच की। उपस्थिति रजिस्टर चेक करने के बाद उन्होंने समय पालन को

करनैलगंज सीएचसी का निरीक्षण करते डीजी हेल्थ एचडी अग्रवाल। अमृत विचार

अनिवार्य बताया। लैब टेक्निशियन द्वारा तीन दिन हलधरमऊ और तीन दिन करनैलगंज में कार्य करने की शिकायत पर डीजी ने नाराजगी जताई और एसीएमओ को निर्देश दिया कि टेक्निशियन करनैलगंज में ही तैनात रहे। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता और नियमित जांच को लेकर फार्मासिस्ट और लैब स्टाफ से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के बाद डीजी ने बताया कि सीएचसी की अधिकांश व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली हैं। डॉक्टरों और कर्मचारियों की कार्यशैली भी ठीक पाई गई। चिकित्सक की कमी का मुद्दा उठाए जाने पर उन्होंने जल्द नियुक्ति का आश्वासन दिया। साथ ही, अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू कराने, ऑपरेशन सुविधा को सक्रिय करने और भवन विस्तार के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की मंशा है कि सीएचसी स्तर पर ही सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि आमजन को इलाज के लिए बाहर न भटकना पड़े। उन्होंने चेतावनी दी कि अनुपस्थित मिलने वाले कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान उनके साथ एसीएमओ डॉ जय गोविन्द भी रहे। निरीक्षण में चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 204 में से 88 युवाओं का चयन

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार: कस्बे के पड़ाव मोहल्ले के श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज में गुरुवार को आयोजित रोजगार मेले में कुल 204 अभ्यर्थियों में से 88 का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। चयन के बाद युवाओं के चेहरों पर उत्साह और उम्मीद की चमक साफ नजर आई। सुबह से ही युवा अपने शैक्षिक व पहचान दस्तावेजों के साथ पंजीकरण काउंटर पर पहुंचने लगे।

स्थानीय स्तर पर रोजगार और प्रशिक्षण की तलाश में आए युवाओं की भीड़ इस बात का संकेत थी कि रोजगार मेला उनके लिए कितना महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत जिला सेवायोजन अधिकारी गुलाब चंद मौर्य ने दीप प्रज्वलित कर की। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित ऐसे मेले युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं। उन्होंने युवाओं से तकनीकी दक्षता व कौशल विकास पर जोर देते हुए निजी क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

एनसीसी कैडेटों का किया गया सम्मान

बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज की एनसीसी इकाई द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को बुधवार देर शाम मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता 8 नवंबर को बटालियन के कमांडिंग अधिकारी कर्नल अरविंद प्रताप सिंह पटवाल और प्राचार्य प्रो. जे.पी. पांडेय के निर्देशन में आयोजित की गई थी। परिणाम घोषित होने के बाद 3 दिसंबर को परेड के दौरान पुरस्कार वितरित किए गए। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) देवेंद्र कुमार चौहान और सूबेदार मेजर बिनय घोष ने स्केच वर्ग में इशितखार अली को प्रथम, शिवपाल विश्वकर्मा को द्वितीय और शिवनाथ गुप्त को तृतीय स्थान पर सम्मानित किया। रंग भराई वर्ग में दिव्यांशी वर्मा प्रथम, सूरज चौधरी द्वितीय और वैभव त्रिपाठी तृतीय स्थान पर रहे। लेफ्टिनेंट चौहान ने कहा कि वंदे मातरम् भारत की सामूहिक चेतना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक गीत है। सूबेदार मेजर घोष ने सभी विजयी कैडेटों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फाइनल में जम्मू का पहलवान जीता

गौरा चौकी : एकता कुश्ती दंगल के दूसरे दिन देश, प्रदेश एवं नेपाल के नामी पहलवानों ने दूसरे दिन एक दूसरे के विरुद्ध दांवपेच आजमाया। कुश्ती के दूसरे दिन सपा नेता हफीज मलिक ने फाइनल मुकाबले में फैसल गनी जम्मू कश्मीर व राहुल पांडे हरिद्वार के बीच हाथ मिलवाया, जिसमें फैसल गनी जम्मू कश्मीर ने दांव मारते हुए राहुल पांडे को चित कर दिया। बभनजोत क्षेत्र के चम्पानगर में दो दिवसीय एकता कुश्ती दंगल के समापन में बृहस्पतिवार को 21 पहलवानों ने एक दूसरे के विरुद्ध हाथ आजमाया। इसमें प्रदेश के नागेंद्र दास पहलवान हनुमानगढ़ी अयोध्या, फैसल गनी बाबा फकीर पहलवान, अलावा नेपाल के नामवर पहलवान शामिल हुए। दंगल के पहले दिन गौरा विधानसभा के सपा नेता हफ़ीज़ मलिक ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया।

भ्रष्टाचार व जालसाजी के आरोप में नामजद अभियुक्त की तलाश

गोंडा : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन ने जनपद के एक वांछित अभियुक्त के विरुद्ध जांच तेज कर दी है। आरोपी के खिलाफ 82 की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी के विरुद्ध मुकदमा तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत थाना विशेष अनुसंधान दल, लखनऊ में पंजीकृत है। मामले की विवेचना एसआईटी के निरीक्षक विजय कुमार सिंह गौर कर रहे हैं। विवेचना अधिकारी ने बताया कि मामले में वांछित अभियुक्त शिवाकान्त वर्मा उर्फ पंकज कुमार वर्मा पुत्र स्व. राजितराम वर्मा निवासी इमलिया गुरदयाल कोतवाली नगर के विरुद्ध 11 सितंबर 2025 को गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। पुलिस द्वारा गोंडा और लखनऊ स्थित संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी गई, लेकिन अभियुक्त अब तक फरार है। अभियुक्त की लगातार फरारी को देखते हुए न्यायालय लखनऊ ने उसके विरुद्ध धारा 82 द.प्र.सं. के अंतर्गत उद्घोषणा जारी करने का आदेश दिया है, जिसकी नियत तिथि 12 दिसंबर निर्धारित की गई है।

न्याय पंचायत स्तरीय खेल में दिखी प्रतिभा

छपिया : विकासखंड छपिया क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय बखरौली में बुधवार को न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शिक्षा क्षेत्र छपिया के प्राथमिक व जूनियर स्तर के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुरेश शुक्ला, पूर्व प्रमुख शैलेंद्र पांडेय, नोडल शिक्षक अरुण प्रकाश वर्मा ने किया। प्राथमिक स्तर पर बालक संवर्ग में 50 मीटर की दौड़ में पतिजिया खुर्द से विवेक ने प्रथम स्थान, 100 मीटर दौड़ में बालक संवर्ग में नरैचा के अंकित यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विधायक स्पर्धा खेल में विशंभरपुर अव्वल

धानेपुर : मेहनौन विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्पर्धा खेल प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को संत सहज वन इंटर कालेज श्रीनगर बाबागंज मे किया गया जहां दौड़, कबड्डी, लंबी कूद जैसी विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताएं हुई। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन की जिम्मेदारी युवा कल्याण विभाग को सौंपा गयी थी। बालक-बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दीप कुमार ने बताया कि सब जूनियर कबड्डी बालक वर्ग में संत सहज वन इंटर कालेज श्रीनगर बाबागंज इटियाथोक की टीम विजयी रही, जबकि मुजेहना उप विजेता रहा। वहीं बालिका वर्ग में राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय मुजेहना की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया।

जांच में असुरक्षित पाई गई राम मिष्ठान भंडार की रसमलाई

लाइसेंस निलंबन की तैयारी, एक प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित

संवाददाता, बलरामपुर

नगर की प्रतिष्ठित दुकान राम मिष्ठान्न भंडार। अमृत विचार

अमृत विचार। जनपद में खाद्य पदार्थों की मिलावट और असुरक्षित वस्तुओं की बिक्री पर प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर चल रहे प्रवर्तन अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कई प्रतिष्ठानों से नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला भेजे थे।

जांच रिपोर्ट में मेसर्स राम मिष्ठान भंडार, चौक रोड, मेन मार्केट बलरामपुर की रसमलाई मानव उपभोग के लिए हानिकारक पाई गई, जिसे खाद्य विश्लेषक, गोरखपुर द्वारा असुरक्षित घोषित किया गया है। प्रशासन इस प्रतिष्ठान के लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई प्रारंभ कर चुका है। इसी क्रम में मेसर्स भारत स्वीट्स, जोगीवीर, उतरौला की निर्माण इकाई से लिए गए बतीसा और बतीसा रोल के नमूने भी असुरक्षित पाए गए। इस प्रतिष्ठान का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए निर्माण कार्य बंद करा दिया गया है।

वहीं फुटकर विक्रेता श्री राशिद खान, चीनी मिल गेट तुलसीपुर से लिए गए मोतीचूर लड्डू के नमूने को भी असुरक्षित घोषित किया गया है, जिसके लाइसेंस पर निलंबन की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मिलावटखोरों पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और उपभोक्ताओं की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती त्रासदी पर लोकसभा में गूंजा बलरामपुर का नाम

- मां की गोद से मासूम को ले गया तेंदुआ, सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने उठाया सुरक्षा और मुआवजे का मुद्दा

बलरामपुर, अमृत विचार। सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग से सटे रेहारपुरवा झौहना गांव में तेंदुए द्वारा मां की गोद से दुधमुंहे बच्चे को उठा ले जाने और उसकी मौत की दर्दनाक घटना ने जनपद में मानव–वन्यजीव संघर्ष की भयावहता को फिर उजागर कर दिया है। इस गंभीर मामले को श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने गुरुवार को लोकसभा में जोरदार तरीके से उठाया।

लोकसभा में जंगली जानवरों का मुद्दा उठाते सांसद राम शिरोमणि वर्मा।

सांसद वर्मा ने सदन में कहा कि उनका संसदीय क्षेत्र नेपाल सीमा से सटा हुआ है, जिसके कारण तुलसीपुर, पचपेड़वा, हरैया सतघरवा सहित जंगल किनारे बसे गांव लगातार जंगली जानवरों के हमलों से त्रस्त हैं। उन्होंने बताया कि गांवों में तेंदुए, भेड़िए, लकड़बग्घे और अन्य जंगली जानवर आए दिन न सिर्फ मवेशियों पर हमला करते हैं, बल्कि छोटे बच्चों तक को अपना शिकार बना लेते हैं। हालिया घटना इसका सबसे दर्दनाक उदाहरण है।

सांसद ने कहा कि मां की आंखों के सामने तेंदुए द्वारा मासूम बच्चे को उठाकर ले जाना और उसे मार डालना अत्यंत हृदयविदारक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जंगल किनारे बसे गांवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, रात्रिकालीन गश्त, कैमरा ट्रैप, पिंजरा लगाना और वन्यजीवों की निगरानी को मजबूत किया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों की सुरक्षा का प्रश्न है। सांसद ने आग्रह किया कि मानव–वन्यजीव संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए दीर्घकालिक नीति बनाकर तत्काल प्रभाव से उपाय लागू किए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में जंगलों से गांवों में जंगली जानवरों का आना बढ़ गया है, जिससे जान–माल का भारी नुकसान हो रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने की एसआईआर की समीक्षा

विशेष मतदाता प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तुलसी पार्क वार्ड में मतदेय स्थल संख्या 94, 95, 96, 97 और 98 के बूथ स्तर अधिकारी, बूथ स्तर सहायक, सभासद तथा जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने पुनरीक्षण कार्य को सफल और पारदर्शी तरीके से संचालित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम इसमें सम्मिलित होना आवश्यक है। बैठक में सभासदों, बूथ स्तर अधिकारियों और सहायक अधिकारियों ने बूथवार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश साझा किए। इस अवसर पर जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू, जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस, सभासद सिद्धार्थ साहू आदि उपस्थित रहे।

8 साल से अधर में बर्न यूनिट

लालजी सिंह, बलरामपुर

आठ साल से संचालन की राह देख रहा बर्न यूनिट। अमृत विचार

- हादसे ने खोली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

अमृत विचार। संयुक्त जिला अस्पताल परिसर में तैयार बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी यूनिट आठ वर्षों से उद्घाटन और संचालन का इंतजार कर रही है। अटल स्वशासी मेडिकल कॉलेज के अधीन निर्मित यह अत्याधुनिक यूनिट भवन बनकर 2017 में तैयार हो गया था, लेकिन डॉक्टर, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति न होने से यह आज भी बंद पड़ा है। करोड़ों की मशीनें और उपकरण धूल में दबे पड़े हैं।

बीते दिनों फुलवरिया बाईपास पर हुए भीषण सड़क हादसे ने इस लापरवाही की परतें फिर खोल दीं। कंटेनर से टकराने के बाद बस में लगी आग में छह नेपाली यात्री गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए बहराइच और लखनऊ रेफर करना पड़ा। यदि बर्न यूनिट चालू होती, तो इन मरीजों का उपचार जिले में ही संभव था।

2013-14 में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के इलाज के लिए स्वीकृत बर्न यूनिट को 2017 में तैयार कर दिया गया, लेकिन स्टाफ के पद सृजित न होने के कारण यूनिट कभी शुरू ही नहीं हो सकी। नतीजतन, प्राथमिक उपचार के बाद झुलसे मरीजों को अन्य जिलों में रेफर करना प्रशासन और अस्पताल दोनों की मजबूरी बन गई है, और कई बार यह देरी जानलेवा भी साबित होती है। इंजेक्शन काउंटर पर तैनात फार्मासिस्ट सैय्यद मोइज को यूनिट की देखरेख का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जबकि यूनिट में बर्न उपचार से जुड़े आवश्यक उपकरण अनुपस्थित हैं।

वहीं 16 वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बेकार पड़े हुए हैं। डॉक्टर से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक किसी भी पद पर तैनाती नहीं है। संसाधनों के अभाव में बर्न यूनिट भवन को कभी एल-टू वार्ड, तो कभी डेंगू वार्ड के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है।

संस्थापक सप्ताह शुरू रैली ने खींचा ध्यान

तुलसीपुर, बलरामपुर, अमृत विचार। आदिशक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल में गुरुवार से सात दिवसीय संस्थापक सप्ताह समारोह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की ओर से नगर में भव्य रैली निकाली गई, जिसे शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत मिथलेश नाथ योगी, पूर्व सांसद दद्दन मिश्र और क्षेत्रीय विधायक कैलाश नाथ शुक्ल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली मुख्य मार्गों से होती हुई लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी।

रैली में शामिल छात्र-छात्राएँ हरैया तिराहा, लाल चौराहा, हनुमानगढ़ी, नई बाजार चौक और कलश चौराहा होते हुए विद्यालय लौटे। विभिन्न स्थानों पर लोगों ने बच्चों का स्वागत किया।

रैली के बाद आयोजित कार्यक्रम में महंत मिथलेश नाथ योगी ने कहा कि यह आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने विद्यालय को क्षेत्र में शिक्षा की दिशा में अग्रणी बताया। विधायक कैलाश नाथ शुक्ल और नपाप चेयरमैन डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रधानाचार्य डॉ. डीपी सिंह ने बताया कि संस्थापक सप्ताह के दौरान खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन, शतरंज, दौड़, साइकिल रेस, सामान्य ज्ञान तथा भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। विजयी प्रतिभागियों को समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर एसडीएम राकेश कुमार जयंत, सीओ डॉ. जितेन्द्र कुमार, सीएचसी अधीक्षक डॉ. विकल्प मिश्र, एसएचओ आर.के. सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

27 साल से जमे लिपिक पर शिकंजा

अनुपम पांडेय कनिष्ठ लिपिक

गोंडा, अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग में वर्षों से चल रही अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच जिले के वित्त लेखाधिकारी कार्यालय के कनिष्ठ लिपिक अनुपम पाण्डेय पर अब अधिकारियों ने सीधे मोर्चा खोल दिया है। 27 वर्षों से एक ही कार्यालय में तैनात इस लिपिक पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की तरफ से भेजी गई विस्तृत रिपोर्ट ने पूरा मामला और गंभीर बना दिया है। डीएम की यह रिपोर्ट न केवल गोंडा बल्कि पूरे बेसिक शिक्षा विभाग में हलचल पैदा कर रही है।

वित्त नियंत्रक, बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज को भेजे गए पत्र में डीएम ने कई संगठनों विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, अटेवा, महिला शिक्षक संघ, बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, मृतक आश्रित शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ की तरफ से की गई शिकायतों का हवाला देते हुए कहा कि अनुपम पाण्डेय 27 वर्षों से एक ही कार्यालय में पदस्थ हैं और कई विभागीय मामलों में आरोपित हैं। एडेड स्कूलों में कार्यरत 500 से अधिक शिक्षकों के फर्जी वेतन व एरियर भुगतान करने के मामले में अनुपम के खिलाफ एसआईटी जांच चल रही है। डीएम के अनुसार इस प्रकरण में अनुपम पाण्डेय की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। हाईकोर्ट के आदेश पर अनुपम के खिलाफ एसटीएफ भी जांच कर रही है। यह मुकदमा अनुपम पाण्डेय को मुख्य आरोपी बनाते हुए दर्ज हुआ है। इसके अलावा भ्रष्टाचार से जुड़े प्रकरण में भी नगर कोतवाली में अनुपम के खिलाफ केस दर्ज है।

80 ग्राम पंचायतों में बजट घोटाले की गूंज

- एक ही वेंडर को लाखों का भुगतान, सचिव तलब

बलरामपुर, अमृत विचार। ग्राम पंचायतों के विकास बजट में बड़े पैमाने पर लापरवाही और अनियमितता का मामला सामने आया है। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर जांच में पता चला कि 15वें वित्त आयोग की धनराशि कई ग्राम पंचायतों द्वारा एक ही वेंडर को बार-बार भुगतान कर दी गई। यह गड़बड़ी जिले के छह विकास खंड की 80 ग्राम पंचायतों में पाई गई है।

उपनिदेशक पंचायतीराज देवीपाटन मंडल गोंडा गिरीश चंद्र ने इस गंभीर प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए संबंधित सचिवों को अभिलेखों सहित तलब किया है। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी श्रेया उपाध्याय को भेजे पत्र में निर्देश दिया है कि सभी पंचायतों के भुगतान अभिलेखों का सत्यापन 5 से 10 दिसंबर तक मंडल कार्यालय के सभागार में अनिवार्य रूप से कराने के लिए कहा जाए।

जांच में सामने आया है कि 35 ग्राम पंचायतों ने ए.आर. ट्रेडर्स को, 45 ग्राम पंचायतों ने वर्मा ईंट उद्योग को सबसे अधिक भुगतान किया है।

तलब किए गए सचिवों की सूची

उतरौला, सदर, गैंड़ासबुजुर्ग, गैंसड़ी, हरैया सतघरवा और श्रीदत्तगंज ब्लॉक के सचिवों जिनमें अमित कुमार मौर्य, चंदन, अतुल कुमार पांडेय, जंगराम सोनकर, संजय कुमार, प्रमोद यादव, मनोरमा सिंह, रंजीत कुमार आजाद, राम अचल, बसंत राम, अजय कुमार विमल, अमरनाथ राव, अनिल कुमार पटेल, अनूप कुमार, रजत यादव, अखंड प्रताप मिश्र, उपेंद्र कुमार, हरिशंकर तिवारी, ममता मल, अश्वनी कुमार सिंह, गुलाब चंद्र राही, शक्तिवेश मौर्य, सुशील कुमार पटेल, मोहम्मद अशफाक उल्लाह अंसारी, महेंद्र कुमार यादव, अजय यादव, अंशिका गुप्ता, धनंजय सिंह यादव, मनोज कुमार गौतम, गायत्री मौर्या, विजय कुमार सोनकर, राम सुरेश शामिल हैं को सत्यापन हेतु पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) ने कहा कि सभी संबंधित सचिवों को रिकॉर्ड लेकर निर्धारित तिथि में मंडल सभागार में उपस्थित होना अनिवार्य है। ताकि भुगतान की सच्चाई और जिम्मेदारी तय की जा सके।

राजा परीक्षित उद्धार प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

बलरामपुर, अमृत विचार। नगर के भगवतीगंज में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को कथा वाचक राघवाचार्य जी महाराज ने राजा परीक्षित के उद्धार की कथा सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान और संस्कारों का अनंत भंडार है। जहां भी कथा का आयोजन हो, श्रद्धालुओं को अवश्य श्रवण करना चाहिए, क्योंकि कथा सुनने से ज्ञान, शांति और संस्कारों का उदय होता है। उन्होंने कहा कि "ईश्वर वही है जो भक्तों के पापों का हरण करता है। कथा का वास्तविक लाभ तभी है जब हम इसके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।" राघवाचार्य जी ने कहा कि जीवन में चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थितियां क्यों न आ जाएं, मनुष्य को धर्म और संस्कार नहीं छोड़ने चाहिए। जिसने भगवान के चरणों में दृढ़ प्रीति स्थापित कर ली, वही जीवन धन्य हो जाता है। भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं में छिपे आदर्शों को अपनाने से मनुष्य अपने कर्तव्यों और जीवन मूल्यों को समझ पाता है।

भागवत कथा में अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। अमृत विचार

कथा आरंभ से पूर्व मुख्य यजमान सत्यवती मिश्रा और राजेंद्र मिश्रा ने विधि-विधान से भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारी। कार्यक्रम में समाजसेवी संजय मिश्रा व अनन्य गौरव मिश्रा द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, पूर्व सांसद दद्दन मिश्रा, हिमांशु शुक्ला, पंकज सिंह, शशिकांत त्रिपाठी, गौरव पांडेय, कुलदीप सिंह, अमरेश तिवारी व उमाशंकर को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

सीएमओ के निरीक्षण में डॉक्टर अनुपस्थित मिले, स्पष्टीकरण मांगा

संवाददाता, बेलसर, गोंडा

अमृत विचार। सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर का बृहस्पतिवार को निरीक्षण किया। डॉक्टर अनुपस्थित मिले। सीएचसी अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा है। सीएचसी बेलसर का सीएमओ ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में डॉक्टर राजू अनुपस्थित मिले। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर सतपाल सोनकर से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके बाद उन्होंने प्रसव कक्ष, बीपीएमयूं यूनिट, रसोई घर, उपस्थित रजिस्टर का भी निरीक्षण किया। कमरे में साफ सफाई ठीक न होने के कारण वार्ड बॉय को डांट लगाई। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर सतपाल सोनकर से सीएचसी पर तैनात वार्ड बॉय का नाम एवं संख्या की जानकारी लिया। अतुल तिवारी, वंदना सिंह, राकेश दुबे, मुन्ना, सतीश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिव्यांग दिवस | विधायक तुलसीपुर और डीएम ने बच्चों से मिलकर बढ़ाया उत्साह

समावेशी शिक्षा विद्यालय में हुआ प्रेरक आयोजन

दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन करते विधायक और अन्य अतिथि। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर गिफ्टेबल फाउंडेशन द्वारा तहसील बलरामपुर के धुसाह में संचालित समावेशी शिक्षा विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला और जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन कार्यक्रम में मौजूद रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों से परिचय प्राप्त किया और उनका हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, समूहगान और कई प्रेरक गतिविधियों सहित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के उत्साह, कौशल और आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांग बच्चे बेहद प्रतिभावान हैं और यदि उन्हें समान अवसर व उपयुक्त वातावरण मिले तो वे अपनी क्षमताओं को उत्कृष्ट रूप से प्रदर्शित कर सकते हैं।

अयोध्या में लहरा रहा सनातन ध्वज...

- मां वेद गुरुकुलम के वार्षिक भंडारे में पहुंचे श्रीराम बल्लभाकुंज के अधिकारी महंत राजकुमार दास

गोंडा, अमृत विचार: इटियाथोक थाना क्षेत्र के बरगदही गांव स्थित मां वेद गुरुकुलम संस्कृत पाठशाला के तीसरे स्थापना दिवस पर गत दिवस भंडारे का आयोजन किया गया। श्रीराम बल्लभाकुंज के अधिकारी महंत राजकुमार दास भी भंडारे में शामिल हुए और गुरुकुल के बटुक विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। राजकुमार दास ने पश्चिम बंगाल के टीएमसी विधायक हुमायूँ के बाबरी मस्जिद बनाने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि टीएमसी की संविधान में आस्था नहीं है। संविधान में आस्था रखने वाला ऐसी बात नहीं कर सकता। राजकुमार दास ने कहा कि अयोध्या में सनातन की ध्वज पताका लहरा रही है और भारत सनातन संस्कृति के रूप में पहचाना जा रहा है।

मां वेद गुरुकुलम के वार्षिक भंडारे में बटुक विद्यार्थियों के साथ महंत राजकुमार दास।

अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य मंदिर निर्माण पूरा हो गया है और अब बाबरी का नाम लेना ही हम लोगों के लिए अपराध है। जो लोग ऐसी बात करते हैं वह मुख्यधारा से अलग हैं। इसके पहले उन्होंने मां वेद गुरुकुलम में मौजूद अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होने वेद, गुरुकुल और संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि संस्कृत और गुरुकुल की परंपरा महान रही है।

न्यूज ब्रीफ

बेहोश मिले युवक की इलाज के दौरान मौत

श्रावस्ती, अमृत विचार : बौद्ध परिपथ स्थित राजेश भट्ठा के पास बेहोशी हालत में मंगलवार सुबह एक युवक मिला था। उसे इकौना पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया था। वहां से बाद में युवक को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पत्नी राजिया ने फोटो देखकर शव की पहचान इकौना देहात खेर बनकटी निवासी जलील पुत्र ननकुन्ने के रूप में की। पत्नी के अनुसार वह वाहन चलाकर परिवार पालता था। करीब एक माह से वह बीमार चल रहा था। उसे सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया था। चिकित्सक ने उसे एक सप्ताह पूर्व ट्रामा सेंटर बहराइच रेफर किया था। वहां एक सप्ताह तक उपचार चलने के बाद हालत में सुधार न होने पर वह अस्पताल से सोमवार देर रात भाग आया था।

घर में आग से नकदी व सामान जलकर नष्ट

श्रावस्ती, अमृत विचार : इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम इकौना देहात अंतर्गत पांच पीरान पुरवा में गुरुवार को मुस्ताक खान के घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में घर का ज्यादातर सामान व दो हजार रुपये नकदी जलकर राख हो गई। आसपास के लोगों ने परिजनों के साथ मिलकर आग को काबू किया।

बिना परमिट काटे गए शीशम व चंदन के पेड़

जमुनहा, श्रावस्ती, अमृत विचार : हरदत नगर गिरन्ट वन क्षेत्र के ग्राम जमुनहा भवनियापुर के मजरा भवनियापुर गांव स्थित तालाब के पूरब दुखहरन तिवारी का खेत है। यहां से लकड़ कट्टों ने बिना परमिट बनवाए दो पेड़ शीशम व तीन पेड़ चंदन काटकर गिरा दिया। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने वन विभाग से किया। मामले की जानकारी पर पहुंचे वन दरोगा अजय कश्यप ने बताया कि प्रकरण की जांच की जाएगी, जो भी दोषी मिला उसके विरुद्ध कार्रवाई होगी।

चाकू रखने के दोषी पर लगा जुर्माना

श्रावस्ती, अमृत विचार : मल्हीपुर पुलिस ने नौ वर्ष पूर्व लक्ष्मणपुर कोठी निवासी शमशाद पुत्र मुंशी को चाकू के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सीजेएम ने दोषी को जेल में बिताई अवधि की कैद व 500 रुपये जुर्माने से दंडित किया।

मारपीट के तीन दोषियों पर लगा अर्थदंड

श्रावस्ती, अमृत विचार : मल्हीपुर पुलिस ने तीन वर्ष पूर्व कोकल निवासी राधेश्याम, पंकज व राधेश्याम की पत्नी पर एक महिलासे मारपीट के आरोप में केस दर्ज किया था। सीजेएम ने तीनों को दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक की अवधि का कारावास तथा प्रत्येक को 500 रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

मेगा ब्लाक : 8 घंटे तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित

रेल संरक्षा आयुक्त आज करेंगे घाघराघाट-चौकाघाट-बुढ़वल स्टेशन के मध्य तीसरी लाइन का निरीक्षण

जरवल रोड, बहराइच

रेल लाइन का निरीक्षण करते पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर व अन्य।

अमृत विचार : लखनऊ-गोरखपुर रेल प्रखंड के लखनऊ-सीतापुर-गोंडा सेक्शन पर गुरुवार को सात घंटे 50 मिनट का मेगा ब्लॉक लागू रहा। ब्लॉक के दौरान अप और डाउन, दोनों ही दिशाओं में ट्रेन संचालन पूर्णतः बंद रहा, जिससे सभी ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ। शाम 7:24 बजे ट्रेनों का संचालन शुरू हो गया।

जरवल रोड रेलवे स्टेशन के अधीक्षक शिवपाल सिंह ने बताया कि शुक्रवार को रेल संरक्षा आयुक्त तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण करेंगे। सब ठीक-ठाक रहा तो तीसरी लाइन पर ट्रेन चलने की अनुमति दे देंगे। सीआरएस घाघराघाट से बुढ़वल तक पूरी लाइन, इलेक्ट्रिक सिग्नल प्रणाली तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच करेंगे। स्टेशन अधीक्षक के अनुसार, गुरुवार सुबह 11:30 बजे से शाम 7:20 बजे तक लगाए गए ब्लॉक के दौरान तीनों लाइनों पर ट्रेनों की आवाजाही रोकी गई थी। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंघल, मुख्य विद्युत इंजीनियर निर्माण ओपी सिंह एवं लखनऊ मंडल की अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन नीतू, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/ टी आर डी धनंजय मिश्रा ने विद्युतीकृत तीसरी लाइन का निरीक्षण किया।

वर्षों पुराना सपना साकार होने की दिशा में

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : बहराइच-जरवल रोड नई रेल लाइन पर आई सकारात्मक प्रगति को लेकर क्षेत्र में उत्साह है। प्रमुख नागरिकों ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद डॉ. आनंद गोंड तथा सत्य भूषण सिंह के प्रयासों की सराहना की। भाजपा नेता ओम प्रकाश अवस्थी ने कहा, यह परियोजना विकास की नई शुरुआत है। उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता कहते हैं कि रेल लाइन से व्यापार को गति मिलेगी। प्रतिष्ठित व्यवसायी शरद कुमार पोरवाल कहते हैं कि सीधी कनेक्टिविटी से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। यह हमारी पीढ़ियों की प्रतीक्षा थी। ओमकार गुप्ता ने कहा कि यह परियोजना सिर्फ रेल लाइन नहीं, बल्कि सामाजिक–आर्थिक विकास का द्वार है।

विवाद के बाद दंपति ने खाया जहर, पति गंभीर

बहराइच, अमृत विचार : विवाद के बाद दंपति ने जहर खा लिया। परिजनों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया जहां पति की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर युवक के परिवारवालों ने दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है।

दरगाह थाना क्षेत्र स्थित इमामगंज का भूरे नशे का आदी है। वह अक्सर पत्नी से इसके लिए रुपए मांगता था। इसे लेकर अक्सर दोनों में विवाद होता था। गुरुवार को उसकी पत्नी मायके में थी तभी वह वहां पहुंचा और उससे रुपये मांगे। न देने पर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद दोनों एक साथ ही वहां से अपने घर की ओर चल दिये। जब दोनों छावनी इलाके में पहुंचे तभी दोनों की हालत बिगड़ गई और वे रास्ते पर गिर पड़े।

यह देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो पता चला कि दंपति ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया है। स्थानीय लोगों ने युवक के परिवारवालों को इस घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवारवाले मौके पर पहुंचे और दोनों को अर्द्धचेतना अवस्था में जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। पति भूरे की हालत गंभीर बनी हुई है।

विधायक ने गल्ला मंडी का किया निरीक्षण

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : विधायक एवं नेता विधान मंडल दल रामनिवास वर्मा ने गुरुवार को गल्ला मंडी का निरीक्षण किया।

उन्होंने किसानों व मंडी सचिवों से सीधे संवाद कर धान खरीद से जुड़ी उनकी समस्याएं जानीं। विधायक वर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से किसानों को धान खरीद में आ रही दिक्कतों की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद उन्होंने तत्काल डीएम से बात कर व्यवस्था जानने स्वयं मंडी पहुंचने का निर्णय लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान खरीद का लक्ष्य समय पर पूरा हो। विधायक ने कहा कि क्रमवार तरीके से सभी किसानों का धान लिया जाए। उन्होंने सुनिश्चित किया कि उठान में तेजी लाने के लिए शासन-प्रशासन से वार्ता कर समाधान कराया जाएगा।

निरीक्षण करते विधायक।

दो दिन कार्य बहिष्कार करेंगे अधिवक्ता

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : अधिवक्ता संघ की बैठक गुरुवार को बार भवन में हुई। अध्यक्षता अध्यक्ष गंगाधर मिश्र व संचालन महामंत्री अजय प्रताप सिंह ने किया। बैठक में तहसीलदार की शासनादेश विरोधी कार्यशैली पर गंभीर आपत्ति जताई गई। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि दाखिल-खारिज प्रकरणों में विधिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा और न्यायालयीय कार्य बाधित हो रहे हैं। संघ ने सर्वसम्मति से 5 व 8 दिसंबर को कार्य बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। साथ ही चेतावनी भी दी कि शासनादेशों का पालन न होने पर आगे कठोर कदम उठाए जाएंगे।

बस पलटने से पांच यात्री घायल

संवाददाता, बहराइच

क्रेन के जरिये पलटी बस को हटाते कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नानपारा कोतवाली इलाके में गुरुवार सुबह एक मवेशी को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसमें सवार पांच यात्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची नानपारा कोतवाली पुलिस ने घायलों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है।

पंजाब से यात्रियों को लेकर बहराइच होते हुए श्रावस्ती जा रही एक निजी बस भोर में करीब चार बजे नानपारा बाईपास पर स्थित मलंग पुरवा के पास अचानक सामने आए मवेशी को बचाने के चक्कर में पलट गई। यात्रियों की चीख- पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। हादसास्थल पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने बस में सवार करीब 30 लोगों को बाहर निकाला । हादसे में बस में सवार कुसुम देवी (35) निवासी सिद्धार्थनगर, रचना देवी (40) निवासी बलरामपुर, इंद्रजीत मौर्य निवासी श्रावस्ती, गिरधारी व राजेश पाल घायल हो गए। जिन्हें नानपारा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। नानपारा कोतवाल ने बताया कि पांच लोग घायल हुए थे जिनका इलाज चल रहा है।

बहराइच में बिल्डिंग बाइलाज 2025 प्रभावी

बहराइच, अमृत विचार : अवर अभियन्ता, विनियमित क्षेत्र ने बताया कि आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा स्वीकृत बिल्डिंग बाइलाज 2025 को डीएम, नियत्रक प्राधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में विनियमित बोर्ड की बैठक में अंगीकृत किया जा चुका जो विनियमित क्षेत्र बहराइच में प्रभावी है। महायोजना के अर्न्तगत निर्मित क्षेत्र में आवासीय प्रयोजन के 100 वर्ग मीटर क्षेत्रफल भू-खण्डों व स्वीकृत/अनुमोदित ले-आउट के अर्न्तगत 100 वर्ग मीटर के आवासीय भू-खण्डों व ले आउट के अर्न्तगत 30 वर्ग मी. क्षेत्रफल के व्यवसायिक प्रयोजन के भू-खण्डों के निर्माण के लिए नियमानुसार सेट बैंक छोड़ने के उपरान्त मानचित्र स्वीकृत पर छूट है।

समय पर करायें फसलों का बीमा

बहराइच, अमृत विचार 3 उपनिदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा ने कृषकों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए रबी मौसम में गेहूं मसूर एवं सरसों को अधिसूचित फसलों के रूप में शामिल किया गया है। श्री वर्मा ने जानकारी दी की फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं, ताकि बारिश,ओलावृष्टि, सूखा अतिवृष्टी जैसी परिस्थितियों में होने वाली क्षति की भरपाई बीमा कंपनी द्वारा सुनिश्चित की जा सके।

धनुष यज्ञ लीला का मंचन देखते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

धनुष टूटने के साथ ही लीला का समापन

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : लोकई गांव में चल रही तीन दिवसीय धनुष यज्ञ लीला का समापन हो गया। ब्लॉक प्रमुख ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। लोकाई में गत तीन दिनों से अयोध्या से पधारे रामलीला पार्टी के कलाकारों ने मानस के विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया। स्वयंवर में गुरु विश्वामित्र के साथ राम व लक्ष्मण भी पहुंचते हैं । स्वयंवर सभा में भगवान राम के शिव धनुष तोड़ते ही, समूचा माहौल श्री राम के जयकारों से गूंजने लगा। कार्यक्रम में धनुष यज्ञ राम लीला कमेटी अध्यक्ष ग्राम प्रधान निशा देवी की उपस्थिति में ब्लॉक प्रमुख जेपी सिंह ने कलाकारों को आशीर्वचन दिया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष रामकिशोर चौरसिया, उपाध्यक्ष मोहम्मद शरीफ, उदयभान सिंह, सहित भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

मंदिर के वार्षिकोत्सव पर हुआ कवि सम्मेलन

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : श्री हनुमान मंदिर के 44 वें वार्षिकोत्सव पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सागरमल पारीक व संचालन राम किशोर तिवारी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा संयोजक गौरव वर्मा व आरएसएस के जिला प्रचारक अजय कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कार्यवाह भूपेंद्र कुमार मौजूद रहे। कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कवि सम्मेलन का प्रारम्भ देशराज मधुसूदन ने मां सरस्वती की वाणी वन्दना से किया।

पति की हत्या में पत्नी व उसके प्रेमी को आजीवन कारावास

श्रावस्ती, अमृत विचार : परशुरामपुर के मजरा अवधूत नगर निवासी आत्माराम यादव की छह वर्ष पूर्व गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में जिला जज राकेश धर दुबे ने गुरुवार दोषी मृतक की पत्नी व उसके प्रेमी को आजीवन कारावास व दस-दस हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी केपी सिंह ने बताया कि भिनगा के परशुरामपुर के मजरा अवधूत नगर निवासी आत्माराम यादव की छह वर्ष पूर्व हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी सुखपता यादव व उसके प्रेमी गांव निवासी बाबूराम यादव पुत्र वंशराज यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बाद में आरोपी जमानत पर छूटे थे। इस मामले की सुनवाई जिला जज न्यायालय पर हुई। गवाहों के बयान व मिले साक्ष्य के आधार पर गुरुवार को जिला जज ने दोषी पत्नी सुखपता व उसके प्रेमी बाबूराम यादव को आजीवन कारावास व दस-दस हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

सिटी डायरी

मल्हीपुर क्षेत्र में नेपाल सीमा पर गश्त करते पुलिस व एसएसबी के जवान।

पुलिस ने एसएसबी संग सीमा पर की गश्त

श्रावस्ती, अमृत विचार : इंडो-नेपाल बॉर्डर पर एएसपी मुकेश चंद्र उत्तम ने मल्हीपुर पुलिस व एसएसबी के साथ सीमा पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान सीमा क्षेत्र के थानों को हाई अलर्ट पर रहते हुए सघन चेकिंग व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। एएसपी ने नेपाल सीमा से सटे रामपुर, डिलवा तिकोनी मोड़, ककरदरी गांव का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों को सतर्क रहकर रात्रि ड्यूटी करने तथा संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग को निर्देशित किया।

छात्राओं को सुरक्षा का टिप्स देती पुलिसकर्मी। अमृत विचार

मिशन शक्ति : छात्राओं को सुरक्षा और स्वावलंबन के दिये गये टिप्स

श्रावस्ती, अमृत विचार : बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस जन-जागरूकता अभियान चला रही है। इसी के तहत मिशन शक्ति टीम व शक्ति मोबाइल टीम ने स्कूलों में बालिकाओं व छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सहायता तंत्रों सहित सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्हें हेल्पलाइन नंबरों व मिशन शक्ति केंद्रों से जोड़ने, कम्युनिटी बेस्ड पुलिसिंग को सशक्त कर सुरक्षित व विश्वसनीय वातावरण तैयार करने, साइबर अपराध, यौन उत्पीड़न व घरेलू हिंसा की जानकारी दी। साथ ही बालिकाओं को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया।

छात्राओं को संबोधित करतीं सरिता मिश्रा। अमृत विचार

आयोजित हुआ स्वावलंबन कैंप

श्रावस्ती, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान के तहत गुरुवार को कंपोजिट विद्यालय सिसवा में स्वावलंबन कैंप व बाल विवाह रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन स्टाफ की जिला मिशन समन्वयक सरिता मिश्रा ने बाल विवाह की रोकथाम के बारे में बालक व बालिकाओं सहित शिक्षिकाओं को जागरूक किया। वहीं जेंडर स्पेशलिस्ट कुसुम श्रीवास्तव ने विभागीय योजना कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना के बारे में बताया। देहात संस्था से हंसराम ने हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दी। इस दौरान शिक्षिका अतिया परवीन, जगदीश प्रसाद आदि मौजूद रहे।

सम्मेलन में व्यापारी हितों पर चर्चा

श्रावस्ती, अमृत विचार: भिनगा स्थित नंदनी मैरेज हाल में उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारी महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें व्यापारी हितों व सरकार के सहयोग पर चर्चा हुई।

महासम्मेलन में मुख्य अतिथि व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के चेयरमैन सुनील सिंघी, विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्र व व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय सदस्य सुनील पांडेय रहे। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दीनानाथ गुप्ता, संरक्षक हरिमोहन गुप्ता व नगर अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता की अगुवाई में अतिथियों का स्वागत किया। नंदनी मैरिज हाल में सम्मेलन का शुभारम्भ किया गया। सुनील सिंघी ने कहा कि भारत सरकार व्यापारियों के हर सहयोग के लिए तैयार है। जिलाध्यक्ष ने उन्हें श्रावस्ती में रेल लाइन न होने, रोडवेज बस डिपो की कमी व उद्योग न होने की जानकारी दी। चेयरमैन ने सभी समस्या का समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर जिला संरक्षक पंकज मिश्रा, मोहम्मद रिजवान, आनंद वाल्मीकि, शिव कुमार गुप्ता, राजेश रस्तोगी, सूफी सगीर अहमद, सत्य प्रकाश आर्य, जिला मिडिया प्रभारी संदीप कसौधन, रमेश गुप्ता आदि थे।

भिनगा में आयोजित व्यापारी सम्मेलन में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

घर के बगल में पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार : गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम तिलकपुर निवासिनी एक किशोरी का शव गुरुवार सुबह घर के बगल लगे आम के पेड़ से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना पर पहुंची गिलौला पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है।

तिलकपुर गांव निवासी अर्चना प्रजापति (17) पुत्री सत्यदेव प्रजापति बुधवार रात खाना खाकर अपनी मां के साथ घर में सोई थी। वहीं सत्यदेव अपने दो अन्य रिश्तेदारों के साथ घर के बाहर बरामदे में सो रहे थे। सुबह जब मां जगी तो अर्चना को बिस्तर पर न देख उसकी तलाश करने लगी। इस दौरान पिता ने देखा कि अर्चना का शव घर के पास लगे आम के पेड़ की डाल में दुपट्टे के सहारे लटक रहा है। घटना की सूचना परिवार के लोगों ने गिलौला पुलिस को दी। फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंची गिलौला पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया। बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा भराकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। थानाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया के परिजनों के अनुसार अर्चना अवसाद में रहती थी।

निर्देश

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की जिला समिति की बैठक

कृषि निदेशालय भेजें विभागों के प्रस्ताव : डीएम

संवाददाता, श्रावस्ती

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते डीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने की। बैठक में उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी ने कृषि संबंधी आंकड़े, मृदा स्वास्थ्य तथा प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की जिले में आवश्यकता पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

इस दौरान डीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों से विभागवार योजनाओं पर चर्चा कर निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपनी छह वर्षीय कार्ययोजना निर्धारित प्रारूप में तैयार कर एक दिन में उप कृषि निदेशक को हार्ड व सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराए। उन्होंने उप कृषि निदेशक को निर्देश दिया कि सभी विभागों से प्राप्त प्रस्तावों को संकलित कर योजना को अंतिम रूप देने के बाद पूरे प्रस्ताव कृषि निदेशालय को भेजें। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का प्रभाव तभी दिखेगा जब सभी विभाग समयबद्ध व समन्वित रूप से कार्य करेंगे। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों को नवीन सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इससे उत्पादकता बढ़ने के साथ ही किसानों की आय में वृद्धि होगी। बैठक में सीडीओ शाहिद अहमद, डीडीओ राममसमुझ, एलडीएम जुगल किशोर, डीसी एनआरएलएम सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक मौजूद रहे।

एसपी ने इकौना थाने का किया निरीक्षण

श्रावस्ती, अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने बुधवार देर शाम इकौना थाने का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र, थाना परिसर, हवालात, कार्यालय व मेस की सफाई, सुरक्षा व्यवस्था व आमजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की।

साथ ही मिली कमियों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। वहीं अभिलेख, विवेचना रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, मिशन शक्ति रजिस्टर व अन्य सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों का निरीक्षण कर व्यवस्थित ढंग से रखने का निर्देश दिया।

ग्राम सचिवालय चहलवा में मौजूद देवरिया जिले से आई टीम। अमृत विचार

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की दी जानकारी

श्रावस्ती, अमृत विचार : देवरिया से आए 34 सदस्यीय दल ने हरिहरपुर रानी विकास क्षेत्र के चहलवा गांव में निर्मित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट के संचालन की जानकारी ली। इस दौरान प्रभारी सीडीओ रामसमुझ व डीपीआरओ नन्दलाल ने प्रतिभागियों को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट के संचालन व रखरखाव की जानकारी दी। स्वच्छ भारत ग्रामीण के जिला समन्वय राजकुमार त्रिपाठी मौजूद रहे।

व्यक्ति अपने विचारों के सिवा कुछ नहीं है। वह जो सोचता है, वह बन जाता है।
–महात्मा गांधी, राष्ट्रपिता

निर्णय से नकार तक

संचार साथी ऐप को अचानक वापस लेने का निर्णय कई राजनीतिक, तकनीकी और सामाजिक प्रश्न उठाता है। सरकार ने इससे पहले इसे मोबाइल फ़ोन में अनिवार्य रूप से शामिल कराने की कोशिश की, चाहे उपभोक्ताओं के माध्यम से या हैंडसेट कंपनियों के जरिए, लेकिन दबाव बढ़ते ही इसे वापस लेना बताता है कि सरकार विपक्ष के आरोपों से ज्यादा सार्वजनिक स्वीकार्यता को लेकर असहज हो गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विश्व की कोई भी सरकार इस तरह के ऐप को प्री-इंस्टॉल करने की बाध्यता नहीं बनाती, तो भारत को इतनी गहन चिंता क्यों हुई?

साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड और मोबाइल चोरी की समस्या महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन इन्हें हल करने के लिए दुनिया भर में स्वैच्छिक उपकरण अपनाए जाते हैं, न कि बाध्यकारी ऐप। सरकार यह समझा न सकी कि यह कदम जनहित में है, न ही यह कि बाध्यकारी इंस्टॉलेशन नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य क्यों है। यदि सरकार समय रहते ऐप की तकनीकी संरचना, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल और निजता-संरक्षण की गारंटी जनता के साथ साझा करती, तो शायद स्थिति अलग होती। पारदर्शिता की इस कमी ने जनता में संदेह बढ़ाया कि कहीं यह निगरानी उपकरण तो नहीं। विपक्ष ने इसी बिंदु को पकड़ा और जासूसी के आरोपों को उछाला। सरकार ने इससे पहले भी कई बार अपने फैसलों पर यू-टर्न लिया है। नीति-निर्माण में लचीलेपन को लोकतांत्रिक गुण माना जा सकता है, लेकिन बार-बार हुई पीछे हटने की घटनाएं यह संकेत भी देती हैं कि फैसले पर्याप्त विचार-विमर्श के बिना लिए जा रहे हैं। यदि नीति निर्माण पर सवाल खड़े होने लगें, तो लंबे समय में इससे सरकार की विश्वसनीयता पर दुष्प्रभाव पड़ता है। यह निर्णय पूरी तरह नकारात्मक प्रभाव डालेगा यह कहना गलत होगा। इससे यह संदेश गया कि सरकार विपक्ष और जनता की आवाज़ पर कान देती है, तो सरकार के प्रति जनविश्वास बढ़ सकता है। लगेगा कि सरकार प्राइवेसी संबंधी चिंताओं पर संवेदनशील है और निर्णयों को एकतरफा नहीं थोपती। प्रश्न यह भी उठता है कि जब ऐप को लेकर शुरुआती जनता का रुझान अच्छा था और लोग स्वेच्छा से इसे डाउनलोड कर रहे थे, तो प्री-इंस्टॉल अनिवार्यता की आवश्यकता क्यों पड़ी? यह सरकार की नीति-निर्माण शैली में निहित एक असंगति को उजागर करता है। अगर लोग इसे अपना ही रहे थे, तो उन्हें मजबूर करने की आवश्यकता क्यों? यह कदम उल्टा अविश्वास पैदा करता है, न कि सुरक्षा।

इस निर्णय से सरकार को लाभ यह हो सकता है कि वह इसे 'जनभावना का सम्मान' बताते हुए सकारात्मक कहानी गढ़ सके। सरकार यह कह सकती है कि उसका उद्देश्य सुरक्षा था, निगरानी नहीं और वह नागरिकों की प्राइवेसी को सर्वोपरि मानती है। इसके साथ ही वह यह भी साबित करना चाहेगी कि वह लोकतांत्रिक आलोचना को स्वीकार करती है, लेकिन नीति-निर्माण का मूल पाठ है कि पारदर्शिता और विश्वास किसी भी लोकतांत्रिक शासन की नींव हैं। संचार साथी ऐप प्रकरण ने सरकार को यह सिखा दिया होगा कि तकनीकी समाधान जितने उपयोगी होते हैं, उतने ही संवेदनशील भी और जनस्वीकृति के बिना कोई भी डिजिटल नीति आगे नहीं बढ़ सकती।

प्रसंगवश

सीरिया में मिलीं तीन हजार बरस पुरानी ऋग्वेद रेखाएं

भारतीय वैदिक संस्कृतियों ने न सिर्फ दुनिया को एक सूत्र में पिरोया है, बल्कि 'ऋग्वेद' विधाओं के जरिए 'वसुधेव कुटुंबकम्' का नारा भी समूचे संसार में बुलंद हुआ। हाल में पुरातत्व गाथाओं के अध्ययन में एक बात सिद्ध हुई है कि सीरिया में आज से तीन हजार साल पहले भारतीय वैदिक संस्कृति 'ऋग्वेद' की ऋचाएं उकेरी गई थीं। संगीत की धुनों का आगाज तभी से हुआ था। पता ये भी चला है कि सीरियाई सीमाएं अखंड भारत का हिस्सा थीं। ऋग्वेद की ऋचाए वैदिक अध्याय की सबसे पुरानी हैं, जिसके शुरूआती निशान सीरिया से जुड़े पाए जाते हैं, यानी उनका उद्गम वहीं से हुआ। पिछले दिनों इसको लेकर एक संयुक्त शोध हुआ।

शोध में सीरियाई शहर 'लाम्चू' के 'उगारित' प्रांत में मिले भजनों के प्राचीन ग्रंथ 'हिम्न टू निकल' में कई समानताएं भारतीय संगीत और परंपराओं में पाई गईं। इससे तय होता है कि हमारी पारंपरिक वैदिक संस्कृति शताब्दियों से समूची दुनिया को भाईचारे, सभ्यता, मानवता, एकजुटता और संगीत का पाठ पढ़ाती-सुनाती आई हैं। ये खोज यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ता व प्रसिद्ध प्रोफेसर डैन सी बासियू द्वारा की गई है। बासियू ने कंप्यूटर टूल्स की सहायता से ग्रंथों के रिद्म और मेलोडी के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करके ये बात जानी। सीरिया के उगारित प्रांत की गुफाओं में पट्टिका पर उकेरे गए भजन में आज भी बाकायदा ऋग्वेद की श्रृंखलाओं की कड़ियां मौजूद हैं। उनका जब उन्होंने मिलान किया, तो आपस में समानताएं मिली।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

'मित्तानी साम्राज्य और संगीत यात्रा' के अध्ययन पर भी कई मर्तबा विभिन्न देशों में शोध हुआ, उनमें भी हर दफे ऐसी ही समानताएं मिलीं थीं। भारत और पश्चिमी सभ्यताओं के बीच सदैव सांस्कृतिक पुल रहा। ये बात अलग है कि अब दोनों की सभ्यताएं भिन्न-भिन्न हो गई हैं। पश्चिमी सभ्यता ने मॉर्डन युग को पूरी तरह से अपना लिया है, पर, भारत आधुनिक होते हुए भी, अपनी मूल जड़ों से नहीं कटा, आज भी जुड़ा है। संगीत-सभ्यता की ताकत को कोई कमतर नहीं आंक सकता, क्योंकि संगीत प्राचीन सभ्यताओं को जोड़ने वाली असली वैश्विक भाषा रही है। भले ही, एक इंसान दूसरे इंसान की जुबान न समझ पाए, पर संगीत की धुन एक-दूसरे को आसानी से समझ आती है। संगीत ऋग्वेद की ही देन है और ऋग्वेद भारत की।

'ऋग्वेद' से जुड़ी इस रिसर्च में जो तथ्य निकले हैं, उनको लेकर शोधकर्ता बासियू ने कहा है कि यही धुनें और पैटर्न यूनानी कवयित्री सैफो की कविताओं और जर्मन कवि फ्रेडरिक होल्डरलिन की रचनाओं में भी दिखती हैं। दोनों महान रचनाधर्मियों की कविताओं में 'ऋग्वेद' की झलक है। उन्होंने विश्व से आह्वान किया है कि संगीत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। शोध में ये भी पुष्टि हुई कि विभिन्न देशों के संगीत विधा में भी ऋग्वेद का पैटर्न मिलता है। ये मेल निश्चित रूप से दुर्लभ है, इसलिए कह सकते हैं कि संगीत का जन्म 'ऋग्वेद' से ही हुआ, हालांकि ये बात भारतीय इतिहासकार सदियों से कहते आए हैं कि भजन की धुनें 'ऋग्वेद' से ही फूटी हैं।

ऋग्वेद, जिसका मूल अर्थ है स्तुति का ज्ञान, इसीलिए हिंदू धर्म में इसे चार सबसे पुराने और पवित्र वेदों में गिना गया है। यह संस्कृत श्लोकों का एक संग्रह है, जो देवताओं की स्तुति करता है। सीरिया से इस ग्रंथ की जड़ें जुड़ना बताता है कि भारतीय संस्कृति के तत्व पहले कहां-कहां मौजूद थे।

संचार साथी ऐप पर फैसला बदलने की मजबूरी

विवेक सक्सेना
अयोध्या

साइबर अपराधों की बढ़ती जटिलता, 'डिजिटल अरेस्ट' से लेकर गुमनाम व बड़े पैमाने पर घपलों, आम जनता के साथ आए दिन ठगी आदि के तमाम ऐसे मामले हैं, जिसमें साइबर अपराधियों ने सुरक्षा खामी का भरपूर फायदा उठाया है। फर्जी या छेड़छाड़ किए हुए आईएमईआई नंबरों के धड़ल्ले से इस्तेमाल ने भी कानून और प्रवर्तन एजेंसियों के लिए अपराधियों को खोज निकालना लगभग नामुमकिन बना दिया है। साइबर अपराध पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई। ऐसे में सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर संबंधी इन कमजोरियों के निवारण के लिए उठाए गए कदम पर राजनीति चिंतनीय है। हालांकि, दुनियाभर में किसी भी देश ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप को पहले से लगाना अनिवार्य नहीं किया है। एकमात्र अपवाद रूस को छोड़कर, जिसने सरकारी संदेश सेवा 'मैक्स' को सभी फोन और टैबलेट में इंस्टॉल करना अनिवार्य किया है। सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य किया और फिर विवाद होने के बाद आदेश वापस भी ले लिया।

सरकार का कहना है कि इस ऐप के जरिये डिजिटल स्कैम, फर्जी कॉल और दूसरी धोखाधड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन इसके साथ ही निजता के उल्लंघन की चिंता भी खड़ी होती है। कहीं यह ऐप यूजर्स के निजी जीवन में ताकझांक तो नहीं करेगा? इससे लोगों की निजता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। डेटा की सुरक्षा और उसके बेजा इस्तेमाल को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना है। चौतरफा विरोध के बाद केंद्र ने भले साफ किया हो कि इस ऐप को अपने फोन में रखना या डिलीट करना यूजर की मर्जी पर निर्भर करता है, लेकिन इससे चिंता का समाधान नहीं होता।

सरकार ने हाल में साइबर सिक्यॉरिटी से जुड़े दो आदेश दिए हैं। 28 नवंबर को 'सिम बाइंडिंग' का निर्देश दिया। व्हाट्सऐप, टेलिग्राम जैसे सभी कम्युनिकेशन से कहा कि वे अपनी सर्विस को सिम कार्ड से जोड़कर रखें। मतलब कि ये ऐप तभी चलें, जब मोबाइल में सिम लगा हो। टेलिकम्युनिकेशन कंपनियों ने इस फैसले का स्वागत किया। इसी बीच पहली दिसंबर को स्मार्टफोन निर्माताओं को मार्च 2026 तक सभी नये यंत्रों (डिवाइस) में डिवाइस ऑथेंटिसिटी के सत्यापन के लिए संचार साथी ऐप इंस्टॉल करना अनिवार्य करने के आदेश दे दिये। निर्देश में साफ कहा गया कि ये ऐप 'पहली बार इस्तेमाल या डिवाइस सेटअप के समय अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए आसानी से नजर आने वाला और सुगम पहुंच वाला हो तथा इसकी कार्यशीलताओं को अक्षम या सीमित नहीं किया जा सके', जिसका मतलब यह हुआ कि इस ऐप को फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के भीतर उच्च सुरक्षा मंजूरी दी जाएगी।

निजता पर संभावित खतरे मुख्य रूप से इसके द्वारा मांगी जा रही अत्यधिक अनुमतियों से जुड़े हैं। ऐप कैमरा, एसएमएस, फोन कॉल्स, डिवाइस आईडी, फोटो-मीडिया फाइल और स्टोरेज तक पहुंच मांगता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा की सुरक्षा को लेकर चिंता होती है। लोग मानते हैं कि इससे उनकी निजी जानकारियां सरकार या अन्य एजेंसियों द्वारा ट्रैक की जा सकती हैं, जिससे निगरानी और जासूसी का खतरा बनता है। राज्य निगरानी (स्टेट सर्विलांस) के लिए इस ऐप के दुरुपयोग और सुरक्षा से समझौते के बाद किसी बदनीयत व्यक्ति या संगठन द्वारा करोड़ों उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाए जाने की आशंका मौजूद है।

पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के साथ जो हुआ है, उसे देखते हुए यह डर बेबुनियाद भी नहीं है। हालांकि संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में कहा कि यह ऐप पूरी तरह स्वैच्छिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा है। यूजर्स चाहें तो ऐप को सक्रिय कर इसका लाभ ले सकते हैं और न चाहें तो वे किसी भी समय इसे अपने फोन से आसानी से डिलीट कर सकते हैं। ऐप के पक्ष में कहा जा सकता है कि यह फोन की असलियत जांचने, धोखाधड़ी रिपोर्ट करने, मोबाइल ब्लॉक करने और खोए हुए फोन का पता लगाने में मदद करता है। यह ऐप आईएमईआई नंबर की जांच करता है और यूजर्स को फर्जी कनेक्शनों की जानकारी देने में सहायक है। इसके जरिए फर्जी कॉल या धोखाधड़ी को रोका जा सकता है।

सरकार का तर्क है कि अब तक 1.5 करोड़ लोगों ने ऐप को डाउनलोड किया है। विरोध के बीच एक दिन में ही छह लाख लोगों ने ऐप को डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया। इस ऐप से चोरी हुए 26 लाख हैंडसेट का पता लगाया गया और 41 लाख मोबाइल ब्लॉक हो चुके हैं। वहीं मुख्य आलोचना यह है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य रूप से मोबाइल में इंस्टॉल करने को निगरानी और जासूसी बताया जा रहा है। विपक्षी पार्टियों द्वारा इसे नागरिकों की निजता पर बड़ा खतरा बताते हुए इस ऐप को असंवैधानिक करार दिया गया है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह ऐप लोगों की निजी जानकारी पर नजर रखने का साधन बन सकता है।

कांग्रेस ने भाजपा को 'भारतीय जासूस पार्टी' होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि ये ऐप लोगों के घरों में घुसने का षडयंत्र है। डिवाइस के सच्चेपन के सत्यापन के लिए सरकार के पास पहले ही कम घुसपैठ वाले साधन मौजूद हैं। संचार साथी वेब पोर्टल, एसएमएस-आधारित परीक्षण और यूएसएसडी कोड पर्याप्त होने चाहिए। कम घुसपैठ वाले विकल्पों की अनदेखी करके, संचार साथी पर जारी निर्देश आनुपातिकता संबंधी मानक को धता बताते हैं। इस ऐप की उपयोगिता और सुरक्षा तत्त्वों को देखते हुए यह माना जा सकता है कि यह ऐप फर्जीवाड़े और चोरी के खिलाफ एक सक्षम उपकरण साबित हो सकता है, हालांकि नागरिक गोपनीयता के अधिकार का सम्मान करते हुए उसकी पारदर्शिता और यूजर नियंत्रण के पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य किया और फिर विवाद होने के बाद आदेश वापस भी ले लिया। ये पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल भी खड़े करता है।

आमने

स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिए सरकारी धन का उपयोग करना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसे रोक दिया। मोदी सरकार ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर पटेल को सम्मान दिया।
–राजनाथ सिंह
केंद्रीय रक्षा मंत्री

सामने

सरकार रोज कोई नया विवाद खड़ा करती है, ताकि जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाया जा सके। यह बयान उसी भटकाव की राजनीति का हिस्सा है। यह सब असली मुद्दों जैसे प्रदूषण, बेरोजगारी से ध्यान भटकाने की साजिश है।
–प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

पीएमओ, राजभवनों के नाम बदलने के निहितार्थ

प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद्

अक्सर कहा जाता है कि नाम में क्या रखा है? लेकिन भारतीय संस्कृति इस प्रश्न का सीधा उत्तर देती है कि नाम में ही सब कुछ रखा है। हमारे यहां 'यथा नाम तथा गुण' की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितनी हमारी सभ्यता। जब हम 'राम' का नाम लेते हैं, तो हमारे भीतर स्वतः शांति, करुणा और मर्यादा का भाव जाग उठता है। 'कृष्ण' का नाम लेते ही मन में प्रेम और मधुरता की अनुभूति होती है। हमारी मान्यताओं के अनुसार नाम एक ध्वनि है, ऊर्जा है, पहचान है और दिशा है, इसीलिए हमारे समाज में नाम केवल किसी की पहचान ही नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व और नेतृत्व का वाहक है।

मौजूदा दौर में जब दुनिया के अनेक देशों में मूल्यहीनता, आपसी संघर्षों, तानाशाही और सत्ता केंद्रित शासन का बोलबाला है, तब मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम 'सेवा तीर्थ', राजभवनों का नाम 'लोक भवन' और केंद्रीय सचिवालय का नाम 'कर्तव्य भवन' करके एक गहरी सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया है। यह केवल बोर्ड बदलने अथवा दीवारों पर नई पट्टिका लगाने का कदम भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे शासन की आत्मा बदलने वाले सांकेतिक, दार्शनिक और वैचारिक बदलाव की भावना निहित है। पीएम नरेंद्र मोदी बार-बार कहते रहे हैं कि वे प्रधान सेवक हैं और उनका कार्य सत्ता का प्रदर्शन नहीं बल्कि सेवा की साधना है।

उनके इसी मनोभाव के अनुरूप प्रधानमंत्री कार्यालय को अब सेवा तीर्थ कहा जाएगा। हमारे यहां तीर्थ शब्द का बड़ा महत्व है। तीर्थ शब्द पवित्रता, तप, श्रद्धा और जन कल्याण के भाव को व्यक्त करता है। हम तीर्थ उन स्थानों को कहते हैं, जहां लोग समाधान, शांति और आशा की उम्मीद लेकर जाते हैं। मोदी सरकार ने पीएमओ को तीर्थ कहकर यह संदेश दिया है कि वहां सत्ता संचालन नहीं, सेवा का कार्य होगा। राज भवनों का नाम बदलकर लोक भवन करना एक क्रांतिकारी कदम है। 'राज' शब्द में हमेशा एक दूरी, एक अधिकार और सत्ता भाव का अहसास जन मानस को होता रहा है, लेकिन 'लोक' शब्द में अपनापन, भागीदारी और साझेदारी का भाव समाया हुआ है। केंद्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन रखने के पीछे नौकरशाही में सेवा भाव और कर्तव्य बोध का संचार करने का भाव निहित है। दशकों से इसे अधिकार, फाइलों की गति, निर्णयों की शक्ति और नौकरशाही की ताकत का प्रतीक माना जाता रहा है, लेकिन अब जब इसका नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है, तो अब प्रत्येक अधिकारी को हर घड़ी स्मरण रहेगा कि शासन का आधार अधिकार नहीं, कर्तव्य है।

दो दिन पहले तक जब हम प्रधानमंत्री कार्यालय सुनते थे तो मन में एक विशाल, अधिकार प्रदर्शित करने वाली इमारत का भाव आता था, लेकिन सेवा तीर्थ नाम सुनते ही मन में एक अलग ही पवित्रता, जनता से जुड़ाव और विनम्रता का भाव उमड़ने लगा है। यही इस नामकरण का वास्तविक निहितार्थ है। राज कपूर की फिल्म का मशहूर गीत हर किसी को याद है- मेरा जूता है जापानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। नाम के साथ पहचान का रिश्ता कैसा गहरा होता है, इस गीत से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। जापानी शब्द जापान की आत्मा से जोड़ देता है, रूसी शब्द रूस से और हिंदुस्तानी दिल की धड़कन बना रहता है। यानी नाम हमेशा भाव जगाते हैं, भाव संस्कृति गढ़ते हैं और संस्कृति राष्ट्र का चरित्र तय करती है।

मोदी सरकार ने सिर्फ नाम ही नहीं बदले हैं, बल्कि संदेश दे दिया है कि अब सत्ता जनता के पास लौट रही है। राजभवन अब उस पुराने औपनिवेशिक प्रतीक जैसे नहीं रहेंगे, जहां जनता दूर खड़ी ताकती रहे। मेरे विचार में भविष्य में यह भी संभव है कि प्रधानमंत्री कार्यालय और राजभवनों तक जनता की सहज पहुंच और बढ़े, क्योंकि मोदी सरकार का संकल्प ही जनता का शासन, जनता के लिए शासन और जनता के बीच रहकर शासन है।

देश में यह पहला अवसर है, जब कोई सरकार हर मोर्चे पर कर्तव्य-पथ, अमृत काल और सेवा जैसे शब्दों को अपने कामकाज की आधारशिला बनाकर काम कर रही है। ऐसे में अब कर्तव्य भवन केवल नाम नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय मनोवृत्ति का निर्माण करने वाला है। यह नाम एक ऐसी भावना को बढ़ाएगा जो नौकरशाही को अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और नैतिक बनाएगी। यह नामकरण भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का महत्वपूर्ण अध्याय है। हम सब जानते हैं कि मोदी सरकार ने पहले भी कई औपनिवेशिक, विदेशी आक्रांताओं के नाम वाले और अप्रासंगिक नामों को बदलकर भारतीयता से जुड़े नाम स्थापित किए हैं। राजपथ को कर्तव्य पथ बनाना और मुगल गार्डन को अमृत उद्यान बनाना इसके बड़े उदाहरण हैं।

विपक्षी दल आलोचना कर रहे हैं। वह सवाल उठा रहे हैं कि यह सब करके सरकार करना क्या चाह रही है? सरकार का इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है, बल्कि सरकार का उद्देश्य तो स्पष्ट है। सरकार भारतीय संस्कृति को उसका खोया हुआ गौरव लौटाने के लिए हर काम करना चाहती है। कुछ लोगों को नाम बदलने का यह अभियान प्रतीकात्मक लग सकता है, मगर अभियान यह भारतीय आत्मा, भारतीय विचार और भारतीय मूल्यों की पुनः स्थापना है।

पीएमओ, राजभवनों और केंद्रीय सचिवालय के नाम परिवर्तन के साथ ही भारत एक नए दौर में प्रवेश कर गया है, जहां शासन सेवा का प्रतीक बनेगा।

सोशल फोरम

आस्ट्रेलियाई कवि मारिया रिल्के के नाम एक पत्र

प्रिय रेनर मारिया रिल्के,

दरअस्ल, यह पत्र आपको कल लिखा था, दिसंबर की ठंड से ठिठुरते हुए, दिसंबर की शुरुआत के पहले दिन के उन अंधेरे क्षणों में, जब कुछ ही देर में रोज़ की तरह रात, अपनी पारी पूरी कर जाने की तैयारी कर रही थी। कदाचित, इस दुनिया से आपके जाने का भी यही दिन था। शायद यही समय भी।

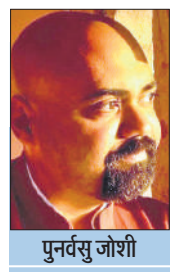

पुनर्वसु जोशी
ब्लॉगर

आपकी और मेरी सदी के बीच एक बड़े अंतर के बावजूद, मैं आपको यह ख़त उसी तरह भेज रहा हूं, जिस तरह कोई याचक अपनी प्रार्थनाओं को हर्फों में निथार कर, अपने इष्ट की मूर्ति के सामने चुपचाप रख आता है। भीतर यह उम्मीद लिए कि इष्ट की पाषाण प्रतिमा भले ही बोलेगी नहीं, पर व्यथा को सुन तो लेगी।

आपने एक बार लिखा था, सब कुछ मनन है और हमें सवालों के साथ तब तक जीना सीख लेना चाहिए, जब तक उनके जवाब, ऋतुओं की तरह ख़ुद-ब-ख़ुद हमारे सामने खुलने न लग जाएं। श्रीमान फ्रान्ज़ को लिखे आपके वे ख़त, एक आत्मीय ईमानदारी के साथ आज भी हमारे साथ मौजूद हैं। एकांत की याद दिलाते हुए, हमें हमारे अपने भीतर जाने का आग्रह करते हुए, लेकिन, कहीं न कहीं, आपके उन खतों को लिखने और मेरे इस जवाब को लिखने के बीच के समय में दुनिया बहुत ज़्यादा बदल गई है, रेनर। अब हवा में एक अजीब तरह की बैचेनी है और दुनिया की धड़कन में एक अजीब तरह की तेज़ी।

आप यह जान कर हैरान होंगे, रेनर! कि आज की इस दुनिया में, बिना अकेलापन महसूस किये एकांत में रहना कितना मुश्किल है। कहने को तो एकांत एक क्लिक से मिल सकता है, लकिन वह सच्चा एकांत, जैसा आप अपनी चिठ्ठियों में लिखा करते थे, वह एकांत जो आत्मा को विस्तार देता था, अब पहले से कहीं ज़्यादा दुर्लभ है। अब हम पहले से भी ज़्यादा आसानी से ख़ुद से पलायन करते हैं और पलायन के तरीके हमेशा हमारे मुट्ठी में ही रहते हैं।

और प्रेम की तो क्या ही कहूं, रेनर। क्या ही कहूं। प्रेम जो आपके लिए एक लम्बा चलने वाला शिष्यत्व था, एक ऐसा अनुभव जहां दो एकांत, एक दूसरे को बचाते हुए, एक दूसरे का अभिवादन करते हुए, एक दूसरे के इर्द-गिर्द रहते हैं, वैसा प्रेम लुप्त हो गया है।

शेष शुभ!

सादर, एक यायावर जो सतत आपके बताए एकांत की खोज में है।

सामयिकी

स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में जीते पहाड़ के गांव

उत्तराखंड के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रो में बसे गांवों का दृश्यमान सौंदर्य किसी चित्र की तरह मन मोह लेता है, परंतु इन पहाड़ियों के भीतर एक ऐसी सच्चाई छिपी है, जिसे देखना जितना ज़रूरी है उतना ही कष्टकारी भी। यहां के तमाम गांव आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा के इंतजार में है। गांव में न अस्पताल हैं न ही कोई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जबकि स्वास्थ्य सुविधा किसी भी समाज की पहली आवश्यकता होती है।

देश की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का जीवन ग्रामीण क्षेत्रों में व्यतीत होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ प्रतिशत महिलाएं और चालीस प्रतिशत किशोरियां समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं करा पातीं। पर्वतीय जिलों के लिए यह प्रतिशत और भी चिंताजनक हो जाता है, जहां दूरी और परिवहन की कमी स्वास्थ्य सेवा को और कठिन बना देती है।

निशा आर्य
एक्टिविस्ट

गांव की युवा पीढ़ी इस स्थिति को गहराई से महसूस करती है, हालांकि यह समस्या केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। किसी भी समाज में बुजुर्गों के लिए उपचार सबसे सहज उपलब्ध होना चाहिए, क्योंकि उन्हें सबसे अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। गांवों के कई परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर होते हैं। रोज मजदूरी करने वाले परिवारों के लिए इलाज का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधा की अनुपलब्धता के कारण कई बार लोग घरेलू उपचार पर निर्भर हो जाते हैं, या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं। इससे स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य सुविधा केवल बीमार होने पर दवा तक सीमित नहीं होती, इसमें जागरूकता, रोकथाम, समय पर जांच और उचित सलाह शामिल होती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी महत्वपूर्ण होता है। कई रिपोर्ट बताती हैं कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच नहीं मिल पाती, जिससे प्रसव संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लगभग पैंतीस प्रतिशत घरों के पास स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में आधे घंटे से अधिक समय लगता है। पर्वतीय क्षेत्रों में यह दूरी और समय कहीं अधिक बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षित मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र की उपलब्धता अनिवार्य है।

सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई गई हैं, जिनका उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। परंतु योजनाओं का लाभ तभी मिलता है, जब वे सही ढंग से लागू हों। कागजों में दर्ज योजनाएं गांव के जीवन में बदलाव तब ही लाती हैं, जब वे व्यवहारिक रूप से जमीन पर उतरती हैं। अब समय आ गया है कि प्रशासन इस क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को समझें और स्वास्थ्य सुविधा को प्राथमिकता दे। यह किसी प्रदर्शन की मांग नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। हर व्यक्ति को उपचार पाने का वही अधिकार होना चाहिए जो शहरों में रहने वालों को मिलता है।

गांव हमारे देश की वह तस्वीर हैं. जो अक्सर नजरों से दूर रह जाती है। प्रकृति भले ही खूबसूरत हो पर जीवन केवल सुंदर दृश्यों से नहीं चलता। जीवन चलता है सुविधा के साथ, सुरक्षा के साथ और इस विश्वास के साथ की बीमारी की स्थिति में इलाज पास ही उपलब्ध है। पहाड़ के गांवों का यह दर्द तभी कम होगा जब स्वास्थ्य सुविधा गांव तक पहुंचेगी और उनका जीवन सुरक्षित और संतुलित बन सकेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

टाइम ट्रैवल

विज्ञान, अंतरिक्ष और समय का संगम

समय मानव जीवन की सबसे रहस्यमय अवधारणा है। यह वह आयाम है, जो हर क्षण हमारे अस्तित्व को आगे बढ़ाता है, परंतु जिसे हम रोक नहीं सकते। सभ्यता की शुरुआत से ही मनुष्य यह समझने की कोशिश करता आया है कि क्या समय की गति को नियंत्रित किया जा सकता है, क्या अतीत या भविष्य में यात्रा संभव है? समय यात्रा या टाइम ट्रैवल का विचार इसी जिज्ञासा से जन्मा और आज यह कल्पना से निकलकर वैज्ञानिक शोध का गंभीर विषय बन चुका है। हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने समय और अंतरिक्ष को समझने के लिए कई नई खोजें की हैं। ऑस्ट्रिया की एकेडमी ऑफ साइंसेज और वियना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने क्वांटम स्विच प्रयोग में एक फोटॉन को उसकी प्रारंभिक अवस्था में लौटाने में सफलता पाई। यह मानवीय स्तर की समय यात्रा तो नहीं है, लेकिन यह दर्शाता है कि सूक्ष्म कणों की दुनिया में समय की दिशा बदली जा सकती है। इसी तरह, एटम इंटरफेरोमीटर का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक गुरुत्वाकर्षण के कारण होने वाले सूक्ष्म समय विस्तार को मापने की नई विधि विकसित कर रहे हैं। यह प्रयोग भविष्य में ऐसी घड़ियां बनाने का आधार बन सकता है, जो ब्रह्मांडीय स्तर पर भी समय की सटीकता को माप सकें।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

कारण और परिणाम का संतुलन

इसी साल 2025 में एक नए सिद्धांत में कोनिकल सिंगुलैरिटी वाले ब्रह्मांड की परिकल्पना की गई है, जिसमें समय एक चक्र के रूप में घूम सकता है। इस मॉडल के अनुसार यदि ब्रह्मांड की संरचना किसी स्थान पर कोन के आकार में मुड़ी हुई हो, तो वहां समय अपने आप पर लौट सकता है यानी अतीत और भविष्य आपस में जुड़ सकते हैं। एक अन्य अध्ययन ने ग्रैंडफादर पैराडॉक्स जैसी दार्शनिक उलझनों का वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि कोई प्रणाली समय चक्र से गुजरे, तो उसकी ऊर्जा और स्मृति स्वतः रीसेट हो जाती है। इस प्रकार, कारण और परिणाम का संतुलन बना रहता है और कोई विरोधाभास उत्पन्न नहीं होता। यह विचार क्वांटम संगति सिद्धांत से जुड़ा हुआ है। इसी बीच कॉस्मिक स्ट्रिंग की संरचनाओं पर भी अध्ययन चल रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि ऐसी अत्यंत घनी और पतली स्ट्रिंग्स ब्रह्मांड में मौजूद हों, तो वे अंतरिक्ष-काल को इस प्रकार मोड़ सकती हैं कि बंद काल वक्र बन जाए। इससे समय एक लूप में बदल सकता है, जिससे समय यात्रा सैद्धांतिक रूप से संभव हो जाती है।

अतीत में लौटना अभी भी रहस्य

बीसवीं सदी की शुरुआत में अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत ने समय और अंतरिक्ष की हमारी समझ को पूरी तरह बदल दिया था। इससे पहले इन्हें दो अलग-अलग इकाइयां माना जाता था, परंतु आइंस्टीन ने बताया कि ये दोनों मिलकर अंतरिक्ष-काल (स्पेस-टाइम) नामक एक चार आयामी संरचना बनाते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब कोई वस्तु बहुत तेज गति से चलती है, तो उसके लिए समय धीमा हो जाता है। यही समय विस्तार (टाइम डाइलेशन) है, जो समय यात्रा की वैज्ञानिक नींव रखता है। यह विचार केवल सैद्धांतिक नहीं है। प्रयोगों में पाया गया है कि पृथ्वी के चारों ओर उपग्रहों में लगे परमाणु घड़ियों का समय जमीन की घड़ियों से थोड़ा धीमा चलता है। यह अंतर बहुत सूक्ष्म होता है, पर सटीक गणनाओं से इसकी पुष्टि हुई है। इसका अर्थ यह है कि जो वस्तु तेजी से चल रही है, उसके लिए समय की गति सचमुच बदल जाती है। ब्लैक होल के पास यह प्रभाव और अधिक स्पष्ट होता है। वहां गुरुत्वाकर्षण इतना प्रबल होता है कि समय लगभग थम जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यदि कोई व्यक्ति ब्लैक होल के निकट कुछ मिनट बिताए और फिर पृथ्वी पर लौटे, तो यहां सैकड़ों वर्ष बीत चुके होंगे। इस प्रकार भविष्य की यात्रा सैद्धांतिक रूप से संभव है। परंतु अतीत में लौटना अब भी रहस्य है, क्योंकि भौतिकी के अधिकांश नियम समय की दिशा को उलटने की अनुमति नहीं देते। सापेक्षता सिद्धांत से ही वर्महोल की कल्पना उत्पन्न हुई, एक काल्पनिक सुरंग जो ब्रह्मांड के दो दूरस्थ बिंदुओं को जोड़ सकती है। यदि वर्महोल के दोनों सिरों पर समय की गति अलग-अलग हो, तो यह सैद्धांतिक रूप से समय में आगे पीछे जाने का मार्ग बन सकता है। हालांकि अब तक इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला है, पर वैज्ञानिक इसे गणितीय समीकरणों के माध्यम से संभव मानते हैं।

मानव पर गहरा प्रभाव

खगोलशास्त्रियों ने दूरस्थ क्वासरों के अध्ययन से यह भी पाया है कि अत्यधिक दूर स्थित ब्रह्मांडीय पिंडों की गतिविधियों में समय का प्रवाह अपेक्षा से धीमा दिखाई देता है। यह कॉस्मिक टाइम डाइलेशन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यानी जैसे-जैसे ब्रह्मांड फैल रहा है, समय स्वयं भी फैल रहा है। क्वांटम स्तर पर भी समय को लेकर नई समझ विकसित हो रही है। वैज्ञानिकों का मत है कि समय और स्थान संभवतः ब्रह्मांड के मूल तत्व नहीं, बल्कि किसी गहरे क्वांटम ढांचे से उत्पन्न गुण हैं। यदि यह सत्य है, तो समय की दिशा और प्रवाह केवल हमारी चेतना का अनुभव हो सकता है, वास्तविक नहीं। समय यात्रा का विषय दार्शनिक दृष्टि से भी उतना ही रोचक है। यदि कोई व्यक्ति अतीत में जाकर कुछ बदल दे, तो क्या वर्तमान बदल जाएगा? यह प्रश्न मानव स्वतंत्र इच्छा और नियति दोनों पर गहरा प्रभाव डालता है। स्थिर ब्रह्मांड सिद्धांत के अनुसार अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों समान रूप से अस्तित्व में हैं, हम केवल एक बिंदु से दूसरे की ओर बढ़ते हैं। इस दृष्टिकोण में समय यात्रा केवल धारणा का विस्तार है, वास्तविक गमन नहीं। विज्ञान कथाओं में यह विषय हमेशा से लोकप्रिय रहा है। एचजी वेल्स की द टाइम मशीन से लेकर इंटरस्टेलर और टेनेट जैसी फिल्मों तक, समय यात्रा ने लोगों को न केवल मनोरंजन दिया है, बल्कि विज्ञान के प्रति जिज्ञासा भी जगाई है। इंटरस्टेलर में दिखाया गया ब्लैक होल का समय विस्तार वास्तविक आइंस्टीनियन गणनाओं पर आधारित था और वैज्ञानिक रूप से सही भी माना गया। इन सभी प्रयोगों और सिद्धांतों से यह स्पष्ट है कि समय केवल एक बहती हुई नदी नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की संरचना का सक्रिय तत्व है। हम अभी उसकी सतह को ही समझ पाए हैं, पर जैसे-जैसे तकनीक और सिद्धांत आगे बढ़ रहे हैं, भविष्य में समय को समझने और नियंत्रित करने की संभावना वास्तविक होती जा रही है। कुल मिलाकर समय यात्रा अब केवल कल्पना की सीमा में सीमित नहीं रही, बल्कि आधुनिक भौतिकी की गंभीर खोज बन चुकी है। चाहे यह कभी व्यावहारिक रूप ले या नहीं, यह मानवता को यह विश्वास अवश्य दिलाती है कि ब्रह्मांड में असंभव कुछ नहीं है।

जब विज्ञान ने दिमाग को काबू करने की कोशिश की

रोचक किस्सा

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो (1915-2011) को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। हम मजाक नहीं कर रहे हैं: 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यावहारिक रूप से, उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे, एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

जंगल की दुनिया

गोल्डन लंगूर: असम-भूटान की सीमा का सुनहरा रत्न

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य असम और पड़ोसी देश भूटान की सीमा पर बसे घने, शांत और जैव-विविधता से समृद्ध जंगलों में एक अनोखा जीव पाया जाता है-गोल्डन लंगूर। अपनी चमकीली सुनहरी फर और सौम्य व्यवहार के कारण यह बंदर दुनिया की सबसे रहस्यमयी और मनमोहक प्रजातियों में गिना जाता है। हैरानी की बात यह है कि इतना सुंदर और दुर्लभ जीव वैज्ञानिकों की नजर में पहली बार 1950 में आया। उससे पहले तक स्थानीय लोग इसके बारे में जानते तो थे, लेकिन आधुनिक विज्ञान को इसकी उपस्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। गोल्डन लंगूर अपनी लंबी रेशमी पूंछ, नरम सुनहरी से लेकर क्रीम रंग तक फैली फर और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरे की वजह से तुरंत ध्यान आकर्षित करता है। ये आमतौर पर 40 से 50 कीड़ों, फलों, पत्तियों और फूलों पर निर्भर रहते हैं। इनका अधिकांश जीवन ऊंचे-ऊंचे पेड़ों पर बीतता है, जहां ये छोटे समूहों में रहते हुए शांतिपूर्वक भोजन और आश्रय खोजते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये 'एंडेमिक' प्रजाति हैं, यानी दुनिया में केवल एक सीमित क्षेत्र असम के पश्चिमी हिस्से और भूटान के दक्षिणी इलाकों में ही पाए जाते हैं। यही सीमित आवास इन्हें और भी संवेदनशील बनाता है। जंगलों का कटाव, मानव बस्तियों का फैलाव, सड़क निर्माण और कृषि गतिविधियों के कारण इनका प्राकृतिक घर लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसी वजह से गोल्डन लंगूर आज संकटग्रस्त श्रेणी में शामिल है और इनका संरक्षण बेहद आवश्यक हो गया है। सरकारों, स्थानीय समुदायों और संरक्षण संगठनों द्वारा इनके आवास को बचाने, जागरूकता बढ़ाने और वैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। गोल्डन लंगूर न केवल प्राकृतिक विरासत का अनमोल हिस्सा हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि पृथ्वी पर मौजूद हर प्रजाति कितनी कीमती है और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है। - फीचर डेस्क

तीन हजार तारों का भरापूरा परिवार सप्तऋषि तारामंडल

जानकारी

अंतरिक्ष के तारामंडलों में सर्वाधिक लोकप्रिय सप्तऋषि तारामंडल का अस्तित्व 12 .7 करोड़ साल पुराना है। सप्तऋषि तारामंडल तीन हजार तारों का भरा पूरा परिवार है। अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के वैज्ञानिकों के नए शोध में इसका खुलासा हुआ है। सप्तऋषि तारामंडल को प्लीएड्स (सेवन सिस्टर्स) भी कहा जाता है। यह तारा मंडल हिंदू पुराणों में खास स्थान रखता है, तो दुनिया में इससे अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा तारामंडल नहीं है। सप्तऋषि में सात तारों को बखूबी नग्न आंखों से देखा जा सकता है। इसके किस्से और चर्चे दुनियाभर में सदियों से मशहूर हैं। मगर नई खोज ने इस तारामंडल की गहराई में झांकने का प्रयास किया और नई जानकारियां सार्वजनिक की हैं।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

पूर्व में इस मंडल में माना जाता था कि सप्तऋषि में सात तारों के साथ एक हजार तारों का विशाल समूह है, मगर नई खोज के अनुसार इस तारा मंडल में तीन हजार तारे शामिल हैं, जो एक ही समय में और एक ही गैस के बादलों से इनका निर्माण हुआ है। यह दो हजार प्रकाशवर्ष के दायरे में फैले हुए हैं। तारों की इस अजूबी दुनिया को दूरबीन से बखूबी देखा जा सकता है। अब यह तारे एक दूसरे से बहुत दूर-दूर बिखर चुके हैं।

खोजकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि स्वच्छंद तारा समूह एक स्थान में स्थायी नहीं होते हैं। सप्तऋषि मंडल में कुछ मिलियन सालों में आकाश गंगा के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव और पास के बादलों से टक्कर के कारण तारे धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रहे हैं। यानी बिखरने लगे हैं। अगले कुछ लाखों साल बाद इसके सातों चमकीले खूबसूरत तारे अलग-अलग दिशाओं में चले जाएंगे।

सप्तऋषि मंडल का धार्मिक आध्यात्मिक व वैदिक महत्व

हिंदू धर्म और ज्योतिषशास्त्र में सप्तऋषि तारा मंडल का बहुत ऊंचा धार्मिक, आध्यात्मिक और वैदिक महत्व है और पवित्र माना जाता है। सप्तऋषि तारा मंडल को सात महान ऋषियों का आकाशीय रूप माना जाता है, जिनमें कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि व भारद्वाज शामिल हैं। ये सात ऋषि वेदों के द्रष्टा हैं और ब्रह्मज्ञान के संरक्षक माने जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अध्ययन का बड़ा केंद्र

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के तारों के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि सप्तऋषि तारामंडल खगोल वैज्ञानिकों के अध्ययन का बड़ा केंद्र है। समय-समय पर वैज्ञानिक इस पर अध्ययन करते आ रहे हैं। नया अध्ययन बेहद दिलचस्प है। इस तारामंडल की भविष्य में और कई जानकारियां निकलकर सामने आएंगी।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,265 .32	26,033 .75
बढ़त	158 .51	47 .75
प्रतिशत में	0 .19	0 .18

सोना 1,31,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,80,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

नोकिया ने एयरटेल से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। प्रमुख दूरसंचार कंपनी नोकिया ने तीसरे पक्ष के डेवलपरों को नेटवर्क क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए भारती एयरटेल के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी से नए प्रौद्योगिकी समाधान तैयार होंगे और मौद्रीकरण के नए अवसर पैदा होंगे। नोकिया ने कहा कि सफल परीक्षणों के बाद वह अपने 'नेटवर्क ऐज कोड' मंच के जरिये एयरटेल के नेटवर्क एपीआई को डेवलपरों, सिस्टम इंटीग्रेटर और विभिन्न उद्यमों के लिए ग्राहकी मॉडल पर उपलब्ध कराएगी। नेटवर्क एपीआई का मतलब ऐसे सॉफ्टवेयर इंटरफेस है जिनकी मदद से बाहरी डेवलपर किसी दूरसंचार नेटवर्क की लोकेशन सेवाएं, सुरक्षा, 5जी नेटवर्क क्षमता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी क्षमताओं को अपने ऐप, मंच या उद्यम समाधान में जोड़ सकते हैं। एयरटेल बिजनेस के सीईओ शरत सिन्हा ने इसकी जानकारी दी।

एल्केम लैब्स को 27.14 लाख का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली। दवा कंपनी एल्केम लैबोरेटरीज को उत्तराखंड जीएसटी विभाग से 27.14 लाख के जीएसटी की मांग को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कि उसे 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए देहरादून सेंट्रल जीएसटी डिवीजन से एक आदेश मिला है, जिसमें 27,79,266 रुपये के जुर्माने के साथ 27,14,603 रुपये के जीएसटी की मांग की गई है। अधिकारियों ने केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) / केंद्रीय माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी)/ एकीकृत माल एवं सेवा कर (आईजीएसटी) अधिनियम, 2017 के लागू प्रावधानों के तहत लागू ब्याज की भी मांग की है।

सुजलॉन तीन पवन चक्की करेगी स्थापित

पुडुचेरी। वीकरणीय ऊर्जा कंपनी सुजलॉन ग्रुप अपने ऑर्डर बुक के निष्पादन को तेज करने और घरेलू पवन उद्योग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तीन कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित पवन चक्की कारखानों की स्थापना करने की योजना बना रही है। कंपनी के सह-संस्थापक गिरीश तांती ने यह जानकारी दी। योजना के तहत गुजरात और कर्नाटक में दो पवन चक्की स्थापित की जाएंगी, जबकि तीसरी की जगह तय की जा रही है। सुजलॉन के पास जैसलमेर, भुज, रतलाम, धुले और अनंतपुर में पांच पवन चक्की कारखाने हैं।

भारत-रूस व्यापार को संतुलित बनाने की जरूरत

केंद्रीय मंत्री गोयल बोले- द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब डॉलर तक पहुंचा

- दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य किया निर्धारित

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-रूस व्यापार मंच के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मक्सिम ओरेश्किन और फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा इसे और अधिक संतुलित बनाने की दिशा में काम करने के व्यापक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता वस्तुएं, खाद्य उत्पाद, मोटर वाहन, ट्रैक्टर, भारी वाणिज्यिक वाहन, स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक, औद्योगिक कल-पुर्जे और वस्त्र भारत से रूस को निर्यात बढ़ाने की क्षमता रखने वाले में क्षेत्रों में शामिल हैं।

गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में कहा द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच रहा है, लेकिन हम आराम से नहीं बैठ सकते, हमें आगे बढ़ना होगा और संतुलन बनाना होगा। भारत का रूस को निर्यात 2024-25 में 4.9 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जबकि आयात 63.8 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा करीब 59 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि भारत सेवा क्षेत्र में भी रूस को बड़ी पेशकश कर सकता है।

रूसी संघ के राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मैक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि रूस के आयात में भारत की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है और इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। ओरेश्किन ने कहा कि अधिक संतुलित व्यापार के लिए इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत छह प्रमुख क्षेत्रों में आपूर्ति बढ़ा सकता है जिनमें कृषि, औषधि, दूरसंचार उपकरण, औद्योगिक कल-पुर्जे एवं मानव संसाधन शामिल हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि भारतीय व्यवसाय रूस को निर्यात बढ़ा सकें।

भारत-कनाडा ने व्यापार पर बातचीत की रूपरेखा और तौर-तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने एक्स पर लिखा, कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री सिद्धू के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने सीईपीए वार्ता शुरू करने की तैयारियों के तहत समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, व्यापक उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर शुरुआती और व्यापक चर्चा की। उन्होंने अगले साल कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमति जतायी। उल्लेखनीय है कि 2023 में, कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। उसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई थी। उसके बाद कनाडा ने भारत के साथ समझौते पर बातचीत रोक दी थी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं।

स्बरबैंक भारत में करेगा 10 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- 10 शहरों में 10 शाखाएं खोलने के लिए आरबीआई से मांगा लाइसेंस

रूस के सबसे बड़े बैंक स्बरबैंक ने गुरुवार को कहा कि वह भारत में अपने कारोबार का धीरे-धीरे विस्तार करने की योजना बना रहा है और तीन वर्ष में यहां 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा।

स्बरबैंक के सीईओ एवं चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने कहा कि हमारे पास यहां पूर्ण बैंकिंग लाइसेंस है। हम बी2बी कारोबार को बढ़ाएंगे और बी2सी (व्यवसाय से उपभोक्ता) खंड में प्रवेश करेंगे। 2010 में अपना परिचालन शुरू करने वाले इस बैंक ने आरबीआई से 10 शहरों में 10 शाखाएं खोलने के लिए लाइसेंस मांगा है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के केंद्रीय बैंक से कार्यालय खोलने के लिए 10 शाखा लाइसेंस देने का अनुरोध किया है। वर्तमान में इसकी दो शाखाएं हैं। बेंगलुरु में एक आईटी इकाई है जो आंतरिक डेटा प्रसंस्करण केंद्र के रूप में कार्य करती है।

स्बरबैंक, जेएससी फर्स्ट ने नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' किया पेश

रूसी बैंक स्बरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' पेश किया है जो निफ्टी 50 सूचकांक के प्रदर्शन से जुड़े निवेश की पेशकश करता है। इससे रूसी खुदरा निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में सीधे निवेश का मौका मिलेगा। शेयर बाजार ने गुरुवार को कहा कि इस फंड की पेशकश की घोषणा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) में आयोजित कार्यक्रम में स्बरबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने अपनी भारत की व्यावसायिक यात्रा के दौरान की।

फिच ने भारत की वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर किया 7.4%

नई दिल्ली, एजेंसी

- उपभोक्ता खर्च में वृद्धि व जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया

साख निर्धारित करने वाली एजेंसी फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान को 6.9 से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया। मुख्य रूप से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है।

फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दरों में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत पर लाने गुंजाइश देती है। आरबीआई इस साल अब तक मुख्य नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। उसने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी ने दिसंबर के लिए अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के अंत तक) की शेष अवधि में वृद्धि धीमी रहेगी, लेकिन हमने पूरे वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान को सितंबर के 6.9 से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। इस वर्ष वृद्धि को मुख्य रूप से निजी उपभोक्ता खर्च गति दे रहा है। इसका कारण मजबूत वास्तविक आय गतिशीलता, उपभोक्ता धारणा में सुधार और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का प्रभाव है। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत लगभग 375 वस्तुओं पर कर की दरें कम की गई है। इससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। जीएसटी में संशोधित दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं।

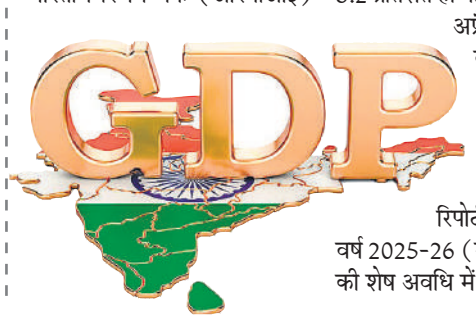

2026-27 में जीडीपी वृद्धि धीमी होकर रहेगी 6.4%

फिच को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर धीमी होकर 6.4 प्रतिशत रहेगी। इसने अनुमान लगाया है कि वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष (2026-27) की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आएगी। खाने-पीने की चीजों की कम कीमतों के कारण अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.3 प्रतिशत के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दर में एक और कटौती करके इसे 5 .25 प्रतिशत करने की गुंजाइश देगी...। आरबीआई शुक्रवार को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। फिच के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति में सुधार और गतिविधियों के मजबूत बने रहने के अनुमान के साथ आरबीआई नीतिगत दर में कटौती के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है और अगले दो साल तक नीतिगत दर 5 .25 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

मौद्रिक नीति के फैसलों की आज घोषणा

मुंबई, एजेंसी

- रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद, गवर्नर मल्होत्रा एमपीसी की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णयों की करेंगे घोषणा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में लिए गए निर्णयों की घोषणा करेगा। विशेषज्ञों ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद जताई है। आरबीआई की ओर से गुरुवार को जारी बयान के मुताबिक, गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करेंगे। अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर एमपीसी की बैठक बुधवार को शुरू हुई थी।

यह बैठक घटती मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तेज वृद्धि, डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के पार जाने और मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों की पृष्ठभूमि में हो रही है। खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के बीच आरबीआई ने फरवरी से रेपो दर में तीन किस्तों में कुल एक प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि पिछली दो बार से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है लेकिन खुदरा मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट ने प्रमुख अल्पकालिक ऋण दर में कटौती की अतिरिक्त गुंजाइश पैदा कर दी है।

आरबीआई गवर्नर ने भी पिछले महीने कहा था कि नीतिगत ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश है। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की संस्थापक लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा कि मौजूदा रेपो दर एक साल पहले की 6.5 प्रतिशत दर से काफी नीचे है।

अक्टूबर में मुद्रास्फीति एक दशक के अपने सबसे निचले स्तर 0.25 प्रतिशत पर रही और थोक मूल्यों में 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई है। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को दिए जाने वाले लगभग 70 प्रतिशत ऋण सीधे रेपो दर से जुड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि नीतिगत माहौल में सुधार के बावजूद, ऋण का अंतर अब भी व्यापक है और कार्यान्वयन स्तर पर वित्त तक पहुंच अब भी कठिन है। इस स्थिति को देखते हुए, ब्याज दर में 0.25 से 0.50 प्रतिशत की और कटौती करके उन्हें 5.25 प्रतिशत पर लाना उचित एवं आवश्यक है।

राष्ट्रीय

उपकर से मिला राजस्व राज्यों से होगा साझा

वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि पान मसाला के उत्पादन पर उपकर लगाने के प्रावधान का मकसद स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने सदन में 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगा।

सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य दो प्रमुख आयामों स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संसाधनों का स्रोत तैयार करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरत होती है कि सतत निवेश हो। यह उपकर आवश्यक वस्तुओं पर नहीं लगाया जाएगा। यह सिर्फ ऐसी हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा, जो स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालती हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस उपकर को लगाने से पान मसाला का दाम बढ़ेगा तो इन्हें खाने में रुकावट पैदा होगी। इससे जो राजस्व मिलेगा उसमें से एक हिस्सा राज्यों को भी देने का प्रावधान किया गया है ताकि वे स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं में इसका उपयोग कर सकें।

लोकसभा में विधेयक पर चर्चा करतीं निर्मला सीतारमण

- बोलीं- जीएसटी की व्यवस्था पर विधेयक का नहीं पड़ेगा कोई असर
- पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी रहेगा बरकरार

राजस्व हानि की भरपाई के लिए था क्षतिपूर्ति उपकर

एक जुलाई 2017 को जीएसटी की शुरूआत हुई थी तो जीएसटी कार्यान्वयन के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए 30 जून 2022 तक पांच वर्षों के लिए क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था लागू की गई थी। क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था को बाद में 31 मार्च 2026 तक चार साल के लिए बढ़ा दिया गया था और इसके संग्रह का उपयोग उस ऋण को चुकाने के लिए किया जा रहा है जो केंद्र ने राज्यों को कोविड महामारी की अवधि के दौरान जीएसटी राजस्व हानि की भरपाई के लिए लिया था।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के कैशलेस उपचार के 20% अनुरोध खारिज

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के कैशलेस उपचार की योजना के तहत किए 6,833 अनुरोधों में से अब तक सिर्फ 5,480 पीड़ित ही पात्र मिले हैं, और बाकी 1,353 मामले (20 प्रतिशत) पुलिस ने खारिज किए हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि मोटर वाहन दुर्घटना कोष के तहत कुल 73,88,848 रुपये की धनराशि दी गई है। गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के 'कैशलेस' उपचार की योजना, 2025 के तहत, हर दुर्घटना के मामले में पीड़ित का 1.5 लाख रुपये तक का 'कैशलेस' उपचार किया जाएगा।

विधेयक का उद्देश्य स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए संसाधन जुटाना

उन्होंने कहा कि पान मसाला को लेकर जीएसटी की जो व्यवस्था है, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। जीएसटी के तहत पान मसाला के उपभोग पर सबसे ज्यादा 40 प्रतिशत कर भी लगाया जा रहा है। 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा, जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है।

नीट परीक्षा ने शिक्षा का व्यावसायीकरण किया : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने देश में कोचिंग प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सरकार से मांग की कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट की समीक्षा की जाए। टैगोर ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) ने मेरिट को बढ़ावा नहीं, बल्कि निजी कोचिंग संस्थानों को मजबूत करके व स्कूलों को कमजोर कर शिक्षा का व्यावसायीकरण किया है।

टीईटी परीक्षा पास करने की अनिवार्यता में हस्तक्षेप करे सरकार

देश के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पहले से कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता संबंधी अदालती आदेश का हवाला देते हुए गुरुवार को कुछ सांसदों ने सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया। शिवसेना के वैर्यशील माने ने लोकसभा में कहा कि पहले से सेवारत प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा अनिवार्य करने की वजह से उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है।

जल जीवन मिशन संबंधी शिकायतों पर होगी कार्रवाई : पाटिल

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने लोकसभा में कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफ से जो शिकायतें आई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी। पाटिल ने बताया कि 'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक 15 करोड़ घरों में पानी पहुंचा दिया गया है तथा चार करोड़ और घरों में पानी पहुंचाने का काम जारी है। इस बार भी योजना के लिए 67 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की मांग

विपक्ष के कई सांसदों ने गुरुवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाई जाए क्योंकि अब भी बहुत सारी संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो पाया है। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की जियो-टैगिंग के बाद डिजिटल सूची बनाने के लिए छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' पोर्टल के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, टीएमसी की सजदा अहमद ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया।

वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- अमेरिका के पास सुरक्षा आधार पर निर्णय लेने का अधिकार

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है और अमेरिका के पास उसके राष्ट्रीय सुरक्षा आकलन के आधार पर वीजा देने या नहीं देने का निर्णय लेने का अधिकार है। उच्च सदन में पूरक प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में, ताजा घोषणा बुधवार को, वीजा निर्णयों को पूरी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा फैसला घोषित किया है।

जयशंकर ने यह बात ऐसे समय पर कही है जब इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि अमेरिका ने वीजा 'स्क्रीनिंग' प्रणाली को और कड़ा कर दिया है और अब वह आवेदकों के सोशल मीडिया खातों की विस्तृत जांच भी करेगा, जिसका असर भारतीय आवेदकों पर भी पड़ने का अनुमान है। जयशंकर ने कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है। अमेरिका के मामले में, उनका यह स्पष्ट मत है और ताजा घोषणा कल की है कि हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा निर्णय है। इसलिए वे किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित स्थिति का आकलन कर वीजा पर निर्णय लेने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार ने कहा है कि छात्र वीजा मामलों में वे सभी आवेदकों से सोशल मीडिया खातों की गोपनीयता सेटिंग को सार्वजनिक करने को कहेंगे ताकि वे सोशल मीडिया पोस्ट की पूरी तरह जांच कर सकें।

न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं : मेघवाल

सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि देश की विभिन्न अदालतों में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उच्च सदन में विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भाजपा के संजय सेठ द्वारा पूछे गये प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। सेठ ने सरकार को ध्यान दिलाया कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए विभिन्न कदमों से देश में नागरिकों की औसत आयु सीमा बढ़ गयी है। अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आजीवन सेवा देते हैं, जबकि ब्रिटेन, बेल्जियम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में इनकी आयु 70 वर्ष है। भारत में जिला अदालतों में न्यायाधीशों की आयु सीमा 60 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और उच्चतम न्यायालय में 65 वर्ष है। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए क्या वह न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके जवाब में मेघवाल ने कहा कि अभी कोई ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए बनाएं राष्ट्रीय कानून

राज्यसभा सदस्य फौजिया खान ने गुरुवार को डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाने की मांग की। राकांपा (एसपी) की नेता खान ने कहा कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी जीवनरक्षक होते हैं और लोग उन पर ईश्वर के बाद सर्वाधिक भरोसा करते हैं। लेकिन आज यही डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी धमकाए जा रहे हैं, उन पर हमले हो रहे हैं, उन्हें गालियां दी जा रही हैं और भीड़ द्वारा घेरा भी जा रहा है। उन्होंने कहा कि समस्या का स्तर इतना बड़ा है कि उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

देवी-देवताओं पर रेवंत की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। देवी-देवताओं पर दिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के बयान को लेकर भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और मांग की कि राहुल गांधी इस मामले पर चुप्पी तोड़ें और साफ करें कि क्या वह जिहाद के साथ खड़े दिखना चाहते हैं।

कांग्रेस की बैठक में रेड्डी ने कहा था कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है। यह बात उन्होंने हिंदू धर्म से तुलना करते हुए की और कहा कि भक्त कई भगवानों की पूजा करते हैं। हिंदुओं के कितने भगवान हैं? तीन करोड़? जिनकी शादी नहीं हुई है उनके लिए हनुमान हैं। जिनकी दो बार शादी हुई है उनके लिए एक और भगवान हैं। इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रेड्डी के बयान को सनातन विरोधी बताया।

लंबित तेजाब हमले के मामलों का ब्योरा दें हाईकोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह का समय देते हुए 16 वर्षों से लंबित मामले को बताया शर्मनाक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वे देश भर में तेजाब हमले के मामलों से संबंधित लंबित मुकदमों का ब्योरा चार सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। न्यायालय ने दिल्ली की अदालत में तेजाब हमले का एक मामला 16 वर्षों से लंबित रहने को शर्मनाक करार दिया।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर जनहित याचिका पर केंद्र और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को भी नोटिस जारी किए। पीठ ने मलिक के मुकदमे में लंबे समय से हो रही देरी को राष्ट्रीय स्तर पर शर्म की बात कहा। यह मुकदमा रोहिणी की अदालत में 2009 से लंबित है। पीठ ने कहा कि यह न्याय व्यवस्था का कैसा मजाक है। यह बहुत शर्मनाक है। अगर देश की राजधानी में ऐसे मामलों से निपटा नहीं जा सकता तो कौन इससे निपटेगा? सीजेआई ने मलिक से कहा कि वह याचिका में ही आवेदन दायर कर बताएं कि मामला अभी तक समाप्त क्यों नहीं हुआ है।

सेना पर टिप्पणियों के मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने पर लगी रोक बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर की आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा चलाने पर लगी रोक की अवधि अगले साल 22 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने गुरुवार को गांधी की अपील स्वीकार कर ली और कहा कि वह मामले की विस्तार से सुनवाई करेगी। राहुल गांधी ने निचली अदालत के समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया था लेकिन उच्च न्यायालय ने 29 मई को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद गांधी ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके, नुकसान नहीं

ढाका। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस महसूस किए गए। समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उसका केंद्र नरसिंगडी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि भूकंप में जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार भूकंप का केन्द्र कम गहराई पर होने के कारण ढाका और आसपास के जिलों के निवासियों को हल्के झटके ही महसूस हुए।

खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन ले जाने की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका परिवार उन्हें इलाज के लिए लंदन ले जाने की तैयारी कर रहा है। लंदन में जिया के बेटे एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान रहते हैं। खालिदा जिया (80) को हृदय और फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार दिन बाद, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने पर उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में भर्ती किया गया।

अमेरिका: गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल, हमलावर ढेर

ओमाहा। ओमाहा में एक गैस स्टेशन पर हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए, जबकि संदिग्ध हमलावर मारा गया। पुलिस प्रमुख टॉड श्माडरर ने बताया कि संदिग्ध हमलावर की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी, जिसने दोपहर के समय किराने की दुकान पर पहले 61 वर्षीय व्यक्ति के सीने पर कई गोलियां मारी थीं। अधिकारियों ने घटनास्थल से संदिग्ध की कार की लाइसेंस प्लेट नंबर हासिल की और उसकी कार का पीछा करते हुए गैस स्टेशन तक पहुंचे।

रूस: आतंकवाद के समर्थन के आरोप में रोब्लॉक्स पर प्रतिबंध

मॉस्को। रूस ने लोकप्रिय गेमिंग प्लेटफॉर्म 'रोब्लॉक्स' पर आतंकवाद के समर्थन और बच्चों को एलजीबीटी-संबंधित कंटेंट परोसने के आरोप में प्रतिबंध लगा दिया है। रूसी मीडिया के अनुसार रोब्लॉक्स हिंसक अपराधों के आह्वानों में भी शामिल रहा है। बयान में कहा गया कि यह गेमिंग प्लेटफॉर्म ऐसे असभ्य कंटेंट से भर गया था जो बच्चों के आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

मोजाम्बिक में विस्थापितों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- हिंसा के कारण 1,20,000 लाख विस्थापित झेल रहे हैं समस्याएं

संयुक्त राष्ट्र ने उत्तरी मोजाम्बिक प्रांत में हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित किए हैं। नामपुला प्रांत में 1,20,000 लोग विस्थापित हुए हैं जिनके लिए केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (सीईआरएफ) से बुधवार को सहायता जारी की गई।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि मंगलवार तक लगभग एक लाख लोग मध्य नवंबर में प्रांत में हिंसा फैलने के बाद से अपने घरों से पलायन कर चुके हैं। ओसीएचए ने कहा, विस्थापित लोगों में से दो तिहाई से अधिक बच्चे हैं जो अब भीड़भाड़ वाले स्कूलों, अस्थायी संरचनाओं, खुले स्थानों या पहले से ही कमजोर मेजबान परिवारों में आश्रय ले रहे हैं। आश्रय के अलावा उनके पास सुरक्षित जल, संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सेवाओं तक भी सीमित पहुंच है जबकि कुछ क्षेत्रों में हैजा फैल रहा है। कार्यालय ने कहा कि महत्वपूर्ण सहायता का भंडार लगभग समाप्त हो चुका है और सीईआरएफ की धनराशि से एराटी और मेम्बा जिलों में लोगों के लिए जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सहायता, बुनियादी घरेलू सामान, साथ ही आश्रय, सुरक्षा और आजीविका सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी।

जवाहरलाल नेहरू से नरेंद्र मोदी तक

भारत-रूस संबंध

भारत की आजादी के वक्त से ही रूस के साथ उसके संबंध गहरे और बहुआयामी रहे हैं। पिछले करीब सात दशक तक इन संबंधों का आधार आपसी विश्वास के साथ रणनीतिक सहयोग भी रहा है। रूस के साथ भारत के आधिकारिक राजनयिक संबंध स्वतंत्रता से ठीक पहले 13 अप्रैल 1947 को स्थापित किए गए थे। शीत युद्ध के दौरान भारत की गुटनिरपेक्ष नीति के बावजूद सोवियत संघ भारत का मजबूत सहयोगी बना। इस साझेदारी ने रक्षा, भिलाई स्टील प्लांट जैसे भारी उद्योग और अंतरिक्ष सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। अगस्त 1971 में हस्ताक्षरित 'शांति, मैत्री और सहयोग की संधि' इन संबंधों में एक मील का पत्थर थी। सोवियत संघ के विघटन के बाद भी यह रिश्ता बना रहा। अक्टूबर 2000 में 'भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी पर घोषणा' पर हस्ताक्षर किए गए, और 2010 में इसे 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया गया।

जब-जब सच्चा दोस्त साबित हुआ रूस

- 1971 के युद्ध के दौरान जब अमेरिका और चीन पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे, तब सोवियत संघ ने भारत को महत्वपूर्ण राजनयिक और सैन्य सहायता प्रदान की।
- रूस और सोवियत संघ ने कश्मीर मुद्दे और अन्य राजनीतिक मामलों पर भारत के रुख का समर्थन करते हुए कई बार संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया।
- भारत के पहले उपग्रह 'आर्यभट्ट' का 1975 में सोवियत रॉकेट से प्रक्षेपण, बाद में ब्रह्मोस मिसाइल जैसी संयुक्त परियोजनाओं ने गहरे तकनीकी सहयोग को दर्शाया।
- भारत की ओर से 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण पर पश्चिमी देशों की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी रूस ने भारत के साथ अपने संबंध पूर्ववत बनाए रखे।

संबंधों का वर्तमान महत्व

- भारत अमेरिका के साथ संबंध बढ़ाना चाहता है लेकिन रूस उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का आधार हैं।
- भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए अभी भी बड़े पैमाने पर रूसी उपकरणों और स्पेयर पार्ट्स पर निर्भर है।
- यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने रूस से तेल आयात जारी रखा जो उसकी ऊर्जा सुरक्षा में मददगार रहा।
- दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, एससीओ और ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग करते हैं।

रूस और पश्चिमी देश

- रूस के साथ संबंध रक्षा, ऊर्जा और राजनीतिक समर्थन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में कसौटी पर खरे उतरे हैं। पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंध लेनदेन वाले और वैश्विक परिदृश्य से प्रभावित हैं, रूस के साथ ऐतिहासिक भावनाओं पर टिके हैं।

78 साल : 1947 से अब तक

- जवाहर लाल नेहरू ने सोवियत संघ के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन के ढांचे के भीतर।
- इंदिरा गांधी के समय में भारत-रूस संबंध चरम पर पहुंचे। इस बीच 1971 की शांति, मैत्री और सहयोग की संधि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर थी।
- लियोनिद ब्रेजनेव ने सोवियत नेता के रूप में इंदिरा गांधी के साथ 1971 की संधि में निभाई, जिससे मजबूत सैन्य और आर्थिक संबंधों की नींव पड़ी।
- अटल बिहारी वाजपेयी और पुतिन ने वर्ष 2000 में रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिसने पुराने संबंधों को एक नई दिशा दी।
- रूस के सबसे लंबे समय नेता रहे पुतिन ने भारत के साथ संबंधों को लगातार प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में कई क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत हुई है।
- मनमोहन सिंह ने पुतिन और दिमित्री मेदवेदेव के साथ असैन्य परमाणु सहयोग जैसे प्रमुख समझौते किए, जिससे ऊर्जा सुरक्षा क्षेत्र में आगे बढ़े।
- नरेंद्र मोदी ने रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखी, वार्षिक शिखर सम्मेलनों में भाग लिया है और द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया है।

अमेरिकी सांसदों का रूबियो को पत्र पाकिस्तान पर लगाएं कड़े प्रतिबंध

शरीफ और मुनीर पर मानवाधिकार संकट और अंतर्राष्ट्रीय दमन का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

वाशिंगटन से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद प्रमिला जयपाल की अगुवाई में अमेरिकी संसद के कई सदस्यों ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इन सांसदों का कहना है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सरकार में मानवाधिकार संकट और अंतरराष्ट्रीय दमन लगातार बढ़ रहा है। सांसदों ने उन पर वीजा पाबंदी से लेकर उनकी संपत्ति फ्रीज करने तक कई प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है।

जयपाल की ओर से बुधवार को सार्वजनिक किए गए इस पत्र में अमेरिका में प्रभावित लोगों की सुरक्षा और इस्लामाबाद के साथ डील में मानवाधिकार स्तर को बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर अमेरिकी प्रशासन से औपचारिक जवाब भी मांगा गया है। पत्र में इन घटनाओं को पाकिस्तान में लोकतंत्र के पतन के एक बड़े पैटर्न से जोड़ा गया है, जिसमें पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज पर कार्रवाई का जिक्र किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि हाल के सालों में, पाकिस्तान में तानाशाही के गलत इस्तेमाल के खिलाफ बोलने वाले अमेरिकी नागरिकों और निवासियों को धमकियों, डर और परेशानी का सामना करना पड़ा है। ये परेशानियां अक्सर पाकिस्तान में उनके परिवारों तक भी पहुंच जाती हैं।

पत्र में यह भी कहा गया है कि इन तरीकों में मनमाने ढंग से हिरासत में लेना, जबरदस्ती करना और हिंसा करना शामिल है। सरकार इन तरीकों से बाहर से आए लोगों और उनके रिश्तेदारों को निशाना बनाती है। सांसदों ने कहा कि इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका की जमीन पर विदेशी दखल के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, हालांकि हम मानते हैं कि आतंकवाद विरोध और दूसरे मुद्दों पर अमेरिका-पाकिस्तान साझेदारी अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है, लेकिन यह साझेदारी मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक शासन और कानून के राज के लिये आपसी प्रतिबद्धता पर आधारित होनी चाहिए।

विदेश विभाग से मांगा जवाब : पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले सांसदों ने पूछा कि अमेरिकी प्रशासन पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के साथ इस तरह से कैसे जुड़ने का प्लान बना रहा है, जिससे मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए अमेरिका के बताए गए वचनों को बनाए रखा जा सके और तानाशाही व्यवहार को सही ठहराने की किसी भी सोच से बचा जा सके। उन्होंने विदेश विभाग से 17 दिसंबर तक लिखकर जवाब देने को कहा है।

तानाशाही शासन की ओर से बढ़ रहा है पाकिस्तान

सांसदों ने दावा किया कि पाकिस्तान तानाशाही शासन की तरफ ओर बढ़ रहा है। राजनीतिक विरोधियों को बिना किसी औपचारिक आरोप के जेल में डाला जा रहा है, स्वतंत्र पत्रकारों को धमकाया जा रहा है या देश निकाला दिया जा रहा है। नागरिकों को भी ऑनलाइन गतिविधि के लिए हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों और बलूचिस्तान सहित अन्य जातीय समूहों पर बढ़ते खतरे की ओर भी इशारा किया। सांसदों का कहना है कि ये समूह सरकारी दमन का खामियाजा भुगत रहे हैं। सांसदों ने ऐसी घटनाओं को नागरिक समाज को कुचलने और सैन्य शासन की सभी चुनौतियों को खत्म करने की एक सोचे-समझी साजिश करार देते हुए कहा, पाकिस्तान तानाशाही के बढ़ते संकट का सामना कर रहा है, जहां लोकतांत्रिक संस्थाओं और बुनियादी आजादी को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है।

कट्टरपंथी इस्लाम विश्व और अमेरिका के लिए खतरा : मार्क रूबियो

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने चेतावनी दी कि कट्टरपंथी इस्लाम की ज्यादा क्षेत्रों और अधिक लोगों को नियंत्रित करने की महत्वाकांक्षा दुनिया के लिए एक आसन्न खतरा है। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका नाइजीरिया और विश्व स्तर पर ईसाइयों के खिलाफ हिंसा को धन मुहैया कराने या उनका समर्थन करने वालों के लिए वीजा प्रतिबंधित करेगा। रूबियो ने एक साक्षात्कार में कट्टरपंथी इस्लामवादियों को संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए दावा किया कि इस्लामी कट्टरपंथी अमेरिका को पृथ्वी पर बुराई का मुख्य स्रोत मानते हैं। रूबियो ने कहा, यह विचार कि कट्टरपंथी इस्लाम इराक या सीरिया के किसी प्रांत को नियंत्रित करके ही संतुष्ट रहेगा, ऐसा इतिहास से सिद्ध नहीं होता है। कट्टरपंथी इस्लाम ने दिखाया है कि उनकी इच्छा सिर्फ दुनिया के एक हिस्से पर कब्जा करके अपने छोटे से खलीफा से संतुष्ट होना नहीं है, वे विस्तार करना चाहते हैं।

हसीना के बेटे जॉय के खिलाफ अरेस्ट वारंट

ढाका। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासित बेटे साजिब वाजेद जॉय के खिलाफ बृहस्पतिवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह वारंट मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में उनकी मां को मौत की सजा सुनाने के एक महीने बाद जारी किया गया है।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के एक अभियोजक ने बताया, न्यायाधिकरण ने जुलाई के विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के लिए जॉय के विरुद्ध दर्ज मामले में वारंट जारी किया है। आईसीटी मामलों के तत्कालीन कनिष्ठ मंत्री जुनैद अहमद पलक के विरुद्ध भी ऐसा वारंट जारी किया गया था। पलक पहले से ही जेल में हैं।

ब्रिटेन: नर्व एजेंट हमले के लिए रूसी खुफिया एजेंसी पर पाबंदी

लंदन, एजेंसी

- पुतिन पर लगाया आदेश देने का आरोप, रूस का राजदूत तलब

ब्रिटेन ने 2018 के 'नर्व एजेंट' हमले को लेकर बृहस्पतिवार को रूस की खुफिया एजेंसी जीआरयू पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके साथ मॉस्को के राजदूत को भी तलब किया। ब्रिटेन ने यह कदम एक जांच में निकले निष्कर्ष के बाद उठाया है, जिसमें दावा गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2018 में ब्रिटेन की भूमि पर हुए 'नर्व एजेंट' हमले के लिए जिम्मेदार थे।

'नर्व एजेंट' ऐसे जहरीले रसायन हैं जो सीधे तंत्रिका तंत्र पर असर करते हैं। ये मस्तिष्क तक जाने वाले संकेतों को बाधित कर देते हैं, जिससे शरीर ठीक तरह से काम करना बंद कर देता है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि सैलिसबरी शहर में हुए उस हमले के लिए जीआरयू पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिसमें ब्रिटेन आए पूर्व सोवियत एजेंट सर्गेई स्क्रिपल को निशाना बनाया गया था। 'नोविचोक नर्व एजेंट' के संपर्क में आने से एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्गेस की मौत हो गई थी। स्टर्गेस की मौत की जांच का नेतृत्व करने वाले ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एंथनी ह्यूजेस ने कहा कि स्क्रिपल पर हमले को पुतिन की ओर से उच्चतम स्तर पर अधिकृत किया गया होगा।

अंतरिक्ष मिशन के लिए मिल सकते हैं रूस से सेमी क्रायोजेनिक इंजन

इंजन के साथ तकनीक भी हस्तांतरित करने को रूस सहमत

मॉस्को, एजेंसी

- पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हो सकते हैं अहम सौदे

रूस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करते हुए अपने सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन आरडी-191 की आपूर्ति करने और इसके निर्माण की तकनीक भारत को देने के लिए सहमत है। यह कदम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की गुरुवार से शुरू हो रही दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान इस बेहद खास सौदे की घोषणा हो सकती है।

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री बकनोव ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि भारत के साथ रॉकेट इंजन का सौदा होने वाला है। उन्होंने मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष स्टेशन के विकास में भी सहयोग की संभावना जताई। बकानोव ने इंजन के प्रकार का उल्लेख नहीं किया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह एक सेमी-क्रायोजेनिक इंजन होगा। दोनों देशों के बीच रॉकेट इंजन सौदे पर पिछले कुछ वर्षों से बातचीत चल रही थी। यह रूस और भारत के बीच दूसरा प्रमुख सौदा होगा, इससे पहले ब्रह्मोस मिसाइल का संयुक्त उद्यम सफलतापूर्वक चल रहा है। यह दूसरी बार होगा जब भारत रूस से रॉकेट इंजन खरीदेगा।

पहले भारत ने इसरो के जीएसएलवी रॉकेट के शुरुआती चरण के लिए सात क्रायोजेनिक इंजन खरीदे थे, लेकिन अमेरिकी भूराजनीतिक दबाव के कारण रूस ने बाद में आपूर्ति रोक दी थी और कोई तकनीक हस्तांतरण नहीं किया गया था। भारत अपने मौजूदा भारी-लिफ्ट रॉकेट एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) में आरडी-191 सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उपयोग करना चाहता है। वर्तमान में, एलवीएम3 की पेलोड क्षमता भूस्थिर कक्षा के लिए केवल चार टन है। इसरो इस क्षमता को पांच टन तक बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए शक्तिशाली क्रायोजेनिक इंजन के साथ एलवीएम3 के दूसरे चरण के तरल इंजन को सेमी-क्रायोजेनिक इंजन से बदला जाएगा। ये संवर्द्धन पेलोड क्षमता को बढ़ाएंगे और न्यूस्पेस इंडिया के जरिए वाणिज्यिक पेशकशों के लिए रॉकेट को तैयार करेंगे। अभी भारत को चार टन से अधिक वजन वाले संचार उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के लिए विदेशी एजेंसियों को भारी रकम चुकानी पड़ती है।

नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सहयोग की घोषणा

मास्को। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने कहा है कि उनका देश नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग को और बढ़ाने के लिए तैयार है। मंटुरोव ने एक साक्षात्कार में स्पुतनिक से कहा, रूस एक ऐसा भागीदार है जो भारत के साथ न केवल अत्याधुनिक विमानन तकनीक की आपूर्ति करके, बल्कि भारत के घरेलू विमानन उद्योग के विकास के लिए भी काम करने के लिए तैयार है। हमारा मानना है कि आपसी हित सैन्य क्षेत्र से आगे जाकर नागरिक उड्डयन में भी सहयोग का विस्तार करने में हो सकता है। गौरतलब है कि दोनों देशों का विमानन सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। सुप्रसिद्ध मिग-21 और सुखोई-30एमकेआई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान भारत में लाइसेंस के तहत बनाए जाते हैं।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में गिरा अमेरिका का एफ-16

ट्रोना। अमेरिकी वायुसेना के विशिष्ट 'थंडरबर्ड्स' दस्ते का एक लड़ाकू विमान दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट समय रहते बाहर निकलने में सफल रहा।

सैन बर्नार्डिनो काउंटी के दमकल विभाग के अनुसार, पायलट का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उसे जानलेवा चोट नहीं लगी हैं। नेवादा में स्थित नेलिस एयरफोर्स बेस की ओर से जारी बयान के अनुसार, एफ-16सी फाइटिंग फाल्कन बुधवार सुबह लगभग 10:45 बजे कैलिफोर्निया में नियंत्रित हवाई क्षेत्र में प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

दमकल विभाग ने बताया कि विमान लॉस एंजिलिस से 290 किमी उत्तर में स्थित मोजावे रेगिस्तान के ट्रोना के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने की यूक्रेन को 6.2 करोड़ डॉलर की सैन्य मदद देने की घोषणा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के लिए 9.5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की, जिसमें रक्षा बल सामग्री एवं उपकरण शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने विदेश मंत्री पेनी वोंग और रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय के साथ एक बयान में कहा कि नए पैकेज से यूक्रेन को ऑस्ट्रेलिया की कुल सहायता 1.7 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक हो जाएगी।

नई सैन्य सहायता में नाटो की प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची में 5.0 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान शामिल होगा, जिसके माध्यम से यूक्रेन को महत्वपूर्ण उपकरण, साथ ही 4.3 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति की जाएगी। एडीएफ उपकरणों में सामरिक वायु रक्षा रडार, युद्ध सामग्री और लड़ाकू इंजीनियरिंग उपकरण शामिल होंगे।

- नए सहायता पैकेज में रक्षा बल सामग्री और उपकरण शामिल

पुतिन पर शांति प्रयासों में दिखावे का आरोप

कीव। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने पुतिन पर शांति वार्ता में रुचि दिखाने का दिखावा करने का आरोप लगाया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि पुतिन को दिखावा और खूनखराबा बंद करके वार्ता करनी चाहिए और उचित व दीर्घकालिक शांति के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने पुतिन से दुनिया का समय बर्बाद न करने की अपील की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 6 दिसंबर 00 .55 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

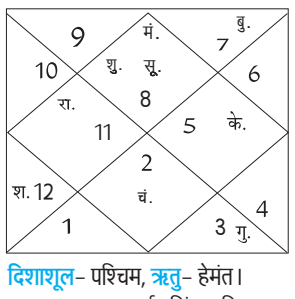

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 11.46 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष — आज अपने खर्चों में कटौती करें वरना बजट गड़बड़ा सकता है। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। बाहर का भोजन करने से पाचन खराब हो सकता है।

वृष — आज आप पूरी मेहनत से काम करेंगे। कारोबार में उत्तम धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च करेंगे पुराने निवेश से धन लाभ होगा। युवा जातक प्रेम सम्बन्धों को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। तात्कालिक निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। बिना मांगे किसी को राय देने से अपमान हो सकता है। अनैतिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उधार धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कर्क — आज कारोबार को लेकर यात्रा हो सकती है। उच्च अधिकारी आपके काम से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शेयर मार्केट से धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। लोग आपसे परामर्श लेना पसंद करेंगे।

सिंह — आज आपके कार्य धीमी गति से पूर्ण होंगे। पड़ोसियों के साथ विवाद उभरने की आशंका है। रिश्तों में मधुरता का आनंद लेंगे। कारोबार में कठिनाई हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ नहीं है। अपनी दिनचर्या संतुलित रखें।

कन्या — आज महत्वपूर्ण कार्यों के लिए दिन शुभ है। धर्म-कर्म में रुचि कम होने की संभावना है। शोधकार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। मतभेदों का निवारण हो सकता है।

तुला — आज कारोबार में बड़ा निवेश करने से पहले पूरी जांच-परख कर लें। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। नए कार्यों की शुरुआत न करें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थकान महसूस होगी। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर हो सकता है।

वृश्चिक — आज आपके सभी कार्य अच्छी तरह से पूर्ण होंगे। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। साझेदारी में नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक समय का आनंद उठाएंगे। प्रेम विवाह को लेकर समस्या हो सकती है।

धनु — आज का दिन कानूनी मामलों के लिए शुभ है। कोई कठिन कार्य पूरा हो सकता है। किसी से द्वेष व कपटपूर्ण बर्ताव न करें। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पुराना उधार चुकाने में सफलता मिलेगी।

मकर — आज अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास करें। नव विवाहित लोग कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। अपने प्रेमी जन को प्रपोज करने के लिए दिन शुभ है। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े कारोबार में धन लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज आप अपने करियर को लेकर अत्यन्त गंभीर रहेंगे। नजदीकी लोगों की सलाह की उपेक्षा करना नुकसानदेह हो सकता है। दांपत्य संबंधों में कड़वाहट हो सकती है। व्यर्थ के खर्चे बढ़ सकते हैं। सरकारी कार्यों में रुकावटें आने की संभावना है।

मीन — आज कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी संवादशैली से लोग प्रभावित रहेंगे। करियर में बड़ा बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। दांपत्य संबंधों में भावनात्मक लगाव और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सुडोकू-181

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3					
				4				
		7						
3			2					
5								9
			5					
						1	7	
	4	8						

सुडोकू - 180 का हल

5	1	8	7	2	4	3	9	6
2	7	4	3	9	6	1	8	5
3	9	6	5	8	1	4	2	7
9	2	7	1	6	3	5	4	8
1	8	3	2	4	5	6	7	9
6	4	5	8	7	9	2	3	1
8	5	2	6	3	7	9	1	4
7	6	9	4	1	2	8	5	3
4	3	1	9	5	8	7	6	2

रन तभी मायने रखते हैं जब आप मैच जीतते हैं। ईमानदारी से कहूं तो कम से कम मेरे लिए तो यही मायने रखता है। अगर हम दूसरा वनडे हार जाते तो मैं पिछले मैच की तरह ही दुखी होता। जीत हासिल करके मुझे बहुत खुशी हुई है।
- एडेन मार्करम

स्टेडियम

अयोध्या, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नारायण 600 टी-20 विकेट चटकाने वाले पहले क्रिकेटर बने

अबु धाबी। गेंदबाजी में विविधता के लिए पहचाने जाने वाले रहस्यमयी स्पिनर सुनील नारायण ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में 600 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। वेस्टइंडीज के नारायण ने बुधवार को यहां शारजाह वारियर्स के खिलाफ अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। त्रिनिदाद के इस 37 वर्षीय क्रिकेटर ने टॉम एबेल को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। उनकी यह उपलब्धि टी20 प्रारूप में महानतम गेंदबाजों में से एक के रूप में नारायण के दर्जे को और मजबूत करती है। मैच के बाद अबु धाबी नाइट राइडर्स ने नारायण के विशेष जर्सी दी जिसमें 600 अंक लिखा था जो उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि को दर्शाता है।

चेन्नई सुपर वॉरियर्स प्लेऑफ में पहुंचा

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर वॉरियर्स बृहस्पतिवार को यहां इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 4-2 से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। चेन्नई की टीम चार जीत से 12 अंक के साथ तालिका में सबसे ऊपर है। उसके बाद हैदराबाद की टीम दूसरे स्थान पर है। लखनऊ की टीम तीसरे और गुड़गांव की टीम चौथे स्थान पर है। मुंबई की टीम अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है जिससे वह सबसे नीचे है। वहीं बेंगलुरू पांचवें स्थान पर है।

बैडमिंटन : भारत का दमदार प्रदर्शन

गुवाहाटी। तन्वी शर्मा और अश्मिता चालिहा की अगुआई में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बृहस्पतिवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में दबदबा बनाते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 41वीं नंबर की खिलाड़ी और आठवीं वरीय तन्वी ने महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पासा ओर्न फानाचेट को सीधे गेम में 21-17 23-21 से हराया। दुनिया की 96वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने पांचवीं वरीय हमवतन अनमोल खरब के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए 16-21 21-17 21-16 से जीत दर्ज की। भारत की इशारानी बरुआ ने हमवतन श्रेया लेले को 21-13 10-21 21-12 से हराया। तुषार सुवीर ने पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के बिस्मो राया ओक्तोरा को 21-17 18-21 21-15 से शिकस्त दी।

गायत्री-त्रीसा की शीर्ष 10 में वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली। सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खिताब की रक्षा करके गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने सिर्फ एक और ट्रॉफी नहीं जीती बल्कि उन्हें वह लय भी वापस मिल गई है जिसकी तलाश वे इस सत्र में कर रहीं थी। दो बार ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली गायत्री और त्रीसा की जोड़ी ने 2025 की सकारात्मक शुरुआत की। इस साल की शुरुआत में भारतीय जोड़ी 13 हफ्तों तक दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी थी और वे 2026 को दोबारा शीर्ष 10 में वापसी करना चाहती है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज माधव कौशिक। एजेंसी

उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराया

कोलकाता, एजेंसी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

समीर रिज्वी के अर्धशतक के बाद भुवनेश्वर कुमार की धारदार गेंदबाजी से उत्तर प्रदेश ने बृहस्पतिवार को यहां सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप बी मैच में चंडीगढ़ को 40 रन से हरा दिया।

उत्तर प्रदेश के 213 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ की टीम भारतीय टीम से बाहर चल रहे भुवनेश्वर (23 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 172 रन ही बना सकी। उत्तर प्रदेश ने इससे पहले रिज्वी की 42 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों से 70 रन की पारी और सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक (67 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की बदौलत सात विकेट पर 212 रन बनाए। सिद्धार्थ यादव ने भी रन आउट होने से पहले 12 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से 28 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा (61 रन) ने एक छोर संभाले रखा पर दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला।

हार्दिक पंड्या के प्रशंसकों की दीवानगी के कारण मैच स्थल बदला गया

हैदराबाद : भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को देखने के लिए जबरदस्त भीड़ को देखते हुए आयोजकों को बृहस्पतिवार को यहां जिमखाना मैदान जैसे साधारण स्थल से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच को अधिक सुरक्षित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में स्थानांतरित करना पड़ा। यह मुकाबला उनकी टीम बड़ौदा और गुजरात के बीच खेला गया। इसमें बड़ौदा ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हार्दिक की मौजूदगी के कारण अप्रत्याशित भीड़ और सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया गया।

केरल की चैंपियन मुंबई पर सनसनीखेज जीत

लखनऊ : कप्तान संजू सैमसन (46), विष्णु विनोद (नाबाद 43) और शराफुद्दीन (नाबाद 35/ एक विकेट) के बाद केएम आसिफ (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर केरल ने ग्रुप ए मुकाबले में गुरुवार को चैंपियन मुंबई को 15 रनों से शिकस्त दी।

नई भूमिका से सामंजस्य बैठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई : गायकवाड़

बोले - ओपनिंग करूं या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी, कुछ देर बाद समान हो जाती है प्रक्रिया

रायपुर, एजेंसी

रुतुराज गायकवाड़।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नई भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। भारत इस मैच में हालांकि चार विकेट से हार गया था।

गायकवाड़ ने कहा मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया। उन्होंने कहा यह केवल शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए।

गायकवाड़ ने कहा एकदिवसीय प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब भी मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं। उन्होंने कहा मैं जानता हूं कि 11 से 40 ओवरों के बीच कैसे खेलना है, स्ट्राइक रोटेट कैसे करनी है और बाउंड्री के विकल्प क्या हैं। मुझे अपनी पारी आगे बढ़ाने के लिए खुद पर पूरा भरोसा था। गायकवाड़ चोटिल होने के कारण इस साल आईपीएल के सभी मैच में नहीं खेल पाए थे और उन्हें काफी समय तक बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि वह अतीत पर ध्यान नहीं देते और वर्तमान में रहने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा यही बेहतर होता है कि आप इस तरह की चीजों के बारे में अधिक नहीं सोचें क्योंकि अगर आप वर्तमान में नहीं हैं तो आपका ध्यान और तैयारी पर असर पड़ता है। मेरे दिमाग में कुछ चीजें चल रही थीं, लेकिन उसके बाद मैंने तय किया कि चाहे किसी भी प्रारूप का मैच हो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। गायकवाड़ ने कहा अगर मुझे मौका मिलता है, तो यह अच्छी बात है, अगर मुझे मौका नहीं मिलता है, तब भी ठीक है। मुझे यह बात अच्छी तरह से पता है कि जितना हो सके रन बनाते रहना मेरा कर्तव्य है और अगर चीजें फिर से मेरे अनुकूल होती हैं तो यह अच्छी बात है और अगर नहीं होती हैं, तब भी अच्छी बात है। गायकवाड़ ने स्वीकार किया कि 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से खेली गई 105 रन की पारी उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने कहा मैं हां कहूंगा क्योंकि नंबर चार पर बल्लेबाजी करना भी मेरे लिए एक चुनौती थी। सुपरस्टार विराट कोहली के साथ खेलने का मौका मिलना कुछ ऐसा था जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी, लेकिन गायकवाड़ ने अपना ध्यान रन बनाने पर केंद्रित रखा।

जिन्होंने करियर में कुछ हासिल नहीं किया वे रोहित-कोहली का भविष्य तय कर रहे

शारजाह। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं। हरभजन ने यहां कहा यह मेरी समझ से परे है। मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा क्योंकि मैं खुद एक खिलाड़ी रहा हूं और जो मैं देख रहा हूं वह मेरे साथ भी हुआ है। मेरे कई साथियों के साथ ऐसा हुआ है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम इस बारे में बात नहीं करते या इस पर कोई चर्चा नहीं करते। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 417 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कोहली और रोहित के साथ किए जा रहे व्यवहार के संदर्भ में कहा जब मैं विराट कोहली जैसे खिलाड़ी को देखता हूं जो अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है तो मुझे बहुत खुशी होती है।

पहली गेंद से ही लग रहा था कि कोहली लगातार दूसरा शतक लगाने में सफल रहेंगे : गावस्कर

रायपुर। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में शुरू से ही लग रहा था कि विराट कोहली शतक लगाने में सफल रहेंगे, क्योंकि इस दिग्गज बल्लेबाज ने छक्का लगाकर अपना खाता खोला और पिछले मैच के अपने आत्मविश्वास को बनाए रखा। कोहली ने बुधवार को यहां 93 गेंदों पर 102 रन बनाए, जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 53वां शतक और सभी प्रारूप में मिलाकर 84वां शतक है। हालांकि भारत यह मैच चार विकेट से हार गया। उन्होंने 30 नवंबर को रांची में खेले गए पहले मैच में 120 गेंदों पर 135 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 17 रन से जीता था। जियोस्टार विशेषज्ञ गावस्कर ने कहा ईमानदारी से कहूं तो किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि वह शतक नहीं बना पाएंगे। पहली गेंद से ही ऐसा लगा कि वह रांची की अपनी पारी को ही आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कोहली ने हुक करके छक्का जड़कर शुरुआत की।

आनंद को हराकर एरिगैसी ने खिताब जीता

जेरूशलम, एजेंसी

जेरूशलम मास्टर्स

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन

आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।

एरिगैसी ने बाद में कहा यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने आगे कहा आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफ़ी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के ख़िलाफ़ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ एरिगैसी को 55,000 अमेरिकी डॉलर, जबकि आनंद को 35,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। एरिगैसी ने सेमीफाइनल में रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर को जबकि आनंद ने विश्व ब्लिट्ज चैंपियन इयान नेपोमनियाची को हराया था।

एशेज सीरीज में शतक लगाने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के जो रूट। एजेंसी

रूट का ऑस्ट्रेलिया में पहला शतक

ब्रिस्बेन, एजेंसी

- एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट का पहला दिन
- स्टार्क के छह विकेट के बावजूद इंग्लैंड संभला

325 रन नौ विकेट पर बना लिए इंग्लैंड ने पहले दिन स्टंप तक

जो रूट (नाबाद 135 रन) ने बृहस्पतिवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक जड़ा जिससे इंग्लैंड ने स्टंप तक पहली पारी में नौ विकेट पर 325 रन बना लिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 71 रन देकर छह विकेट झटके लेकिन इंग्लैंड शुरूआती झटकों से उबरकर अच्छी स्थिति में पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया में रूट ने अभी तक शतक नहीं लगाया था और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 एशेज टेस्ट में उनका सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 89 था। लेकिन उन्होंने लंबा इंतजार खत्म करते हुए 181 गेंद में 11 चौके से 100 रन पूरे किए। वह अभी तक 202 गेंद का सामना करके 15 चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं।

स्टार्क ने बेन डकेट और ओली पोप को खाता भी नहीं खोलने दिया जिससे तीसरे ओवर में इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर पांच रन हो गया था। तभी रूट क्रीज पर आए। उन्होंने पर्थ में सीरीज के पहले मैच में मिली आठ विकेट की हार के बाद इंग्लैंड की पारी को संभालते हुए आत्मविश्वास दिलाने की कोशिश की। वह 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ क्रीज पर मौजूद हैं। आर्चर ने अपने करियर का सबसे अच्छा नाबाद 32 रन का स्कोर बनाया। इससे रूट और आर्चर ने अंतिम विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी निभा ली है। स्टार्क ने बीच के सत्र में हैरी ब्रूक (31 रन) को आउट कर अपने करियर का 415वां विकेट हासिल किया।

ईपीएल : आर्सेनल को पांच अंकों की बढ़त

लंदन, एजेंसी

आर्सेनल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में पांच अंक की बढ़त हासिल कर ली है जबकि लिवरपूल का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा।

आर्सेनल ने जहां ब्रेंटफोर्ड पर 2-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं लिवरपूल ने एनफील्ड में अंतिम क्षणों में आत्मघाती गोल की मदद से संदरलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला।

मौजूदा चैंपियन लिवरपूल की टीम अब आठवें स्थान पर है। उसके कोच आर्ने स्लॉट आलोचकों के निशाने पर हैं और स्टार फारवर्ड मोहम्मद सलाह को लगातार दूसरे मैच में शुरुआती लाइनअप से बाहर रखने के उनके फैसले की कड़ी आलोचना होने की संभावना है। इस बीच चेल्सी को लीड्स के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को झटका लगा। इस हार से चेल्सी चौथे स्थान पर खिसक गई और आर्सेनल से नौ अंक पीछे हो गई, जिसने सभी प्रतियोगिताओं में अपना अजेय अभियान 18 मैचों तक बढ़ा लिया है और 2004 के बाद से पहली बार लीग खिताब जीतने की ओर अग्रसर है।

आखिरी स्थान पर चल रहे वॉल्वरहैम्प्टन को नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट के हाथों अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि एस्टन विला ने ब्राइटन पर 4-3 से जीत हासिल की।

ओलंपिक मशाल इटली को सौंपी

एथेंस (यूनान)। यूनान ने गुरुवार को ऐतिहासिक पैनाथेनाइक स्टेडियम में मिलान-कॉर्टिना ओलंपिक शीतकालीन खेल 2026 के समारोह के लिए ओलंपिक मशाल इटली को सौंपी। जहां से इसे एक महीने से अधिक समय तक देशभर में घुमाया जाएगा।

मशाल को विश्व कुश्ती चैंपियन जॉर्जियोस कौगियोउमटसिडिस स्टेडियम में ले गए। उन्होंने इसे इटली की ओलंपिक चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी और साइकिलिस्ट फिलिपो गान्ना को सौंपा। यह मशाल ओलंपिक गेम्स की जन्मभूमि यूनान और आने वाले शीतकालीन ओलंपिक के मेजबान देश इटली के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों की निशानी है। वर्ल्ड वॉटर पोलो चैंपियन एलेनी जेनाकी ने फिर मशॉल ली और यूनान की राष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर, कल्लिमारमारो स्टेडियम में अग्निकुंड को प्रज्ज्वलित किया।

जूनियर हॉकी विश्व कप | क्वार्टर फाइनल में आज होगी भिड़ंत, पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने पर देना होगा ध्यान

बेल्जियम के खिलाफ भारत की होगी असली परीक्षा

चेन्नई, एजेंसी

भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप के एक मैच दौरान भारतीय खिलाड़ी। फाइल फोटो

यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए।

2016 में भारत ने आखिरी बार जीता था खिताब

पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी।

इंग्लैंड ने चिली दक्षिण अफ्रीका ने मलेशिया को हराया

चेन्नई। इंग्लैंड ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में गुरुवार को चिली को 3-1 से हराया। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मैच में इंग्लैंड के लिये काडेन ड्रेसे ने तेरहवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल दागा। वहीं कप्तान मैक्स एंडरसन ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में फील्ड गोल करके बढत दुगुनी कर दी। दक्षिण अफ्रीका ने जेडन बूकर के दो गोलों की मदद से मलेशिया को नौवे से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मैच में 3-1 से हराया। मैच में चारों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए। बूकर ने 18वें और 39वें मिनट में गोल दागे जबकि तीसरा गोल रोस मोंटगोमेरी ने 58वें मिनट में किया।